हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

मैनपुर

जानवरों का ही नहीं, इंसानों की फिक्र कीजिए...

■ द्वंद्व रोकने नहीं हो रही कारगर पहल मुआवजा भुगतान तक सिमटा अमला

की जा रही पहल

हाथियों की क्षति रोकने लगातार अभियान चलाया जा रहा है। हाथियों की नियमित निगरानी करने के साथ ही ग्रामीणों को लगातार जागरूक किया जा रहा है।
केआर बढ़ई, सीएफ, वाइल्ड लाइफ

छत्तीसगढ़ में कुछ इलाके ऐसे भी हैं, जहां लोग जमीन पर पैर रखने के लिए भी 100 बार सोचते हैं। यहां जंगली जानवरों का इतना भय है कि शाम छह बजे के बाद कोई व्यक्ति गांव से बाहर नहीं निकलता। जो बाहर है वह जमीन पर नहीं सोता। मचान बनाकर ऊपर चढ़कर बैठता है। लोग घर में रहते हैं, वे दरवाजे खिड़कियां बंद कर देते हैं। वहां भी जान सलामत नहीं है। हाथियों का खौफ ऐसा है कब जान चली जाए पता नहीं।

दहशत की जिंदगी, कहीं भालू, कहीं तेंदुआ कहीं सूअरों के खौफ में मचान पर सो रहे लोग

कांकेर-विजय कुमार पांडेय, मैनपुर-हसन खान, गरियाबंद-गोरेलाल सिन्हा, सरगुजा-अजय नारायण पांडेय, रायगढ़-प्रतीक मिश्रा, पेंड्रा- संदीप अग्रवाल की विशेष रिपोर्ट

हरिभूमि ने गरियाबंद, मैनपुर, कांकेर के उन इलाकों में रात गुजारी, जहां पर मानव-वन्य प्राणियों के बीच द्वंद्व अक्सर होते रहते हैं। गरियाबंद के मैनपुर और देवभोग इलाके में अपनी और फसल की सुरक्षा को लेकर खेतों में किसान लकड़ी के बड़े-बड़े मचान बना चुके हैं। लगभग 12 से 18 फीट ऊंचे इस मचान के ऊपर किसान बैठकर चारों तरफ अपनी फसलों की सुरक्षा कर रहे हैं। साथ ही मचान में बैठकर पटाखे फोड़ कर तथा बाजा बजा-बजाकर अपनी फसलों की सुरक्षा कर रहे हैं। ▶▶| शेष पेज 4 पर

अलग खबर

गरियाबंद

अंबिकापुर

कांकेर

सुबह 4 बजे फॉरेस्ट अमला देता है गांव की रिपोर्ट

जिले के वनमंडल कांकेर के सरोना और कांकेर परिक्षेत्र में सबसे ज्यादा तेंदुआ पहाड़, किसानों के खेत व गांव में शिकार करने के दृष्टिकोण से लगातार नजर आ रहे हैं। तेंदुआ की सक्रियता को देखकर गांव में दहशत का माहौल होगा, उसे देखने के लिए हरिभूमि ने प्रभावित गांव का भ्रमण किया। गांव में वन विभाग का ▶▶| शेष पेज 4 पर

गरियाबंद

सरगुजा

6 महीने में हाथियों ने ली 24 की जान

मरवाही क्षेत्र में आतंक, 24 घंटे में 2 की मौत, 5 घायल

बिलासपुर और सरगुजा संभाग के वन क्षेत्रों के ग्रामीणों का जीवन इन दिनों दहशत में गुजर रहा है। हाथियों के उत्पात से खेती किसानी चौपट है वहीं ग्रामीण अपने घरों में भी अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। मानव- हाथी का यह द्वंद्व रुकने का नाम नहीं ले रहा है। सरगुजा से वर्ष 1989 में 18 प्रवासी हाथियों से शुरू हुई यात्रा 35 सालों में छत्तीसगढ़ के गांव-गांव तक पहुंच गई है। हाथियों की संख्या बढ़कर 360 हो गई है। अब हाथी छत्तीसगढ़ के स्थाई निवासी बन गए हैं। जैसे-जैसे ▶▶| शेष पेज 4 पर

भालू ने ले ली दो की जान

भालू लैंड मरवाही में एक बार फिर भालू का आतंक फैलता जा रहा है। यहां 24 घंटे में भालू के हमले से 2 की मौत हो गई है, वहीं 5 घायल हुए हैं। मामला ▶▶| शेष पेज 4 पर

खबर संक्षेप

वाइएसआर ने मंदिरों में की शुद्धीकरण पूजा

तिरुपति। तिरुपति मंदिर के लड्डुओं में मिलावट के आरोप में घिरी वाइएसआर कांग्रेस पार्टी ने शनिवार को तिरुपति के प्राचीन तातैयागुंटा गंगम्मा मंदिर में शुद्धीकरण पूजा की। तिरुपति के सांसद डॉ. एम. गुरुमूर्ति ने कहा, वाइएसआर कांग्रेस पार्टी ने तिरुपति मंदिर के लिए खरीदे जाने वाले घी की क्वालिटी बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए थे।

पुरी जा रही बस पलटी, चार की मौत

बालासोर। ओडिशा के बालासोर जिले में यूपी से आई पर्यटक बस के पलट जाने से चार लोगों की मौत हो गई। हादसे में 30 व्यक्ति घायल हो गए।यह हादसा शुक्रवार आधी रात को हुआ। बस राष्ट्रीय राजमार्ग-60 पर सड़क से फिसलकर धान के खेत में गिर गई। हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए 17 लोगों को बालासोर जिला मुख्यालय अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

प्रायवेट अस्पताल ही नहीं, एम्स भी बना रेफर सेंटर 5 महीने में 615 मरीज आंबेडकर अस्पताल शिफ्ट

विकास शर्मा ▶▶| रायपुर

प्रदेश के प्रायवेट अस्पताल ही नहीं, सबसे बड़ा चिकित्सकीय संस्थान एम्स भी अब रेफर सेंटर बनने लगा है। रोजाना की ओपीडी में साढ़े तीन हजार मरीजों के लिए 987 बेड का एम्स छोटा पड़ने लगा है जिसकी वजह से मरीजों को अन्य अस्पताल भेजना पड़ रहा है। इसकी वजह से बेहतर उपचार की आस में एम्स जाने वाले मरीजों को कई बार दूसरे अस्पतालों के चक्कर लगाने पड़ जाते हैं। यह आंकड़े चौंकाने वाले हो सकते हैं कि पिछले पांच महीने में 615 मरीजों को आंबेडकर अस्पताल भेजा गया है जिनमें से कुछ वेंटिलेटर वाले मरीज भी थे, जो मौत के करीब थे।

खास खबर

सात सौ बेड के सेटअप के साथ शुरू हुआ आंबेडकर अस्पताल अब अघोषित रूप से 1400 बेड का हो चुका है। यहां नियमित ओपीडी-आईपीडी के अलावा अन्य अस्पतालों से रेफर होकर आने वाले मरीजों को भी इलाज के लिए भर्ती किया जाता है। निजी अस्पतालों द्वारा स्थिति गंभीर होने पर मरीजों को सरकारी अस्पताल में शिफ्ट किए जाने की शिकायत मिलती रहती है मगर अब प्रदेश के सबसे बड़े चिकित्सकीय संस्थान एम्स के भी रेफर सेंटर बनने चर्चा होने लगी ▶▶| शेष पेज 4 पर

बेहतर चिकित्सा की आस में एम्स जाने वाले मरीजों को लगाना पड़ता है चक्कर

ऐसे रिफर हुए

मई	142
जून	96
जुलाई	181
अगस्त	154
22 सितंबर तक	42

प्राथमिकता इमरजेंसी ट्रीटमेंट

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के जनसंपर्क अधिकारी डॉ. मृत्युंजय राठौर के मुताबिक हमारी प्राथमिकता मरीज को इमरजेंसी ट्रीटमेंट देने की होती है। आवश्यक उपचार के बाद उन्हें संबंधित विभाग भेजा जाता है, जहां उपलब्धता के आधार पर मरीज हित में फैसला लिया जाता है।

रोजाना आ रहे मरीज

आंबेडकर अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एसबीएस नेताम ने बताया कि पिछले कुछ समय से एम्स से आने वाले मरीजों की संख्या बढ़ी है। अभी रोजाना चार से पांच मरीज वहां बेड नहीं होने की जानकारी के साथ रेफर होकर आ रहे हैं। इसके अलावा अन्य अस्पतालों से भी मरीज को आवश्यक इलाज के लिए यहां रेफर किया जाता है। मरीज बढ़ने की वजह से कई बार वेंटिलेटर सहित मौजूदा संसाधन कम पड़ जाते हैं।

इमरजेंसी का हाल भी बुरा

गंभीर स्थिति में इलाज के लिए एम्स के इमरजेंसी एंड ट्रामा में जाने वाले मरीजों को भी कई बार दूसरे अस्पताल का चक्कर लगाना पड़ जाता है। जानकारों के अनुसार यहां की इमरजेंसी की क्षमता 120 बेड की है और औसतन 170 मरीज यहां इलाज के लिए पहुंचते हैं। कई बार मरीजों को स्ट्रेचर में रखकर आवश्यक उपचार दिया जाता है कि फिर उन्हें आंबेडकर अस्पताल जैसे अन्य हायर सेंटर में रेफर कर दिया जाता है।

पुलिस ने जताई हत्या की आशंका

खेत की मेड़ में गड़ा मिला लापता युवक का शव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

चार दिन से लापता युवक की लाश खेत में मिली है। वहीं जिस खेत में लाश मिली, उसके मालिक ने मामले मुकदमे में फंस जाने के भय से जहर पी लिया। हालांकि मामला प्रथम दृष्टया हत्या का प्रतीत हो रहा है। फिलहाल मामले में पुलिस ने लाश को खोदकर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पिथौरा थाना क्षेत्र के सराईटार के खेत में चार दिन से लापता युवक की लाश मिलने से आसपास के गांवों में सनसनी फैल गई। शव की पहचान ▶▶| शेष पेज 4 पर

फॉरेंसिक एक्सपर्ट को बुलाया गया

पुलिस ने अंधे कत्ल की आशंका को देखते हुए उच्च अधिकारियों सहित फॉरेंसिक एक्सपर्ट को जांच के लिए बुलाया। शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। दूसरी ओर खिलेश्वर के परिजनों का कहना है कि खिलेश्वर 25 सितंबर की रात से घर से लापता था। परिजन उसकी खोजबीन करते रहे। परिजनों ने 48 घंटे बाद पिथौरा थाने में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

करीब आधे घंटे तक जाम रहा कवर्धा-रायपुर नेशनल हाईवे

हत्या से आक्रोश, सड़क पर शव रखकर किया चक्काजाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कवर्धा

बाजार चारभांटा पुलिस चौकी अंतर्गत ग्राम बिरनपुर खुर्द में एक युवक ने धारदार चाकूनुमा पेंचकस मारकर एक ग्रामीण की हत्या कर दी थी। इसके अलावा कई अन्य ग्रामीणों घायल कर दिया था। जिसके बाद गांव में विवाद की स्थिति बन गई। यहां मृतक का शव लेने पहुंचे परिजनों व ग्रामीणों ने पहले तो जिला अस्पताल घेरा।

फिर जिला मुख्यालय कवर्धा से गुजरने वाले नेशनल हाईवे 30 स्थित छिरहा चौक में मृतक का शव रखकर चक्काजाम कर दिया और शासन-प्रशासन के साथ पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की।

आधा घंटा बाधित रहा आवागमन

करीब आधा घंटे के इस चक्काजाम के बाद ग्रामीणों ने आला प्रशासनिक अधिकारियों की समझाइश तथा मांगों पर आश्वासन मिलने के बाद चक्काजाम समाप्त किया। उल्लेखनीय है कि बीते शुक्रवार को ग्राम बिरनपुर खुर्द निवासी आदतन अपराधी तथा शराबी युवक अशोक साहू पिता भोको साहू (30) ने उसी गांव के निवासी रोहित साहू व दुकलहा साहू पर उस समय धारदार चाकू नुमा पेंचकस से ताबड़तोड़ हमला कर दिया जब वे स्थानीय नदी किनारे बैठे थे। बीच बचाव के दौरान आरोपी अशोक साहू ने ग्रामीण उत्तरा साहू व तिजाऊ साहू को घायल कर दिया। इस घटना में ग्रामीण रोहित साहू के गले में चाकू के वार से गंभीर चोट आने से उसकी मौत हो गई।

चुनावी बॉण्ड योजना पर शिकायत

केंद्रीय मंत्री सीतारमण और ईडी अफसरों पर एफआईआर

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

चुनावी बॉण्ड योजना से संबंधित एक शिकायत के बाद यहां की एक अदालत के निर्देश पर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और अन्य के खिलाफ शनिवार को मामला दर्ज किया गया। इस योजना को अब निरस्त किया जा चुका है। पुलिस के अनुसार एक विशेष अदालत के आदेश के आधार पर केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के ▶▶| शेष पेज 4 पर

क्या है आरोप

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि सीतारमण ने ईडी अधिकारियों की गुप्त सहायता और समर्थन के माध्यम से राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर दूसरों के फायदे के लिए हजारों करोड़ रुपए की जबरन वसूली की। इसमें कहा गया है, चुनावी बॉण्ड की आड़ में जबरन वसूली का काम विभिन्न स्तरों पर भाजपा के पदाधिकारियों की मिलीभगत से चलाया जा रहा था।उच्चतम न्यायालय ने फरवरी में चुनावी बॉण्ड योजना को यह कहते हुए रद्द कर दिया था कि इससे संविधान ▶▶| शेष पेज 4 पर

50 रुपए किलो के चावल में भी मिल रही बासमती की सुगंध

चावल में एसेंस फ्लेवर को पकड़ना आसान नहीं

चार बूंदों में मिल रही है बासमती की सुगंध अब कृषि विवि बनाएगा पकड़ने के लिए किट

ललित राठौड़ ▶▶| रायपुर

बदलते समय के साथ अब बाजार में चावलों की सुगंध भी नकली हो चुकी है। आज भी कई लोग बासमती चावल केवल खास सुगंध की वजह से खरीदते और खाते हैं, लेकिन दुकानदार और चावल कंपनी ने खुशबू के नाम पर लोगों को ठगना शुरू कर दिया है। एक समय था, जब बासमती चावल की पहचान खेती में लगी फसलों से हो जाती ▶▶| शेष पेज 4 पर

हरिभूमि खास

चावल में एसेंस फ्लेवर को पकड़ना आसान नहीं

हरिभूमि ने एसेंस के इस्तेमाल से नकली सुगंध बनाने को लेकर कृषि विवि के वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉ. दीपक शर्मा से बातचीत की, जिन्होंने चावल के शोध व नई वैरायटीज भी तैयार ▶▶| शेष पेज 4 पर

सुगंध बढ़ाने के लिए भी एसेंस का उपयोग

बाजार में बड़ी संख्या में सामान्य चावल को सुगंधित करने के लिए व्यापारी एसेंस का उपयोग करने लगे हैं। कृषि विवि का भी दावा है कि बाजार में कई चावल ऐसे भी है, जिसका मूल स्वरूप सुगंध से जुड़ा नहीं है, उसमें भी अब सुगंध आ चुकी है। जिस चावल में सुगंध कम होती है, उसे बढ़ाने के लिए भी एसेंस डाल दी जाती है। एक ▶▶| शेष पेज 4 पर

डायग्नोस्टिक किट बना रहा कृषि विवि

इंदिरा गांधी कृषि विवि नकली सुगंध की जांच करने के लिए डायग्नोस्टिक किट बना रहा है, जिसकी मदद से आसानी से नकली सुगंध का पता लगाया जा सकता है। वर्तमान में नकली सुगंध के चावल लोगों को बेचे जा रहे हैं, लेकिन बिना मशीन की मदद से इसका पता नहीं लगाया जा सकता है।

- डॉ. दीपक शर्मा, वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक, कृषि विवि

हरियाणा में पीएम मोदी का बड़ा हमला : जहां कांग्रेस होती है, वहां कभी स्थिरता नहीं आ सकती

'बापू भी दावेदार और बेटा भी, कांग्रेस में सीएम बनने के लिए मारामारी', इनकी सोच दलित-पिछड़ा विरोधी

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

जो पार्टी अपने नेताओं के बीच ही एकता नहीं ला सकती, वो राज्य में स्थिरता कैसे लाएगी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए हिसार में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। मोदी ने कांग्रेस की अंदरूनी कलह का भी जिक्र करते हुए कहा, कांग्रेस में मुख्यमंत्री बनने के लिए मारामारी मची है। बापू भी दावेदार है और बेटा भी दावेदार है। दोनों मिलकर बाकियों को निपटाने में लगे हैं।

मोदी ने कहा, जहां कांग्रेस होती है, वहां कभी स्थिरता नहीं आ सकती। जो पार्टी अपने नेताओं के बीच ही एकता नहीं ला सकती, वो राज्य में स्थिरता कैसे लाएगी? हरियाणा की जनता कांग्रेस के झूठे वादों में नहीं फंसने वाली है। कांग्रेस देश की सबसे धोखेबाज और बेईमान पार्टी है। कांग्रेस पूरे दलित समाज से नफरत करती है। कांग्रेस में दलितों और पिछड़ों के लिए दरवाजे एकदम बंद हैं। कांग्रेस का शाही परिवार कह रहा है कि वह दलितों और पिछड़ों का आरक्षण समाप्त कर देंगे, इनकी सोच ही दलितों और पिछड़ा विरोधी है।

अब हरियाणा में निकलेगी गुब्बारे की हवा : मोदी

मोदी ने कहा, जैसे-जैसे वोटिंग की तारीख नजदीक आ रही है कांग्रेस पस्त पड़ती जा रही है। कांग्रेस के नेता अब कहने लगे हैं कि हरियाणा में भी वही हाल होगा, जो मध्य प्रदेश में हुआ था। मध्य प्रदेश और राजस्थान में पिछले चुनाव में इन्होंने झूठ का गुब्बारा खूब फुलाया लेकिन जनता ने वोट की चोट देकर उस गुब्बारे की हवा निकाल दी। अब हरियाणा में भी यही होने जा रहा है।

दलालों-दामाद का बचाव कर रही कांग्रेस - प्रधानमंत्री मोदी

मोदी ने कहा कि कांग्रेस सिर्फ लूट-खसोट ही नहीं करती, बल्कि निर्लज्जता से उसका बचाव भी करती है। कांग्रेस के राज में कैसे दलालों और दामाद का ही बोलबाला था। ये मैंने हरियाणा की जनता के सामने रखा, अगर किसी को पछतावा होता, तो वह हरियाणा की जनता से माफी मांगता, लेकिन कांग्रेस के लोगों ने आपसे माफी नहीं मांगी, बल्कि बड़ी बेशर्मी से दलालों और दामाद का बचाव कर रहे हैं।

कांग्रेस ने सर्जिकल स्ट्राइक के सबूत मांगे- कांग्रेस : *पीएम ने कहा कि आज 28 सितंबर है, हमने आज की रात को सर्जिकल स्ट्राइक की थी। हमने इसी दिन बता दिया था कि भारत अब घर में घुसकर मारता है। कांग्रेस ने हमारी सेना से सर्जिकल स्ट्राइक के सबूत मांगे थे। इसने हमारे सेनाध्यक्ष को गली का गुंडा कहा था। क्या देशभक्त हरियाणा के लोग ऐसी कांग्रेस को बर्दाश्त करेंगे।*

कांग्रेस सबसे बड़ी सांप्रदायिक पार्टी- पीएम : *मोदी ने कहा कि भारत में अगर सबसे बड़ा सांप्रदायिक दल कोई है तो वह कांग्रेस है। कांग्रेस की सांप्रदायिकता की सजा हरियाणा भी भुगत रहा है। कांग्रेस तुष्टीकरण के लिए ऐसी मानसिकता को बढ़ावा दे रही है। जिससे हमारी बहन बेटियों पर हमले हो रहे हैं। कांग्रेस के विधायक की धमकी सुनी होगी, कांग्रेस अगर जीती तो लोगों को घर छोड़ना होगा। सत्ता तो अभी मिली नहीं है, लेकिन ये जनता को भड़काने का काम कर रही है।*

माताओं-बहनों का नारा- म्हारा हरियाणा नॉनस्टॉप हरियाणा

पीएम ने कहा, हरियाणा की माताओं-बहनों ने यहां एक नारा दिया है - म्हारा हरियाणा, नॉनस्टॉप हरियाणा। हरियाणा का विकास ऐसे ही नॉनस्टॉप चलते रहना चाहिए। इसलिए हरियाणा तीसरी बार भाजपा को मौका देने का मन पक्का कर चुका है। चारों तरफ से आवाज आ रही है - भरोसा दिल से, भाजपा फिर से। हिमाचल में इन्होंने क्या-क्या झूठ बोला, उसकी आप कल्पना भी नहीं कर सकते। अब सरकार बनने के बाद कांग्रेस ने अपने वायदों से पल्ला झाड़ लिया है।

आतंक के आका जानते हैं मोदी पाताल से ढूंढ लेगा

जम्मू। कांग्रेस, नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी को संविधान का सबसे बड़ा दुश्मन करार देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि जम्मू कश्मीर के लोग शांति और अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए "भ्रष्टाचार, आतंकवाद और अलगाववाद" से मुक्त सरकार की आस लगाए हुए हैं। मोदी ने यहां एमएएम स्टेडियम में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए '2016 में की गई सीमापार सर्जिकल स्ट्राइक' का जिक्र किया और कहा, "आतंक के आका जानते हैं कि यदि वे कुछ गलत करेंगे तो मोदी उन्हें पाताल से भी ढूंढ निकालेगा। जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव का तीसरा और आखिरी चरण एक अक्टूबर को है। इस चरण में जम्मू क्षेत्र की 40 और कश्मीर घाटी की 16 सीटों के लिए मतदान होगा। मोदी ने रैली में दावा किया कि भाजपा के प्रति लोगों में जबर्दस्त उत्साह है।

किसानों को एमएसपी की गारंटी

महिलाओं को 2000 महीना 25 लाख तक मुफ्त इलाज

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

हरियाणा विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने शनिवार को चंडीगढ़ में अपना घोषणापत्र जारी किया। इसमें मुफ्त बिजली, मुफ्त इलाज, महिलाओं को आर्थिक सहायता, किसानों को एमएसपी की गारंटी, 25 लाख रुपए तक का इलाज और राज्य में जाति जनगणना कराने जैसे कई बड़े वादे किए गए हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा, राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष उदय भान की मौजूदगी में यह घोषणापत्र जारी किया गया। ज्ञात हो कि हरियाणा में 90 सदस्यीय विधानसभा के चुनाव के तहत 5 अक्टूबर को मतदान होगा। मतगणना 8 अक्टूबर को होगी और नतीजे घोषित होंगे। इसके बाद अगली सरकार बनेगी। चुनावी घोषणापत्र में कांग्रेस ने हरियाणा के हर परिवार को

मुफ्त बिजली सहित कांग्रेस ने घोषणापत्र में किए कई वादे

महिलाओं को आर्थिक मदद व सस्ता गैस सिलेंडर

मध्य प्रदेश की 'लाडली बहना योजना' और महाराष्ट्र की 'लड़की बहन योजना' की तर्ज पर कांग्रेस ने भी हरियाणा में 18 से 60 साल की आयु की महिलाओं को 2000 रुपये हर माह देने का वादा किया है। घोषणापत्र में गैस सिलेंडर के लिए 500 रुपये देने का भी वादा किया गया है।

300 यूनिट मुफ्त बिजली और 25 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज देने का वादा किया है।

दर्द के दशक का होगा अंत : राहुल गांधी

कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि भाजपा ने एक दशक में हरियाणा से उसकी समृद्धि, उसके सपने और शक्ति छीन ली। उन्होंने कांग्रेस के घोषणा पत्र में किए गए वादों का जिक्र करते हुए कहा कि, "कांग्रेस की आने वाली सरकार 'दर्द के दशक' का अंत करेगी - हर हरियाणा वासी की उम्मीदों, आकांक्षाओं और ख्वाबों को पूरा करना हमारा संकल्प है।

बेंगलुरु के नामचीन होटल को मिली बम से उड़ाने की धमकी, मुंबई में भी अलर्ट

एजेंसी ⏭ बेंगलुरु

कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में शनिवार को ताज वेस्ट एंड होटल को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद हड़कंप मच गया।

होटल प्रशासन को धमकी अज्ञात लोगों ने ईमेल के जरिए भेजी थी। सूचना पर बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉयड के साथ पहुंची पुलिस ने होटल को खाली कराकर उसकी जांच शुरू की। रेसकोर्स क्षेत्र में स्थित यह लक्जरी होटल राजनेताओं और क्रिकेटरों सहित बड़ी हस्तियों की मेजबानी के लिए मशहूर है।

मुंबई में बढ़ाई गई चौकसी व सतर्कताइधर, मुंबई पुलिस ने शहर में आतंकी हमले के खतरे को देखते हुए सुरक्षा बढ़ा दी है। धार्मिक स्थलों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में सुरक्षा बल तैनात कर दिए गए हैं। संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत देने का निर्देश दिया है।

जांच में झूठी निकली धमकी

सेंट्रल बेंगलुरु के पुलिस उपायुक्त शेखर एचटी ने ईमेल के जरिए बम की धमकी मिलने की पुष्टि की। हालांकि, बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉयड की टीम की जांच के बाद वहां कुछ नहीं मिला। इसके बाद पुलिस धमकी को फर्जी करार दे दिया। इससे होटल में ठहरे लोगों ने राहत की सांस ली।

दामाद-दलाल वाले बयान पर मोदी-शाह पर भड़के रॉबर्ड वाड्रा

नई दिल्ली। हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस-बीजेपी के बीच जुबानी जंग तेज है.। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शब्दों को दोहराते हुए हरियाणा की पिछली कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाया था कि पहले डीलर्स, दामाद और दलाल काम करते थे। अब इस पर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा ने हमला बोला है। उन्होंने कहा बीजेपी के लोग अपनी नाकामी छुपाने के लिए मेरा नाम लेते हैं। मैं हमेशा सच्चाई के लिए लड़ा हूं।

पीएम की भाषा खराब होती जा रही- रॉबर्ट

रॉबर्ट वाड्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी व गृहमंत्री अमित शाह राजनीतिक कारणों से पंडित जवाहरलाल नेहरू, सोनिया गांधी, इंदिरा गांधी, राहुल गांधी को निशाना बनाते हैं।

महाराष्ट्र में 26 नवंबर से पहले होंगे विस चुनाव

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा के लिए महाराष्ट्र के दो दिवसीय दौरे पर पहुंची चुनाव आयोग की टीम ने अपना दौरा पूरा कर लिया है। दो दिवसीय दौरे के दौरान निर्वाचन आयोग की टीम ने कई राजनीतिक दलों और अधिकारियों के साथ अहम बैठक कीं।

चुनाव आयोग ने बताया कि महाराष्ट्र में 26 नवंबर से पहले चुनाव कराना होगा, क्योंकि नवंबर में महाराष्ट्र विधानसभा कार्यकाल खत्म हो रहा है। आयोग ने कहा कि विधानसभा की 288 सीटों के लिए 9.59 करोड़ वोटर हैं। जिसमें से 49 हजार 39 मतदाता सौ साल से ऊपर की उम्र के हैं। साथ ही महाराष्ट्र में महिला वोटरों की संख्या में 22 फीसदी का इजाफा हुआ है। महाराष्ट्र की स्थिति की समीक्षा करने के बाद

■ मुख्य चुनाव आयुक्त ने दी जानकारी

'पेड होगा चुनाव हॉलीडे' : *आयोग ने ये भी कहा कि मतदान वाले दिन पेड हॉलीडे होगा। इस बारे में इंडस्ट्रियल एरिया में सभी उद्योगपतियों और प्रबंधन को जानकारी दे दी जाएगी। साथ ही सख्ती से इसका पालन करना होगा।*

चुनाव आयोग ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चुनाव की तैयारियों के बारे में जानकारी दी। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने बताया कि हम यहां आपको आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के लिए चुनाव आयोग की तैयारियों के बारे में जानकारी देने आए हैं।

त्यौहारों का ध्यान रखने सहित मिले कई सुझाव : *चुनाव आयुक्त चुनाव आयुक्त ने कहा कि हम बीएसपी, आप, एनसीपी, एनसीपी (एसपी), एनसीपी, शिवसेना, यूबीटी सेना, एमएनएस, बीजेपी, कांग्रेस, कुल 11 पार्टियों से मिले। उन्होंने हमें दिवाली, छठ पूजा है और त्योहारों को ध्यान में रखकर कार्यक्रम बनाने की सलाह दी है। राजनीतिक दलों ने हफ्ते के बीच में मतदान करने की भी मांग की है। बूथ पर फोन रखने की सुविधा हो। उन्होंने यह भी कहा कि मतदान केंद्र पर मोबाइल फोन लाने से असुविधा हो रही है। ट्रांसफर पोस्टिंग की जाए। बूथ पर पोलिंग एजेंट स्थानीय व्यक्ति ही होना चाहिए, क्योंकि उन्हें सबके बारे में जानकारी होती है। फेक न्यूज पर नजर रखनी चाहिए।*

रायपुर

रविवार, 29 सितंबर 2024

आश्विन कृष्ण पक्ष द्वादशी

वर्ष : 23, अंक : 74

पृष्ठ : 12+6+4 = 22 मूल्य : 5.00**

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

मौसम

अधि. 34.0

न्यून. 24.3

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

कांग्रेस शासन के पर्ची और खर्ची सिस्टम को लोग नहीं भूले हैं, जनता तीसरी बार भाजपा की सरकार बना रही है

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का कहना है कि हरियाणा की जनता ने मन बना लिया है कि यहां पर तीसरी बार भाजपा की सरकार बनानी है। जनता समझ गई है कि कांग्रेस ने हमेशा झूठ बोलने के अलावा कुछ नहीं किया है। कांग्रेस के शासनकाल में हर वर्ग परेशान रहा है। अब जनता नहीं चाहती है कि उनको फिर से उसी परेशानी का सामना करना पड़े। यहां पर भाजपा की सरकार बनने के बाद डबल इंजन की सरकार हो जाएगी और हरियाणा का काफी तेजी से विकास होगा। हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के साथ चुनाव संवाद में उनसे हुई बातचीत के अंश प्रस्तुत हैं।

खास खबर

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से डॉ. हिमांशु द्विवेदी का चुनावी संवाद

⏭ क्या कारण है जो इतनी रात को भी मुस्कुरा रहे हैं?

⏭ ये लोगों का प्यार है हरियाणा के लोगों का आशीर्वाद है। इसलिए इस चेहरे पर मुस्कान रहती है।

⏭ पिछले चुनाव में 73 पार का नारा दिया गया था, इस बार कोई नारा सुनाई नहीं दे रहा है?

⏭ जनता आशीर्वाद दे रही है, नारा भी जनता से पूछ लें बता देगी। जनता कह रही है तीसरी बार भाजपा की सरकार बड़ी जीत के साथ बनेगी। वो सीटें भी जहां पर कांग्रेस ने कभी सोचा नहीं है, वहां भी कमल का फूल खिलकर आएगा। हुड्डा को अभी अपने क्षेत्र में दिक्कत आ रही है। भूपेंद्र सिंह हुड्डा जी भी परेशानी में हैं कि क्या हो गया है। जनता ने कांग्रेस और भाजपा के दस साल का आकलन किया है और जनता ने ही फैसला किया है कि भाजपा की सरकार तीसरी बार बनेगी।

⏭ चार माह पहले लोकसभा में भाजपा और कांग्रेस को बराबर सीटें मिलीं, चार माह में ऐसा क्या हो गया जो आपको भरोसा है सरकार बनने का?

⏭ कांग्रेस ने झूठ बोलकर सीटें हथियाने का काम किया है, इसका हम थोड़ा सा आंकलन करेंगे, हिमाचल और कर्नाटक में कांग्रेस कैसी आई, तेलंगाना में कैसी आई, कांग्रेस ने 60 साल तक देश पर राज किया इसके बाद कांग्रेस को जनता को गारंटी देनी पड़ रही है, झूठ बोलना पड़ रहा है। जनता बहुत भोली है, कांग्रेस के झांसे में आ जाती है। इसके बाद कांग्रेस उसी जनता को लूटने का भी काम करती है। इसका उदाहरण ये तीनों राज्यों भी हैं। तीनों राज्यों में वादे पूरे नहीं किए। एक लाख रोजगार देने की बात थी, रोजगार नहीं दिया। तीन सौ यूनिट बिजली मुफ्त देने की बात थी, नहीं दी, बल्कि बिजली का रेट बढ़ा दिया। कांग्रेस का हरियाणा में झूठ चलने वाला नहीं है। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव में झूठ बोलकर पांच सीटें जीती थीं, उनका झूठ अब विधानसभा चुनाव में चलने वाला नहीं है। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव में भी झूठ बोला कि भाजपा की ⏭शेष पेज 4 पर

inh 24x7

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

मुख्यमंत्री स्टालिन के बेटे उदयनिधि डिप्टी सीएम

चेन्नई। तमिलनाडु की राजनीति में बड़ा उलटफेर हुआ है। मुख्यमंत्री

के बेटे उदयनिधि स्टालिन को उप-मुख्यमंत्री बनाया गया है। उदयनिधि का शपथ ग्रहण रविवार को आयोजित किया जाएगा। एक और अहम पहलू सेंटिल बालाजी की कैबिनेट में वापसी है। बालाजी को पहले बिजली, उत्पाद शुल्क मंत्रालय दिया गया था।

सुनीता विलियम्स की वापसी के लिए मिशन लॉन्च

नई दिल्ली। सुनीता विलियम्स को धरती पर लाने वाले नासा

स्पेस क्रेव-9 मिशन की सफल लॉन्चिंग हो गई है। लॉन्चिंग फ्लोरिडा के केप केनवरल से की गई। पहले इसमें चार एस्ट्रोनॉट्स जा रहे थे। अब सिर्फ दो ही जाएंगे, ताकि लौटते समय सुनीता और बुच को ला सकें।

एसजीपीसी पंजाब में नहीं चलने देगी इमरजेंसी

नई दिल्ली। रिलीज से पहले विवादों में घिरीं भाजपा सांसद और एक्ट्रेस कंगना रनौत की फिल्म

इमरजेंसी पंजाब में नहीं चलने दी जाएगी। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की आंतरिक समिति की बैठक में फैसला लिया गया। फिल्म में सिख पंथ की शख्सियत जरनैल सिंह खालसा भिंडरावाले के किरदार को गलत दिखाया है।

अवैध पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट, तीन की मौत

चंडीगढ़। हरियाणा में सोनीपत जिले के एक गांव में स्थित एक 'अवैध' पटाखा कारखाने में शनिवार को

विस्फोट होने से दो महिलाओं और एक बच्चे की मौत हो गई जबकि नौ अन्य घायल हो गए। रिढाऊ गांव में स्थित कारखाने में जब यह विस्फोट हुआ तो वहां श्रमिक और उनके कुछ परिवार के सदस्य मौजूद थे।

एअर इंडिया विमान के भोजन में कॉकरोच

नई दिल्ली। एअर इंडिया के एक यात्री ने राष्ट्रीय राजधानी से न्यूयॉर्क जाने वाले विमान में परोसे गए

'ऑमलेट' में कॉकरोच मिलने की शिकायत की है। वहीं, एअर इंडिया ने कहा है कि उसने जांच के लिए खानपान सेवा प्रदाता के समक्ष यह मामला उठाया है। हम एक यात्री द्वारा सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई जानकारी से अवगत हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन बोले-पीड़ितों को न्याय मिला, महबूबा ने नसरल्लाह को बताया शहीद

दो महीने में हिजबुल्ला की लीडरशिप खत्म चीफ हसन मारा गया, खोमनई अंडरग्राउंड

एजेंसी ⏭ बेरूत

इजरायल ने लेबनान के ईरान समर्थित चरमपंथी समूह हिजबुल्लाह की टॉप कमांड को एक के बाद एक करके बेरहमी से खत्म कर दिया है। समूह को सबसे बड़ा झटका शुक्रवार को लगा जब इजरायल ने हसन नसरल्लाह को उनके भूमिगत बंगर में बनाकर किए गए हवाई हमले में खत्म कर दिया। नसरल्लाह को मारने के पहले इजरायल ने हाल ही में किए गए कई हमलों में हिजबुल्ला के पूरे शीर्ष नेतृत्व को खत्म कर दिया है।

लेबनान के हिजबुल्ला समूह ने अपने नेता और समूह के संस्थापकों में से एक हसन नसरल्ला के इजराइली हवाई हमले में मारे जाने की शनिवार को पुष्टि की। एक दिन पहले बेरूत में इजराइली हवाई हमलों में नसरल्ला की मौत हो गई थी। शनिवार को जारी एक बयान में बताया गया कि नसरल्ला शहीद होने वाले अपने साथियों में शामिल हो गए। बयान के मुताबिक, हिजबुल्ला ने दुश्मन के खिलाफ और फलस्तीन के समर्थन में युद्ध जारी रखने का संकल्प लिया। नसरल्ला ने तीन दशकों से ज्यादा समय तक आतंकवादी समूह का नेतृत्व किया।

इजराइल की हिज्बुल्ला के साथ कई सप्ताह तक जारी जंग में नसरल्ला की मौत को आतंकवादी समूह के लिए सबसे बड़ा झटका माना जा रहा है। सेना ने कहा कि जब हिजबुल्ला का नेतृत्व बेरूत के दक्षिण में दहियेह स्थित अपने मुख्यालय में बैठक कर रहा था तभी एक सटीक हवाई हमला किया गया। इजराइली सेना ने कहा कि हिजबुल्ला के दक्षिणी मोर्चे के कमांडर अली कार्की और उसके अन्य कमांडर भी हमले में मार गिराए गए। इजराइल के 'चीफ ऑफ स्टाफ' लेफ्टिनेंट जनरल हर्जी हलेवी ने शनिवार को कहा कि नसरल्ला का 'खात्मा अंत नहीं' है। ⏭शेष पेज 4 पर

- हसन नसरल्लाह — हिजबुल्लाह प्रमुख — मारा गया
- फुआद शुकर — रदवान फोर्स टॉप कमांडर — मारा गया
- वसीम अल तवील — फोर्स कमांडर — मारा गया
- इब्राहीम अकील — ऑपरेशनल चीफ — मारा गया
- अली कराकी — दक्षिण लेबनान चीफ कमांडर — मारा गया
- तालिब सलीम — नसार यूनिट कमांडर — मारा गया
- मोहम्मद नासेर — अजीज यूनिट कमांडर — मारा गया

80 टन बारूद से हिजबुल्ला के हेडक्वार्टर को उड़ाया

एक सप्ताह में 720 की मौत

स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इस सप्ताह लेबनान में हमलों में कम से कम 720 लोग मारे गए हैं। मृतकों की संख्या में और वृद्धि होने की आशंका है क्योंकि हताहतों की तलाश के लिए छह इमारतों के मलबे में तलाश अभियान अब भी जारी है। प्रारंभिक विस्फोट के बाद इजराइल ने दक्षिणी उपनगरों के अन्य क्षेत्रों पर कई हमले किए।

फौद शुकर की हत्या

इसी साल 30 जुलाई को इजरायल ने बेरूत में बड़ा हवाई हमला किया था, जिसमें हिजबुल्लाह के सैन्य प्रमुख फौद शुकर को उसने मार गिराया था। फौद शुकर को इजरायल ने दूज इलाके में हुए रॉकेट हमले के जवाब में मारा था। इस हमले में फुटबाल खेल रहे 10 बच्चों की मौत हो गई थी।

नसरल्लाह के साथ कई कमांडरों की मौत

शुक्रवार को नसरल्लाह के साथ हमले में एक हिजबुल्लाह के दक्षिणी मोर्चे के कमांडर अली कराकी भी मारा गया। अली कराकी की मौत के साथ ही हिजबुल्लाह का सेकंड इन-कमांड कहा जाने वाला पूरा नेतृत्व खत्म हो गया। इजरायल ने जब बेरूत के दक्षिणी उपनगर दहियाह में हिजबुल्लाह के भूमिगत मुख्यालय को निशाना बनाया तो उसमें शीर्ष कमांडरों की बैठक चल रही थी।

नसरल्लाह को कैसे बनाया निशाना?

इजरायल को खुफिया सूचना मिली थी कि हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह बेरूत स्थित अंडरग्राउंड मुख्यालय में पहुंचने वाला है। इसके बाद हमले की योजना तैयार की गई। हमले के लिए 2000 किलोग्राम और 1000 किलोग्राम के लेजर और जीपीएस गाइडेड बंकर बस्टर बमों का इस्तेमाल किया गया था। ये बम पहले जमीन अंदर घुस गए और फिर विस्फोट हुए, जिसने हिजबुल्लाह के 50 फीट अंडरग्राउंड मुख्यालय को उड़ा दिया।

कांकेर में एनआईए की दबिश, आधा दर्जन से ज्यादा जगहों पर छापा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर/कांकेर

राज्य में पिछले साल विधानसभा चुनाव में प्रचार के दौरान भाजपा नेता रतन दुबे की हत्या के मामले में एनआईए ने शनिवार को कांकेर जिला के आमाबेड़ा सहित आसपास से सटे गांव में आधा दर्जन से ज्यादा जगहों पर छापे की कार्रवाई की है। छापे की कार्रवाई की जद में एक स्थानीय पत्रकार भी आया है। एनआईए की टीम पत्रकार के घर छापा मारने पहुंची, तो वह घर पर नहीं मिले। एनआईए की छापे की कार्रवाई से लोग सहमे हुए हैं।

- विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा नेता की हत्या मामले में एनआईए कर रही जांच
- छापे की जद में एक स्थानीय पत्रकार शामिल

गौरतलब है कि पिछले वर्ष चुनाव प्रचार के दौरान चार नवंबर को भाजपा नेता रतन दुबे की नक्सलियों ने हत्या कर दी थी। केंद्र सरकार के निर्देश पर मामले की जांच एनआईए कर रही है। एनआईए की टीम ने भाजपा नेता की हत्या के मामले में एक माह में दूसरी बार छापे की कार्रवाई की है। भाजपा नेता की हत्या के मामले में पूर्व में एनआईए की टीम ने जो छापे की कार्रवाई की थी, उस कार्रवाई में एनआईए ने चार नक्सलियों को गिरफ्तार भी किया है। पूर्व में छापे की कार्रवाई के दौरान एनआईए ने कई संदिग्ध दस्तावेज, मोबाइल, प्रिंटर के साथ 39 हजार एक सौ रुपए जब्त किए हैं। ताजा कार्रवाई में एनआईए द्वारा दो लोगों को गिरफ्तार करने की बात सामने आई है। एनआईए ने छापे की कार्रवाई तथा गिरफ्तारी को लेकर किसी भी तरह की अधिकारिक पुष्टि अब तक नहीं की है।

बीमारी का पता नहीं

दुगाईगुड़ा पोटाकेबिन के छात्र की तबियत बिगड़ी, हुई मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ बीजापुर

जिले के उसूर ब्लॉक के आवासीय पोटाकेबिन दुगाईगुडा में अध्ययनरत एक छात्र की मौत हो गई। हालांकि अभी तक यह पता नहीं चल सका है कि छात्र की मौत किस बीमारी से हुई है। मिली जानकारी के अनुसार आवासीय विद्यालय दुगाईगुड़ा में अध्ययनरत छात्र राजेश पुनेम कक्षा पहली की मौत हो गई है। छात्र गांव पेद्दा तर्रेम का रहने वाला था। शनिवार की सुबह करीब 6 बजे के आसपास ⏭शेष पेज 4 पर

- पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंपा गया, मौत के कारण की जांच जारी

सीएम और केंद्रीय मंत्री स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम में हुए शामिल

साय बोले- स्वच्छता अभियान ने लिया जनआंदोलन का रूप

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजनांदगांव

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम बरगा में स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने उद्बोधन में कहा कि राजनांदगांव जिले में स्वच्छता की दिशा में बहुत अच्छा कार्य किया जा रहा है। स्वच्छता अभियान ने यहां जनआंदोलन का स्वरूप ले लिया है। सीएम साय ने कहा कि पूरे देश में स्वच्छता ही सेवा ⏭शेष पेज 4 पर

जल संरक्षण को केंद्रीय मंत्री ने सराहा

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने कहा कि जल जीवन के लिए महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशा के अनुरूप देश में कैच द रैन अभियान चलाया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री ने ग्राम बरगा में जल ⏭शेष पेज 4 पर

मासूम बच्ची पर अत्याचार, पाइप से की पिटाई, गिड़गिड़ाता रहा पिता

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबिकापुर

सोशल मीडिया में वायरल हो रहे एक वीडियो ने आम लोगों के साथ ही पुलिस को हैरत में डाल दिया है। वीडियो में नजर आ रही महिला एक छोटी सी बच्ची पर अत्याचार करते हुए उसकी बेदम पिटाई कर रही है। इतना ही नहीं, महिला दो युवकों को भी मार रही है। आरोप है कि महिला गांजा व शराब तस्करी का कारोबार करती है और बच्चों से गांजा बिकवाती है। ⏭शेष पेज 4 पर

- बंधक बनाकर गांजा बिक्री कराने का आरोप

चल रही है जांच

वीडियो के आधार पर महिला के खिलाफ बीएनएस 146 का अपराध दर्ज कर लिया गया है। बच्ची की पहचान भी कराई जा रही है। गांजा शराब को लेकर जो बातें सामने आई है उसकी जांच भी चल रही है। जांच के बाद कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

- अमोलक सिंह ढिल्लो, एएसपी सरगुजा

कश्मीर में मुठभेड़, दो आतंकवादी मारे गए, एक जवान शहीद, चार घायल

एजेंसी ⏭ श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच शनिवार को हुई मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए। इस दौरान एक जवान शहीद हो गए। वहीं अधिकारी समेत चार सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि देवसर क्षेत्र के आदिगाम गांव में सुरक्षाबलों ने घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू किया था। इसी दौरान उनके एवं आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। गोली लगने से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुमताज अली घायल हो गए हैं।

कुलगाम में बड़ी कार्रवाई

दोनों आतंकियों की पहचान

दोनों आतंकियों की पहचान हो गई है। इनमें एक आतंकी आकिब अहमद शेरगोजरी जो बडगाम के चडूरा का रहने वाला है। दूसरा आतंकी उमैस वानी है, जो कुलगाम के ही चावलगाम का रहने वाला है।

कठुआ में पेट्रोलिंग पार्टी पर गोलीबारी

उधर, जम्मू में कठुआ जिले के लहरी गांव रसानी में भी आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई है। यहां सुरक्षाबलों की पेट्रोलिंग पार्टी पर आतंकवादियों ने गोलीबारी की।

दिल्ली के सुसाइड कांड में सीसीटीवी से बड़ा खुलासा

हीरालाल और चार बेटियों ने खाया था 'मीठा जहर'!

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली के वसंत कुंज के रंगपुरी इलाके में सामूहिक सुसाइड केस से हड़कंप मच गया है। जिन पांच लोगों की मौत हुई है, उनमें एक शख्स और उसकी चार दिव्यांग बेटियां शामिल हैं। मामले में एक वीडियो सामने आया है, जिसमें शख्स एक नीले रंग की पॉलीथिन लिए घर के अंदर जाता नजर आ रहा है। माना जा रहा है कि पॉलीथिन में मिठाई का डिब्बा था और आशंका जताई जा रही है कि शख्स ने मिठाई में जहर मिलाकर बेटियों को खिलाई होगी जिससे उनकी मौत हो गई। यह सीसीटीवी फुटेज 24 सितंबर का बताया जा रहा है।

पत्नी की एक साल पहले हुई थी मौत

पुलिस के मुताबिक हीरालाल की पत्नी की एक साल पहले ही मौत हुई थी। उसके बाद से वह अपनी बेटियों के साथ अकेले रह रहे थे। चारों बेटियां दिव्यांग थीं। पिता कारपेंटर के तौर पर काम करते थे और शाम को घर आने के बाद बेटियों की देखभाल में लग जाते थे। स्थानीय लोगों के अनुसार, बेटियां कभी-कभार ही अपने कमरे से बाहर आती थीं।

आखिरी बार चार दिन पहले देखा: पड़ोसियों ने दावा किया उन्होंने आखिरी बार व्यक्ति और उसकी बेटियों को 24 सितंबर को देखा था। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पड़ोसियों ने रंगपुरी गांव में एक फ्लैट की पहली मंजिल में किराये के घर से बदबू आने की शिकायत की थी जिसके बाद शव बरामद किए। डीसीपी मीणा ने बताया कि दमकल कर्मियों की मदद से पुलिस ने दरवाजा तोड़ा और एक कमरे में एक व्यक्ति को मृत पाया जबकि उसकी चार बेटियों के शव दूसरे कमरे में मिले।

जनवरी से काम पर नहीं गया

डीसीपी ने बताया कि पड़ोसियों और करीबी रिश्तेदारों से पूछताछ में पता चला है कि हीरालाल की पत्नी की एक साल पहले कैंसर के कारण मौत हो गयी थी। वह हर महीने करीब 25,000 रुपए कमाता था लेकिन जनवरी 2024 से काम पर नहीं गया था। इस बीच, हीरालाल के भाई मोहन शर्मा और भाभी गुड़िया शर्मा घटना की सूचना मिलने के बाद उनके घर पहुंचे। उन्होंने बताया कि हीरालाल ने अपनी पत्नी की मौत के बाद परिवार के मामलों में दिलचस्पी लेना बंद कर दिया था। वह ज्यादातर अपनी बेटियों के इलाज में व्यस्त रहता था।

जम्मू-कश्मीर की सभी 90 विधानसभा सीटों के लिए 3 फेज में चुनाव हो रहा है। दो फेज के चुनाव हो चुके हैं, तीसरे व अंतिम फेज का चुनाव एक अक्टूबर को होगा। पहले फेज की वोटिंग 18 सितंबर को व दूसरे फेज की 25 सितंबर को हुई है। दोनों ही फेज में जमकर वोटिंग हुई है, मतदान के कई रिकार्ड बने व ऊटे हैं। जम्मू-कश्मीर में आखिरी बार 10 साल पहले नवंबर-दिसंबर 2014 में विधानसभा के चुनाव हुए थे। संविधान के अनुच्छेद 370 के अधिकांश प्रावधान 5 अगस्त 2019 को हटाए जाने के बाद यहां पहली बार विधानसभा के चुनाव हो रहे हैं। जम्मू-कश्मीर में परिसीमन के बाद सीटों की संख्या बढ़कर 114 हो गई है। इसमें से 24 सीटें पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) में हैं। वहीं, 90 सीटों में से 47 सीटें कश्मीर संभाग और 43 सीटें जम्मू संभाग के अंतर्गत हैं। अनुच्छेद 370 के हटाने का विरोध करने वाले विपक्ष के दलों ने जेएंडके में चुनाव कराने की मांग की थी, दिसंबर 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि 30 सितंबर 2024 तक चुनाव कराए जाए। अब विधानसभा चुनाव हो रहा है। नेशनल कान्फ्रेंस व कांग्रेस गठबंधन, भाजपा, पीडीपी समेत कुछेक छोटे दल चुनाव मैदान में हैं। 370 बहाली, पूर्ण राज्य का दर्जा मुख्य मुद्दे हैं। विधानसभा चुनाव पर केंद्रित आजकल का यह अंक...

रिकार्ड मतदान दे रहे बदलाव के संकेत

जेएंडके विश्लेषण

अवधेश कुमार

वरिष्ठ पत्रकार

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में आधी सीटों से अधिक का मतदान संपन्न हो चुका है। 2024 लोकसभा चुनाव में ही रिकॉर्ड संख्या में लोगों ने बाहर निकाल कर मतदान किया। यह विश्व समुदाय के लिए संदेश था कि अगर अवसर मिले यानी आतंक मुक्त सुरक्षा का वातावरण हो तो लोग निकलकर मतदान कर सकते हैं। बदले वातावरण का ही परिणाम निर्दलीय उम्मीदवारों की संख्या है। मतदान में लोग कह रहे थे कि भाजपा ने विकास का ऐसा काम किया जो पहले न हुआ न कल्पना की गई। बावजूद उसे वोट नहीं मिल रहा तो इसका कारण समझना होगा। इसे समझ कर काम किया गया तो आगामी चुनावों में इसका असर दिख सकता है।

जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव में आधी सीटों से अधिक का मतदान संपन्न हो चुका है। 2024 लोकसभा चुनाव में ही रिकॉर्ड संख्या में लोगों ने बाहर निकलकर मतदान किया। यह विश्व समुदाय के लिए संदेश था कि अगर अवसर मिले यानी आतंक मुक्त सुरक्षा का वातावरण हो तो लोग निकलकर मतदान कर सकते हैं। पहले चरण में 61.38 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि दूसरे चरण में भी मतदान 59 प्रतिशत तक जा सकता है। इस तरह प्रथम चरण में लोकसभा चुनाव से चार प्रतिशत तथा दूसरे चरण में भी दो प्रतिशत अधिक मतदान हुआ है। दूसरे चरण में जिले अनुसार रियासी में 74.14 प्रतिशत, पुंछ में 73.78 प्रतिशत, राजौरी 69.85 प्रतिशत बड़गाम में 61.35, गंदरबल 62.63 प्रतिशत तो श्रीनगर में लगभग 30 प्रतिशत मतदान हुआ। आलोचक जो भी कहें, 5 अगस्त, 2019 को नरेंद्र मोदी की सरकार द्वारा संविधान से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद जम्मू और कश्मीर वर्तमान विधानसभा चुनाव के दौरान अधिकतर मायनों में वातावरण, सोच और व्यवहार के स्तर पर पूरी तरह बदला हुआ दिखाई दिया है। हालांकि मतदान की प्रवृत्तियों ने स्पष्ट किया है कि भाजपा और कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय पार्टियों के अलावा लंबे समय से स्थापित क्षेत्रीय पार्टियों नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी ही अभी भी वहां मुख्यधारा में हैं।

डर और आशंकाएं स्पष्ट

अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद के वातावरण में राजनीति में नए चेहरों, नए दलों और नए विचारधाराओं के उदय की कल्पना वहां प्रभावी रूप में मूर्त होती नहीं दिखी है। हालांकि इन दोनों पार्टियों के प्रमुख नेताओं के अंदर भी सार्वजनिक रूप से सक्रिय युवक, युवतियां और नए लोगों के विचारों, व्यवहारों से डर और आशंकाएं स्पष्ट दिखाई दे रही हैं। वस्तुतः वहां टेलीविजन चैनलों पर बड़ी संख्या में युवक, युवती एवं सामान्य लोग भी आकर कह रहे हैं कि अनुच्छेद 370 समाप्त होने के बाद हमारा जीवन बेहतर हुआ है सरकार हम तक पहुंची है और हर क्षेत्र में अवसर बढ़ रहे हैं। यही नहीं बड़ी संख्या में लोग स्थापित परिवारों के विरुद्ध स्थापित परिवारों यानी फारूक अब्दुल्ला, उमर अब्दुल्ला, मुफ्ती परिवार के विरुद्ध भी बोल रहे हैं। माना जाता है कि इसी भय से उमर अब्दुल्ला और सज्जाद लोन दोनों दो स्थानों से चुनाव लड़ रहे हैं। यानी अगर वे एक स्थान से ही विजय मिलने के प्रति आश्वस्त होते तो ऐसा नहीं करते।

स्वर और व्यवहार गायब

1987 के बाद यह पहला चुनाव है, जिसमें लंबे समय के स्वर और व्यवहार गायब है, यानी अब हम चुनाव लड़ते हैं या नहीं लड़ते हैं यह हमारे जीने, मरने और मजहबी-सामाजिक बहिष्कार के प्रश्न से नहीं जुड़ा है। एक समय था जब आतंकवादियों की धमकी और अलगाववादियों के बहिष्कार की अपील के कारण चुनाव लड़ना और नहीं लड़ना, मतदान करना और नहीं करना दोनों जान के लिए जोखिम भरा होता था। उम्मीदवारों से लेकर मतदाताओं की सरेआम हत्याएं होती हीं, लोग आतंकवादियों की धमकियों के डर से मतदान केंद्र तक जाने से बचते रहे। 1990 के दशक के बाद अनेक मतदान केंद्रो पर तो मतदान दल का पहुंचना संभव नहीं होता था। हुर्रियत कांफ्रेंस से लेकर अन्य अलगाववादियों का प्रभाव इतना था कि लोग उनके प्रभाव में या न चाहते हुए भी स्वयं को चुनाव की किसी प्रक्रिया में साथ देने से बचते थे। कर्मचारी चुनाव ड्यूटी तक से बचते थे, उम्मीदवार घरों में सिमटे रहते थे। हालांकि स्थिति में समय-समय पर बदलाव आया लेकिन घाटी के क्षेत्र ऐसे रहे जहां इनका असर रहा। कहीं भी चुनाव बहिष्कार या आतंकवादियों की धमकी का अवशेष तक नहीं मिला। पहले की तरह पाकिस्तानी झंडा नहीं दिखा।

मुखर हुए मतदाता

आम लोगों ने भी पहले की तरह अलगाववादी या पाकिस्तान समर्थक भाषण बोली नहीं है। इसके विपरीत वहां विकास , उसके लिए अवसर, जीवनयापन के लिए व्यवस्थाएं जिनमें रोजगार प्रमुख हैं जैसे शब्द लोगों के मुख से निकलते रहे हैं। घाटी में भी लोग निर्भय होकर अब्दुल्ला परिवार और मुफ्ती परिवार के विरुद्ध काफी संख्या में बोलने के लिए सामने आएंगे इसकी भी कल्पना नहीं थी। इसी तरह छोटी पार्टियों चाहे इंजीनियर राशिद की अवामी इत्तेहाद हो या सज्जाद गनी लोन की पीपुल्स कॉन्फ्रेंस, जम्मू कश्मीर आम आदमी पार्टी सबके समर्थक और विरोधी दिखे।

बदले वातावरण का परिणाम

बदले वातावरण का ही परिणाम निर्दलीय उम्मीदवारों की संख्या है। 908 उम्मीदवारों में 365 यानी 40.19 प्रतिशत निर्दलीय हैं। 1967 से अभी तक 2008 को छोड़ यह सबसे ज्यादा है। 2008 में श्रीअमरनाथ भूमि आंदोलन के बाद हुए चुनाव में 1351 प्रत्याशियों में 831 निर्दलीय थे। कश्मीर में 47 विधानसभा क्षेत्रों में औसत पांच निर्दलीय उम्मीदवार हैं। इनमें वे हैं जिन्होंने जिला विकास परिषद से लेकर अन्य स्थानीय चुनाव जीते या बेहतर प्रदर्शन किया। 14 कश्मीरी पंडित भी चुनाव लड़ रहे हैं। 2014 में चार, 2008 में 12, 2002 में 9 कश्मीरी पंडितों ने चुनाव लड़ा था। 1990 में पंडितों के घाटी छोड़कर जाने के बाद 800 परिवार नहीं गए। लेकिन तीन लाख कश्मीरी पंडित लौटकर नहीं आए। इस बार अभी तक उनमें बहुत सारे मतदान करने आए। आमतौर पर चुनाव परिणामों को लेकर भविष्यवाणी जोखिम भरी होती है। किंतु जो प्रवृत्ति दिखाई दी है उसमें कश्मीर घाटी में कांग्रेस नेशनल कॉन्फ्रेंस के समर्थन से चार सीटों पर चुनाव लड़ी है, लेकिन उसका जीतना मुश्किल है। भाजपा भी घाटी में नहीं है। यह बात अलग है कि उसके उम्मीदवार खुलकर चुनाव प्रचार करते रहे। कश्मीर घाटी में नेशनल कॉन्फ्रेंस के समर्थक अभी भी भारी संख्या में विद्यमान है। महबूबा मुफ्ती की पीडीपी के प्रति 10 -12 स्थान से ज्यादा जन समर्थन नहीं दिखा। इल्तीजा मुफ्ती को भी हराने के लिए वहीं के उम्मीदवार सक्रिय रहे। उमर अब्दुल्ला को हरा दिया जाए यह भाव भी वहां की ही स्थानीय पार्टियों और उम्मीदवारों के अंदर देखा गया है। अब्दुल्ला लोकसभा चुनाव इंजीनियर राशीद के हाथों हार चुके हैं। इंजीनियर राशीद अलगाववादी के साथ आतंकवादियों का भी समर्थक रहा है तथा उस पर आतंकवाद के वित्त पोषण के आरोप का मुकदमा चल रहा है। उसका विजयी होना देश की एकता-अखंडता और कश्मीर के सामान्य राज्य बनने के लक्ष्य की दृष्टि से चिंताजनक था। इस चुनाव के दौरान ही वह जेल से जमानत पर छूटा है। उसकी अवामी इत्तेहाद पार्टी का बहुत ज्यादा प्रभाव नहीं है। अभी तक के मतदान में उसका 5-6 सीटों पर ही प्रभाव दिखाई दिया। प्रतिबंधित जमात-ए-इस्लामी भी निर्दलीय के रूप में सक्रिय है। जमात आतंकवाद और अलगाववाद का वैचारिक स्रोत रहा है। मस्जिदों से कट्टर सांप्रदायिक भारत विरोधी पाकिस्तान समर्थक ऐलानों के पीछे उसी की ताकत थी। मोदी सरकार ने उसे प्रतिबंधित किया और इसका व्यापक असर वहां के वातावरण पर पड़ा है। अभी तक के मतदान में उनके पांच प्रत्याशी दिखाई दिए, किंतु जनता का समर्थन उन्हें न दिखना कश्मीर की नई धारा का द्योतक है। 1972 के चुनाव में जमात के 22 में से पांच, 1977 के 19 में से केवल एक प्रत्याशी जीता था। 1983 के चुनाव में सभी 26 हार गए। हां, 1987 में मुस्लिम यूनाइटेड फ्रंट के बैनर से कश्मीर के प्रमुख कट्टरपंथी संगठनों ने नेशनल कॉन्फ्रेंस कांग्रेस गठबंधन के खिलाफ उम्मीदवार उतारे। फ्रंट के जीतने वाले सभी चार उम्मीदवार जमात के थे।

चुनावी प्रवृत्तियों का निष्कर्ष

तो मतदान में चुनावी प्रवृत्तियों का निष्कर्ष यह है कि नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी तथा जम्मू कश्मीर अपनी पार्टी, पीपुल्स कॉन्फ्रेंस आदि भले धारा 370 की वापसी, 1954 के पहले की स्थिति बहाल करने या फिर अन्य बातें हों, उनका प्रभाव तो है लेकिन वो परिणाम निर्धारित करने के प्रमुख कारक हों ऐसा अभी तक के मतदान से नहीं दिखा है। जम्मू में भाजपा अभी भी सशक्त है और कुछ सीटों पर नेशनल कॉन्फ्रेंस कांग्रेस गठजोड़ के साथ उसका सीधा संघर्ष दिखा है। शेष पार्टियों की इधर कोई हैसियत नहीं। यानी जम्मू और कश्मीर के बीच अभी भी विचार और लक्ष्य की दृष्टि से भेद बना हुआ है और इसका प्रभाव मतदान पर है, पर इसे भी आप एकदम 370 समाप्ति के पहले की दशा का नहीं स्वीकार कर सकते। घाटी में भी नए चेहरे, नए संगठन, कुछ नए विचार दिखे हैं और उन्होंने एक सीमा तक ही सही मतदाताओं के मन को बदला है। समस्या यह है कि राष्ट्रीय पार्टियों में कांग्रेस नेशनल कांफ्रेंस की चिंताजनक घोषणाओं पर मौन है और भाजपा घाटी में सशक्त नहीं कि इस बदलते विचार की धारा को आगे ले जाकर राजनीति और चुनाव में प्रभावी बना पाए। हालांकि भाजपा को वोट न देने वाले भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह तथा स्थानीय प्रशासन की इस मायने में लगातार प्रशंसा करते हैं कि पंचायत स्तरीय चुनाव के कारण उनके हाथों मे निर्णय प्रक्रिया आई है, विकास के लिए धन पहुंचा है तथा शिक्षा, खेल या अन्य सांस्कृतिक गतिविधियां अब मुक्त वातावरण में हो रहा है। यह सब आने वाली पीढ़ी के लिए सुखद संकेत है। मतदान में लोग कह रहे थे कि भाजपा ने विकास का ऐसा काम किया जो पहले न हुआ न कल्पना की गई। बावजूद उसे वोट नहीं मिल रहा तो इसका कारण समझना होगा। इसे समझ कर काम किया गया तो आगामी चुनावों में इसका असर दिख सकता है। चुनाव परिणाम जेएंडके के भविष्य की राजनीति तय करेंगे।

नई तकदीर लिखेगी सियासी फिजा

जम्मू-कश्मीर

रवि शंकर

वरिष्ठ पत्रकार

जम्मू -कश्मीर में दो राउंड के विधानसभा चुनाव हो चुके हैं और आखिरी फेज के लिए एक अक्टूबर को मतदान होगा। 2014 के बाद जम्मू-कश्मीर में 10 साल बाद विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। ऐसे में ये कहा जा रहा है कि घाटी के हालात और तस्वीर दोनों ही बदल जाएंगी। एक तरफ कांग्रेस अपनी ताकत झोंक रही है तो वहीं बीजेपी ताकतवर नेताओं के साथ किस्मत आजमा रही है। कहा ये जा रहा है कि यहां पिछले पांच साल में हालात बदल गए हैं। अनुच्छेद 370 हटने के बाद कश्मीर की सियासी फिजा भी काफी बदल चुकी है।

नेकां का खासा प्रभाव

बहरहाल, जम्मू कश्मीर में राशिद इंजीनियर की अवामी इत्तेहाद पार्टी, मोहम्मद अल्ताफ बुखारी की जम्मू कश्मीर अपनी पार्टी, गुलाम नबी आजादी की डेमोक्रेटिक प्रगतिशील आजाद पार्टी, सज्जाद गनी लोन की पीपुल्स कॉन्फ्रेंस और महबूबा मुफ्ती की पीडीपी इस बार विधानसभा चुनाव में गेमचेंजर साबित हो सकती हैं। इसके अलावा नेशनल कॉन्फ्रेंस भी यहां की पॉलिटिक्स में खासा दखल रखती है। राज्य में दो बड़ी राष्ट्रीय पार्टियां बीजेपी और कांग्रेस भी पूरी तरह से सक्रिय हैं। इस बार चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस एक साथ मिलकर मजबूती से चुनाव लड़ रही हैं। एनसी 51 और कांग्रेस 32 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, जबकि पांच सीटों पर दोनों पार्टियों के बीच 'फ्रेंडली फ़ाइट' है, लेकिन इस अलायंस की सीधे तौर पर बीजेपी और पीडीपी से कड़ी टक्टर मिल रही है। वहीं पीडीपी और बीजेपी अकेले ही विधानसभा का ये चुनाव लड़ रही है।

चुनावी समीकरण बदलेंगे

पीडीपी समेत दूसरे क्षेत्रीय दल भी जोर लगा रहे हैं और चुनावी समीकरण बदलने की पूरी क्षमता रखते हैं। इस बार चुनाव में क्षेत्रीय दलों को गेमचेंजर के तौर पर देखा जा रहा है। राज्यमें कुल 90 सीटें हैं। क्षेत्रीय दल अलग-अलग इलाकों में प्रभावशाली हैं। बहुत हद तक कहा जा रहा है किसी दल को बहुमत ना मिलने पर क्षेत्रीय पार्टियों का प्रदर्शन ही नई सरकार में उनकी भूमिका तय करेगा।

बदला राजनीतिक माहौल

2019 में अनुच्छेद 370 को हटने के बाद जम्मू कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा खत्म हो गया और इसे केंद्रशासित प्रदेश बना दिया गया। इस निर्णय ने राजनीतिक माहौल को पूरी तरह बदल दिया है। यही वजह रही है कि लोग इस बार चुनाव में विभिन्न राजनीतिक दलों से अपनी स्थिति पर स्पष्टता चाहते हैं और यही चुनावों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। अनुच्छेद 370 के हटने के बाद पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी और नेशनल कॉन्फ्रेंस जैसी मुख्यधारा की पार्टियों का प्रदेश में राजनीतिक हैसियत काफी कमजोर हुआ है। उनकी लोकप्रियता में गिरावट आई है। नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी अपने आधार

को मजबूत करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। वहीं, नई पार्टियां और नेता उभर रहे हैं,जो बदलते राजनीतिक समीकरणों में अपनी भूमिका तलाश रहे हैं। जैसे अल्ताफ बुखारी की अपनी पार्टी और गुलाम नबी आजाद की डेमोक्रेटिक आजाद पार्टी। इन नई पार्टियों ने विकास और शांति के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करके जनता का समर्थन प्राप्त करने की कोशिश की है, जबकि बीजेपी ने अनुच्छेद 370 हटाने के बाद जम्मू और कश्मीर में अपना राजनीतिक दायरा बढ़ाने की कोशिश की है। बीजेपी नेता राज्य के पुनर्गठन और केंद्रशासित प्रदेश बनाने के अपने कदम को एक बड़ी उपलब्धि के रूप में गिना रहे हैं, खासकर जम्मू क्षेत्र में। बीजेपी ने जम्मू कश्मीर में पंचायत चुनावों में भी अच्छा प्रदर्शन किया, जिससे उनका राजनीतिक आधार मजबूत हुआ है। हिंदू मतदाताओं में बीजेपी की लोकप्रियता बढ़ी है, जो राज्य क `पुनर्गठन को सकारात्मक रूप से देख रहे हैं। इतना ही नहीं हाल ही में जब लोकसभा चुनाव हुए तो यहां बीजेपी और नेशनल कॉन्फ्रेंस ने दो-दो सीटें जीती हैं। एक सीट बारामूला में अवामी इत्तेहाद पार्टी प्रमुख राशिद इंजीनियर ने जीत हासिल की। उन्होंने उमर अब्दुल्ला को हराया था।

हिंदू मतदाताओं पर फोकस

हालांकि विधानसभा चुनाव में बीजेपी का चुनावी अभियान जम्मू क्षेत्र में हिंदू मतदाताओं को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है, जबकि कश्मीर घाटी में उनकी मौजूदगी अपेक्षाकृत कमहै। बहरहाल, बीजेपी के लिए जम्मू कश्मीर में विधानसभा के ये चुनाव दो पहलुओं से बहुत अहम हैं। पहला तो यही है कि जिस नैरेटिव को बीजेपी 2019 से बता रही है कि जम्मू कश्मीर अब बदल चुका है और जमीन पर एक बड़ी तब्दीली देखने को मिल रही है, उसे सही साबित करने के लिए जरूरी है कि विधानसभा के इस चुनाव में उन्हें कामयाबी मिले। अगर पार्टी को कामयाबी नहीं मिलती है तो बीजेपी के इस नैरेटिव पर सवाल उठ सकते हैं। साल 2019 के बाद मोदी सरकार लगातार ये दावा कर रही है कि कश्मीर में खुशहाली का एक नया दौर शुरू हो चुका है।

नई सरकार चुनने का मौका

अब एक दशक की राजनीतिक अनिश्चितता के बाद एक बार फिर कश्मीर के लोगों को नई सरकार चुनने का मौका मिला है। ये चुनाव महत्वपूर्ण इसलिए है, क्योंकि लंबे समय बाद लोगों को अपने प्रतिनिधियों को चुनने का मौका मिल रहा है। जम्मू कश्मीर के विशेष दर्जे को रद किए जाने और दो केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में विभाजित होने के बाद यह यहां का पहला विधानसभा चुनाव हो रहा है। 2014 में आखिरी बार चुनाव हुए थे और पीडीपी बीजेपी ने गठबंधन सरकार बनाई थी। 2018 में बीजेपी ने अपना समर्थन वापस ले लिया और गठबंधन सरकार टूट गई। इसके बाद केंद्र सरकार ने अलगाववादी हिंसा से जूझ रहे इस क्षेत्र को सीधे नियंत्रण में ले लिया था, लेकिन इस बार चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी जैसी क्षेत्रीय पार्टियों के साथ-साथ बीजेपी और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस जैसी बड़ी राष्ट्रीय पार्टियां, सभी भाग ले रही हैं। कई अलगाववादी भी निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव में खड़े हैं। इससे पहले वे चुनावों का बहिष्कार करते थे। हालांकि इस बार चुनाव में उनके रुख में साफ तौर पर बदलाव नजर आ रहा है। राज्य का राजनीतिक इतिहास बताता है कि यहां अब तक क्षेत्रीय दलों का ही दबदबा रहा है।

छोटी पार्टियों की होगी अहम भूमिका

जेएंडके विस चुनाव

प्रणय यादव

वरिष्ठ टीवी पत्रकार

जम्मू कश्मीर में दस साल के बाद चुनाव हो रहे हैं। इस बार का चुनाव कई मायनों में अलग है। अब जम्मू कश्मीर के राजनीतिक हालात बदले हुए हैं और माहौल भी बदला हुआ है। सबसे बड़ा फर्क तो ये है कि अब जम्मू कश्मीर दो हिस्सों में बंट गया है। लद्दाख अलग हो गया है। जम्मू कश्मीर भी अब राज्य नहीं रहा। केन्द्रशासित प्रदेश बन चुका है। जम्मू कश्मीर से धारा 370 खत्म हो चुकी है। विधानसभा में सीटों की संख्या 83 के बजाय 90 हो चुकी है। ये कहना गलत नहीं है कि इस बार चुनाव नए जम्मू कश्मीर में हो रहे हैं। इसलिए राजनीतिक समीकरण भी बदले हुए हैं और राजनीतिक मुद्दे भी।

दोबारा नहीं मिलेगा मौका

बीजेपी के नेता भी समझ रहे हैं कि जम्मू कश्मीर में पांव जमाने का ऐसा मौका पार्टी को दोबारा नहीं मिलेगा। एंटी बीजेपी कैंप के नेता भी जानते हैं कि ये चुनाव उनके लिए अस्तित्व का सवाल है। खासतौर पर महबूबा मुफ्ती और उमर अब्दुल्ला का राजनीतिक भविष्य इन विधानसभा चुनावों पर टिका है। हालांकि महबूबा मुफ्ती खुद चुनाव नहीं लड़ रही हैं। उन्होंने अपनी बेटी इल्तिजा मुफ्ती को मैदान में उतारा है। तीसरी पीढ़ी को विरासत ट्रांसफर करने का मौका है, लेकिन मजे की बात ये है कि जो उमर अब्दुल्ला एक महीने पहले तक ये कसम खा रहे थे कि जब तक कश्मीर को दोबारा पूर्ण राज्य का दर्जा नहीं मिल जाता तब तक चुनाव नहीं लड़ेंगे। अब वही उमर एक नहीं दो-दो सीटों से चुनाव मैदान में है। उमर के कैंपेन में उनके दोनों बेटे पसीना बहाते दिख रहे हैं। इससे लग रहा है कि अब अब्दुल्ला खानदान की चौथी पीढ़ी भी राजनीति के मैदान में कूदने की तैयारी कर रही है।

टूटते दिख रहे पुराने समीकरण

अब तक ये माना जाता था कि बीजेपी का वैली में कोई वोट नहीं हैं। जम्मू रीजन में बीजेपी का दबदबा है, जबकि वैली में नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी का प्रभाव है। कांग्रेस का थोड़ा बहुत असर दोनों रीजन्स में है, लेकिन इस बार ये पुराने समीकरण टूटते दिख रहे हैं। पहली बार बीजेपी वैली की सीटों पर पूरी ताकत के साथ लड़ रही है। वैली और जम्मू दोनों इलाकों में बीजेपी ने पहली बार मुस्लिम उम्मीदवारों को टिकट दिया है। ये जमीनी हकीकत को देखते हुए बीजेपी की रणनीति में बड़ा सकारात्मक बदलाव दिखा है। बीजेपी को भरोसा है कि अगर जम्मू में प्रदर्शन पहले जैसा रहा और वैली में कुछ सीटें मिल गई तो जम्मू कश्मीर में बीजेपी पहली बार अपना मुख्यमंत्री बना सकेगी, लेकिन ये आसान नहीं है कि क्योंकि जम्मू कश्मीर में कांग्रेस ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ गठबंधन किया है। इस अलायन्स की दिक्कत पीडीपी, राशिद की आवामी इत्तेहादी पार्टी और जमात-ए-इस्लामी जैसे संगठनों ने बढ़ा रखी है। महबूबा मुफ्ती तो चाहती थी कि वो कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस के एलायन्स में शमिल हो। इसके लिए महबूबा ने इंतजार भी किया, लेकिन उमर अब्दुल्ला पीडीपी के साथ मिलकर लड़ने को तैयार नहीं हुए। क्योंकि उमर लगता है कि वैली में अगर पीडीपी मजबूत हुई तो नुकसान नेशनल क़ॉन्फ्रेंस का ही होगा, इसलिए उमर ने कांग्रेस को भी वैली में कम और जम्मू में ज्यादा सीटें दी हैं। चूंकि राहुल गांधी ने तीन फेज में छह रैलियों को एड्रैस किया है। उमर को ये बात बुरी लगी, उन्होंने साफ साफ कह दिया कि

राहुल जम्मू की तरफ ध्यान देने के बजाए वैली पर फोकस कर रहे हैं, जबकि कांग्रेस का वैली में कुछ नहीं हैं। उमर ने ये भी बता दिया कि उन्होंने कांग्रेस के साथ अलायन्स इसीलिए किया था जिससे जम्मू रीजन में बीजेपी का मुकाबला किया जा सके। फारूक अब्दुल्ला और उमर वैली से पीडीपी को खत्म करना चाहते हैं, इसलिए अब वो घाटी के लोगों को बता रहे हैं कि महबूबा तो बीजेपी से मिली हुई हैं। पहले भी बीजेपी के साथ मिलकर सरकार चला चुकी हैं, लेकिन ये बात नहीं भूलनी चाहिए नेशनल कॉन्फ्रेंस का अलायन्स भी बीजेपी के साथ रहा है। नेशनल कॉन्फ्रेंस भी एनडीए का हिस्सा रही है। इंजीनियर राशिद की पार्टी भी पहली बार पूरी ताकत से मैदान में हैं। जमात-ए-इस्लामी ने चुनाव लड़ने की इच्छा जाहिर की थी। उस पर लगे बैन को हटाने की मांग की थी, लेकिन मांग नहीं मानी गई। अब जमात के लोग राशिद की पार्टी को सपोर्ट कर रहे हैं। इंजीनियर राशिद ने हर जगह उम्मीदवार खड़े करके मुकाबले को कांटेदार बना दिया है। इंजीनियर राशिद को जेल से इसीलिए बाहर लाया गया जिससे वो चुनाव में बीजेपी की मदद कर सके। इस तरह की बयानबाजी करके उमर एंटी बीजेपी वोट अपने पाले में लाना चाहते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत अलग है। न वैली में कोई बीजेपी को सुन रहा है और न जम्मू रीजन में कोई नेशनल कॉन्फ्रेंस को।

इस बार मुद्दे भी गौण

इस बार जम्मू कश्मीर में मुद्दे भी गौण हो गए हैं। सिर्फ एक दो ही मुद्दे हैं- धारा 370। जम्मू कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा। बीजेपी ये कहकर वोट मांग रही कि उसने धारा 370 को खत्म कर दिया। जम्मू कश्मीर में पत्थरबाजी बंद हो गई है। जबाव में उमर अब्दुल्ला पूछ रहे हैं कि पिछले दो साल में अचानक जम्मू में जो आतंकवादी घटनाएं हुई हैं, उसके लिए कौन जिम्मेदार है। उमर वादा कर रहे हैं कि उनकी पार्टी की सरकार बनी तो धारा 370 वापस दिलवाएंगे। कांग्रेस के नेता इस मुद्दे पर तो खामोश हैं, लेकिन वादा कर रहे हैं कि अगर नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस की सरकार बनी तो जम्मू कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलावाएंगे। लेकिन बीजेपी का सवाल है कि चुनाव जम्मू कश्मीर के हो रहे हैं और धारा 370 की वापसी हो या फिर जम्मू कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा, इन दोनों पर फैसला लेने का हक तो पार्लियामेंट को है। वहां मोदी की सरकार है, तो फिर उमर-राहुल अपने वादे कैसे पूरे करेंगे।

स्थिति दिख रही साफ

कुल मिलाकर जो स्थिति दिख रही है। उसमें ये तो क्लीयर है कि लोग बिना डर के वोट डालने रहे हैं। पहले के चुनावों में पोलिंग बूथ खाली पड़े रहते थे। जो दो चार लोग वोट डालने पहुंचते थे वो भी अपना चेहरा नहीं दिखाना चाहते थे। मुंह ढककर वोट डालने आते थे। जैसे कोई गुनाह कर रहे हों। वोटिंग के वक्त कोई कैमरे पर बात करेगा इसकी तो कल्पना भी नहीं की जा सकती थी, लेकिन इस बार लोग जमकर वोट डाल रहे हैं। ये जम्मू कश्मीर में बदलाव का बहुत बड़ा सबूत है। लोग वोट डालने की लाइन में खड़े होकर कह रहे हैं कि जम्मू कश्मीर में मोदी सरकार ने बहुत कुछ किया है। सड़क, हाईवे बन रहे हैं। स्कूल, कॉलेज, यूनिवर्सिटीज. थिएटर और बड़े बड़े हॉस्पिटल बन रहे हैं। लोगों ने कहा कि विकास तो हुआ है। नौकरियां भी मिल रही हैं। ये सब अच्छी बातें हैं, लेकिन वोट तो मोदी के खिलाफ देंगे। पूछो ऐसा क्यों तो जबाव मिलता है कि मोदी ने धारा 370 हटाकर कश्मीरियों की पहचान छीन ली, इसलिए ऐसा लग रहा है कि जम्मू कश्मीर का चुनाव धारा 370 और पूर्ण राज्य के मुद्दे के ईर्द गिर्द घूम रहा है और वोटिंग भी इसी आधार पर होगी। अगर ऐसा हुआ तो इस बार जम्मू कश्मीर में पीडीपी की हालत और खराब होगी। वैली में नेशनल कॉन्फ्रेंस मजबूत होगी। जम्मू रीजन में बीजेपी अपने घर को और मजबूत करेगी। कांग्रेस-नेशनल कॉन्फ्रेंस के अलायन्स को एज मिलेगा। जम्मू कश्मीर की अगली सरकार के गठन में सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण भूमिका निर्दलीय और छोटी पार्टियों की होगी।

लीला देवी कॉलेज ऑफ नर्सिंग एण्ड फार्मेसी
बी एस सी नर्सिंग [60 Seats]
डिप्लोमा इन फार्मेसी [60 Seats]
महाविद्यालय परिसर : ग्रेटर रायपुर, मोतीपुर, जामगांव रोड, जिला -दुर्ग
9131880895, 8319870997
6, इंस्टीट्यूशनल एरिया, मुखर्जी हॉस्टल के पीछे, शासकीय विज्ञान महाविद्यालय, रायपुर
83700 77700, 7024125200

लता मंगेशकर जैसा ना कोई था और ना ही कोई होगा

छोटी उम्र में छूटा पिता का साथ, मुफलिसी में बीता बचपन

नई दिल्ली। लता मंगेशकर एक ऐसा नाम हैं, जो सदियों के लिए अमर हो चुका है। उनकी आवाज पीढ़ियों तक संगीत प्रेमियों को सुकून देती रहेगी। लता मंगेशकर जैसा ना कोई था और ना ही कोई होगा। शनिवार (28 सितंबर) को 'स्वर कोकिला' कही जाने वाली लता मंगेशकर की बर्थ एनिवर्सरी थी। इस अवसर पर उनके प्रशंसकों ने उन्हें याद किया।

बचपन का नाम था हेमा

लता मंगेशकर का जन्म 28 सितंबर 1929 को मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में पंडित दीनानाथ मंगेशकर के मध्यवर्गीय परिवार में सबसे बड़ी बेटी के रूप में हुआ। उनके पिता रंगमंच एलजी के कलाकार और गायक थे। लता मंगेशकर के बचपन का नाम हेमा था। लता मंगेशकर जब महज तेरह वर्ष की थीं, तब उनके सिर से उनके पिता का साया उठ गया। उनकी शुरुआती जिंदगी पैसों की किल्लत में गुजरी।

पैसों के लिए फिल्मों में करना पड़ा काम

पिता की असामयिक मृत्यु की कारण से पैसों के लिए उन्हें हिन्दी और मराठी फिल्मों में काम करना पड़ा। अभिनेत्री के रूप में उनकी पहली फिल्म 'पाहिली मंगलागौर' (1942) रही, जिसमें उन्होंने स्नेहप्रभा प्रधान की छोटी बहन की भूमिका निभाई। बाद में उन्होंने कई फिल्मों में अभिनय किया जिसमें, 'माझे बाल', 'चिमुकला संसार' (1943), 'गजभाऊ' (1944), 'बड़ी मां' (1945), 'जीवन यात्रा' (1946), 'मांद' (1948), 'छत्रपति शिवाजी' (1952) शामिल थी। 'बड़ी मां' में लता जी ने नूरजहां के साथ अभिनय किया और उनकी छोटी बहन की भूमिका निभाई आशा भोंसले ने।

जलन के चलते लता को दे दिया था जहर

साल 1949 में उन्होंने फिल्म 'महल'के 'आयेगा आनेवाला'गीत गाया। इस गीत को अभिनेत्री मधुबाला पर फिल्माया गया था। मधुबाला लता जी के लिए शुभ साबित हुईं। इस फिल्म और गीत को काफी पसंद किया गया। इसके बाद वह सफलता की सीढ़ियां चढ़ती गईं और उन्होंने मुड़कर पीछे नहीं देखा। लता मंगेशकर जैसे ही अपने करियर पर ऊंचाइयों पर चढ़ने लगीं, लोग उनसे जलन करने लगे, जिसके चलते उन्हें जहर दे दिया गया। आपको जानकर हैरानी होगी कि जहर की वजह से वह तीन महीने बिस्तर पर पड़ी रहीं।

फर्स्ट गाने के लिए नहीं मिला था क्रेडिट

साल 1948, फिल्म आई 'जिद्दी'। गाने सुपरहिट थे। उस दौर की मंझी हुई अदाकारा कामिनी कौशल के लिए लता मंगेशकर ने गाने गाए। फिल्म खूब पसंद की गई। उस दौर में सिंगर का नाम डिस्क पर नहीं जाता था, सो लता का भी नहीं गया। नाम लिखा गया 'आशा'! उस फिल्म में कामिनी कौशल के कैरेक्टर का नाम था आशा। म्यूजिक कंपनी ने आशा ही नाम छापा। गाना खूब बजा, लोगों को पसंद भी आया और सिंगर के तौर पर कामिनी कौशल को लोगों का प्यार भी खूब मिलने लगा। लेकिन, कामिनी कौशल को लता का क्रेडिट लेने में हिचक महसूस हुई। तुरंत, रिकॉर्डिंग कंपनी से गुजारिश की कि उनकी जगह लता का नाम डाला जाए ऐसा ही हुआ और तब जाकर आशा की जगह लता का नाम लिखा गया।

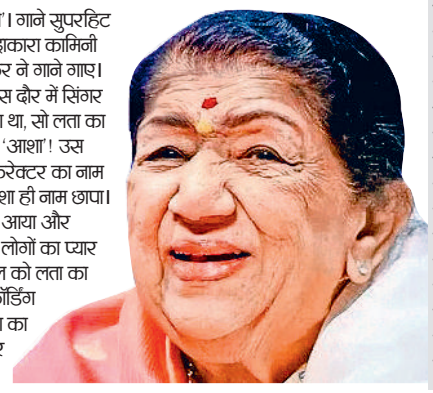

मौसमी को अपने हाथों से पहनाई थी पायल

मौसमी चटर्जी की शादी हेमंत कुमार के बेटे जयंत मुखर्जी से हुई थी, ये वही हेमंत कुमार थे जिन्हें लता दीदी अपने बड़े भाई की तरह मानती थीं। उनकी बहू मुंबई आकर बसी तो उन्होंने फिल्मों में काम करना भी शुरू कर दिया। एक दिन मौसमी चटर्जी को हेमंत बाबू अपने साथ लता जी से मिलवाने के लिए उनके घर ले गए। अब पहली बार लता दीदी हेमंत कुमार की बहू से मिलीं थीं, ऐसे में मुंह दिखाई तो बनती थी। इसीलिए उन्होंने एक सोने की पायल मौसमी को उपहार के तौर पर दी। इतना ही नहीं लता दीदी ने खुद अपने हाथों से ये पायल मौसमी के पैर में पहनाई थी।

परिवार के संग रहना करती हैं पसंद

मुंबई। अभिनेत्री कैटरीना कैफ को काम के बिजी शेड्यूल के बीच में परिवार के साथ समय बिताना पसंद है। उनका मानना है कि इससे शांति और पूर्ण होने का एहसास होता है, जिससे सुकून मिलता है। कैटरीना ने परिवार और रिश्तों को लेकर कुछ खास बातें कही हैं। अभिनेत्री कैटरीना कैफ बॉलीवुड की चर्चित अभिनेत्रियों में से एक हैं। कैटरीना अक्सर कई मौकों पर अपने काम से जुड़े किस्सों, पति विक्की कौशल के साथ बिताए पलों और उनसे जुड़ी बातों को प्रशंसकों के साथ साझा करना पसंद करती हैं। एक बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि वो अपने काम के बीच भी समय निकालकर अपने करीबियों और परिवार के साथ समय बिताना पसंद करती हैं। यही पल उन्हें फिर से एनर्जी के साथ काम करने की ताकत देते हैं।

अमिताभ के माता-पिता के साथ अच्छा नहीं था जया का बर्ताव?

नई दिल्ली। बॉलीवुड का मशहूर बच्चन परिवार पिछले कुछ समय से चर्चा में है। सोशल मीडिया पर नेटिजन्स दो हिस्सों में बंट गए हैं, एक जिसे अमिताभ बच्चन और जया बच्चन का परिवार अच्छा लगता है और दूसरा जिसे ये लगता है कि इस फैमिली में उथल-पुथल चल रही है। अब ऐश्वर्या, अपने ससुराल वालों के साथ नहीं दिखतीं, जिसके चलते फैंस का कहना है कि वो अपनी मां के घर पर बेटी को लेकर रहने लगी हैं। ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, इससे पहले भी बच्चन परिवार को लेकर इस तरह की खबरें उड़ चुकी हैं, जब बिग बी के खास दोस्त रहे राजनेता अमर सिंह ने दावा किया था कि जया बच्चन भी अपने सास-ससुर यहां तक कि अमिताभ बच्चन से अलग रहती हैं।

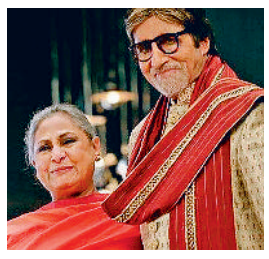

अमिताभ बच्चन के खास : दोस्त रहे अमर सिंह ने ही इनके रिश्ते को लेकर कई राज खोले थे। दोनों की दोस्ती कई सालों तक थी, लेकिन एक वक्त ऐसा आया जब इनके बीच मनमुटाव हो गया और फिर अमर सिंह ने गुस्से में काफी कुछ बोल दिया। करीब आठ साल पहले दिए इंटरव्यू में अमर सिंह ने कहा था कि जया बच्चन का बर्ताव अपने सास-ससुर हरिवंश राय बच्चन और तेजी बच्चन के साथ अच्छा नहीं था। सिंह की मानें तो जया ने करीब 15 साल तक दोनों के साथ अच्छा नहीं किया। अमर सिंह ने कहा था कि अमिताभ बच्चन के सामने जया उनके माता-पिता का अपमान करती थीं, लेकिन बिग बी ने कभी उन्हें ऐसा करने पर नहीं रोका। एक वक्त ऐसा आया जब दोनों अलग-अलग घर में रहने लगे। अपमानजनक रिश्ते के कारण अमिताभ ने पत्नी से अलग रहने का फैसला लिया। वह अपने माता-पिता के साथ प्रतीक्षा बंगले में रहने लगे और जया, जलसा में रहने लगी।

अमर सिंह पर लगा था आरोप: अमर सिंह को लेकर कहा जाता था कि उनके कारण दोनों के रिश्ते में दूरी आई, लेकिन इस बात का खंडन करते हुए सिंह ने कहा था कि उनसे मिलने से पहले भी अमिताभ बच्चन और जया अलग रहा करते थे। इतना ही नहीं, उन्होंने अभिषेक और ऐश्वर्या के रिश्ते पर भी बात की थी। उन्होंने कहा था कि जया बच्चन-अमिताभ बच्चन के बहू-बेटा उनके साथ नहीं रहते। उन्होंने कहा था कि अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय अलग घर में रहते हैं, इसी वजह से इस परिवार में तनाव होने की खबर फैली थी।

नानी को मिला सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार

आईफा उत्सवम में छाए साउथ सिनेमा के सितारे...

मुंबई। अबू धाबी में आयोजित 'आईफा उत्सवम 2024' में साउथ सिनेमा और बॉलीवुड के कई सितारे शामिल हुए। तीन दिन के इस अवॉर्ड शो में पहले दिन साउथ सिनेमा के सितारों को सम्मानित किया गया। इस अवॉर्ड नाइट में जिन अभिनेताओं, फिल्मों को पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

इन पुरस्कारों से सम्मानित हुए सितारे : एएनआई के मुताबिक 'आईफा उत्सवम 2024' में साउथ सिनेमा के स्टार नानी को अपनी तेलुगू फिल्म दशहरा में एक्टिंग के लिए बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड मिला है। फिल्म में अपने किरदार के लिए उन्हें तारीफ मिली है। मणि रत्नम को अपनी तमिल फिल्म 'पोन्नियिन सेल्वम 2' के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार मिला है। उनकी इस फिल्म को क्रिटिक्स और फैंस सभी ने खूब सराहा है। साथ ही चिरंजीवी को सिनेमा में अपने योगदान के लिए उत्कृष्ट उपलब्धि का पुरस्कार मिला। इसके साथ ही समंथा प्रभु को भारतीय सिनेमा में 'वुमन ऑफ द ईयर इन इंडियन सिनेमा' से सम्मानित किया गया।

अवॉर्ड शो में ये सितारे हुए शामिल : *इस अवॉर्ड नाइट में बहुत से चर्चित सितारे शामिल हुए थे। अवॉर्ड नाइट में मणिरत्नम, सामंथा रुथ प्रभु, चिरंजीवी, नंदमुरी बालकृष्ण, एआर रहमान, राणा दग्गुबाती और वेंकटेश दग्गुबाती जैसे सितारे शामिल हुए। बॉलीवुड हस्तियां शाहिद कपूर, अनन्या पांडे, कृति सनोन, करण जौहर, ऐश्वर्या राय, जावेद अख्तर और शबाना आजमी भी इस कार्यक्रम में शामिल हुईं।*

साझा की बचपन की खास तस्वीर...

मुंबई। अभिनेत्री दीपिका पादुकोण हाल ही में मां बनी हैं। अभिनय से दूर वह इस समय परिवार और अपनी बेटी के साथ समय बिता रही हैं। हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर एक बेहद ही खास तस्वीर साझा की है। यह फोटो उनकी बहन अनीशा पादुकोण के साथ दीपिका के रिश्ते को दर्शाता है। दीपिका ने 28 सितंबर को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर भाई-बहनों के बीच की बॉन्डिंग को लेकर एक तस्वीर साझा की है। तस्वीर में एक शख्स चैनल बदलने की कोशिश करता हुआ दिख रहा है, जबकि दूसरा शख्स मस्ती में अपने हाथ से सेट-टॉप बॉक्स को ब्लॉक कर रहा है। फोटो के कैप्शन में लिखा है, 'भाई बहन के साथ बड़े होते हुए.... मुझे समझाने की जरूरत नहीं है कि यहां क्या हो रहा है।' इस कैप्शन के साथ उन्होंने अपनी बहन अनीशा को टैग भी किया है। दीपिका की इस तस्वीर से कई लोगों अपनी पुरानी यादों से जुड़ाव महसूस कर सकते हैं कि बचपन में वे टीवी देखने के लिए कैसा लड़ा करते थे।

गलत एंगल से वीडियो बना रहे थे फैन्स...

लॉस एंजिल्स। कोलंबियन सिंगर शकीरा स्टेज पर परफॉर्म कर रही थीं। उस दौरान ऑडियंस में मौजूद लोग उनका गलत एंगल से वीडियो रिकॉर्ड कर रहे थे। पहले तो उन्होंने लोगों से ऐसा करने से मना किया, लेकिन मना करने के बाद भी लोग नहीं माने, जिसके बाद उन्होंने स्टेज छोड़ दिया। अब इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। ये वीडियो अमेरिका के मियामी का है। वहां शकीरा अपने नए गाने सॉल्टेरा (**Soltera**) पर परफॉर्म कर रही थीं। ऐसी शर्मनाक हरकत करने वाले लोगों पर सोशल मीडिया यूजर्स भड़के नजर आ रहे हैं।

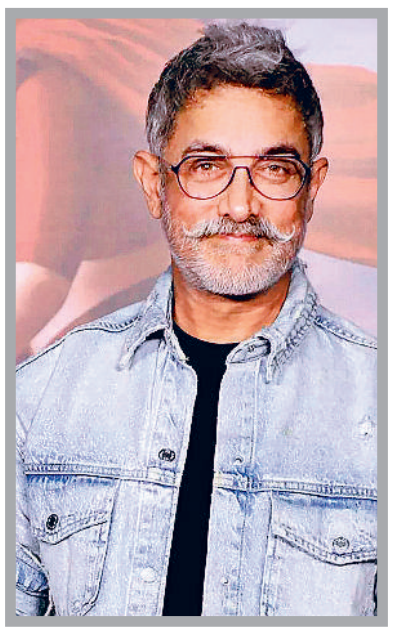

सड़कों पर भाग-भाग कर चिपकाए थे पोस्टर

नई दिल्ली। आमिर खान को बॉलीवुड में मिस्टर परफेक्शनिस्ट कहा जाता है, जिन्होंने 3 इडियट्स, धूम 3 और दंगल जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में बॉक्स ऑफिस पर दीं। लेकिन, एक वक्त ऐसा था जब अपनी फिल्मों का प्रमोशन वह खुद करते थे। इतना ही नहीं, सड़कों पर घूमते हुए वह ऑटो और टैक्सी पर पोस्टर चिपकाया करते थे। वहीं, लोगों से अपनी फिल्म देखने की गुजारिश करते थे। यकीन नहीं होता तो वायरल वीडियो देख लीजिए, जिसमें अपनी फिल्म का प्रमोशन करते हुए आमिर खान खुद नजर आ रहे हैं और टैक्सी और ऑटो पर पोस्टर लगाते हुए दिख रहे हैं। वायरल वीडियो एक पुराने इंटरव्यू का है, जिसमें आमिर खान टैक्सियों और ऑटो के पीछे अपना पोस्ट लगाते दिख रहे हैं। जबकि कुछ लोग हां तो कुछ उन्हें मना करते हुए दिख रहे हैं।

टीवी मसाला

'अनुपमा' की गद्दी छिनना हुआ मुश्किल

नई दिल्ली। छोटे पर्दे का चर्चित शो 'अनुपमा' टीआरपी चार्ट में नंबर वन पर काबिज है। 'अनुपमा' के रूप में रूपाली गांगुली अपनी भावनात्मक रोलरकोस्टर यात्रा से दर्शकों का दिल जीत रही हैं। हिबा नवाब और क्रुशाल आहूजा का शो 'झनक' दूसरे स्थान पर है। निर्माता, दर्शकों को लुभाने के लिए कहानी में नए-नए ट्विस्ट एंड टर्न्स लेकर आते रहते हैं। यही वजह है कि हर हफ्ते टीआरपी रिपोर्ट में दिलचस्प बदलाव देखने को मिलते हैं। जहां कुछ शोज बीते लंबे समय से टीआरपी लिस्ट में अपनी पकड़ बनाए हुए हैं, तो कुछ अचानक से इस सूची में जगह बनाकर हर किसी को हैरान कर देते हैं। इसी बीच ब्रॉडकास्ट ऑडियंस रिसर्च काउंसिल ने 38वें हफ्ते की टीआरपी (टेलीविजन रेटिंग पॉइंट) की सूची जारी कर दी है, जो बेहद रोमांचक है। इसमें 'अनुपमा' हमेशा की तरह बढ़त बनाए हुए है। रोहित शेट्टी के शो 'खतरों के खिलाड़ी 14' ने भी सूची में दोबारा एंट्री की, जबकि 'एडवोकेट अंजलि अवस्थी' अपने पिछले पायदान से नीचे खिसक गई है।

टॉप 10 लिस्ट में हुई 'खतरों के खिलाड़ी 14' की वापसी

साउथ सिनेमा में करना चाहते हैं काम....

नई दिल्ली। हाल ही में बॉलीवुड फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' में नजर आने वाले अभिनेता शाहिद कपूर ने बताया कि उनकी दक्षिण भारतीय फिल्मों में काम करने की तमन्ना है। इंटरनेशनल इंडियन फिल्म एकेडमी अवॉर्ड्स (आईफा) में शामिल हुए शाहिद कपूर ने मीडिया से दक्षिण भारतीय सिनेमा में काम करने के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा, 'मैं दक्षिण भारतीय सिनेमा में काम करने के लिए तैयार हूं, लेकिन मुझे डर है कि अगर दक्षिण भारतीय दर्शक मेरी डायलॉग डिलीवरी से खुश नहीं हुए तो क्या होगा? मैं कोई कमी नहीं छोड़ना चाहता, हिंदी पर तो मेरी अच्छी पकड़ है।' जब उनसे पूछा गया कि दक्षिण की कौन सी भाषा की फिल्म उन्हें खासतौर पर पसंद है, तेलुगु, तमिल, मलयालम या कन्नड़, तो अभिनेता ने इसके जवाब में कहा, 'मेरे लिए यह सब बराबर है, क्योंकि मैं इनमें से कुछ भी नहीं जानता। इसलिए अगर कोई भी साउथ का फिल्ममेकर मुझ पर भरोसा कर सकता है, मुझे ठीक से समझा सकता है और मेरे सारे सवालों का जवाब दे सकता है, तो मैं उनके लिए काम करने को तैयार हूं।

'बिग बॉस 18' में सलमान के साथ मेजबानी की कमान संभालेगा कृष्णा

नई दिल्ली। प्रशंसक सलमान खान के जरिए होस्ट किए जाने वाले शो 'बिग बॉस 18' के प्रीमियर का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। रियलिटी टेलीविजन शो के निर्माताओं ने इसके नवीनतम प्रोमो से प्रशंसकों के उत्साह को चरम पर पहुंचा दिया है। प्रोमो में संकेत दिया गया है कि चर्चित कॉमेडियन-अभिनेता कृष्णा अभिषेक, सलमान खान के साथ इस साल के बिग बॉस की मेजबानी कर सकते हैं। कृष्णा ने इंस्टाग्राम पर 'बिग बॉस 18' का एक प्रोमो साझा किया। वीडियो की शुरुआत बिग बॉस द्वारा कृष्णा को एक संदेश भेजने से होती है जिसमें कहा गया है कि कृष्णा जल्द ही अपने दोस्तों के साथ छुट्टियों के लिए रवाना होंगे। कृष्णा इस बात से भ्रमित हो जाते हैं कि बिग बॉस को बैंकॉक में उनकी छुट्टियों की योजना के बारे में कैसे पता चला। बाद में वह अपनी पत्नी कश्मीरा शाह से छुपाने के लिए उस मैसेज को डिलीट कर देते हैं।

शर्त लगाइए
अब आप दुबले नहीं रहेंगे
देश का सबसे भरोसेमंद मशरूम पाउडर
वज़न बढ़ाने में सहायक
मेटाबोलिज्म मजबूत बनाने में सहायक
मशरूम एवं 12 जड़ी-बूटियाँ
MUSHROOMEX MUSHROOM POWDER
Kyunki Wazan hai, tou Wazandari hai
MUSHROOMEX®
MUSHROOM POWDER
क्योंकि वज़न है... तो वज़नदारी है !
सभी मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध
Also Available at : amazon.com | Flipkart
Trade Enquiry - +91 888922 3333
Mushroom World Ayurved & Food Pvt. Ltd.

जैकेट के शेष

दहशत की जिंदगी, कहीं ....

हरिभूमि मैनपुर के टीम क्षेत्र के बिहार दूरस्थ वनांचल के ग्रामों में पहुंची सहबिन कछार,अमाड, इंदागाव, अडगडी, फरसर, कुल्हाड़ीघाट, जिडार क्षेत्र में। यहां 11000 हेक्टेयर में किसान मक्का की फसल ले रहे हैं। किसान रामेश्वर ओटी, भुजबल नेताम, धनुराम मरकाम, चुकेश्वर ठाकुर, भानु राम ठाकुर ने बताया मक्का की फसल में फल आ गए हैं और सबसे ज्यादा भालू, जंगली सुअर तथा बंदरों के द्वारा मक्का की फसल को नुकसान पहुंचा रहे हैं। जिसके कारण खेतों में बड़े-बड़े मचान बनाए हैं। मचान के ऊपर बैठकर बाजा बजा बजाकर अपने फसलों की सुरक्षा कर रहे हैं। यदि मचान में बैठकर सुरक्षा नहीं करेंगे तो हिंसक वन्य प्राणी किसानों के ऊपर हमला कर सकता है। इसलिए किसान अपनी सुरक्षा को लेकर खेतों में बड़े-बड़े मचान बनाए हुए हैं।

रात-भर होते हैं भजन कीर्तन : वन्यजीवों के इन हमलों से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए गरियाबंद में ग्रामीण रातभर जागकर पहरा देने को मजबूर हैं। यहां कुछ गांवों में ग्रामीण मंदिरों में भजन-कीर्तन करते हुए पहरेदारी कर रहे हैं। गरियाबंद में तेंदुए की बढ़ती सक्रियता ने हाल ही में 4 लोगों की जान ले ली है और कई अन्य पर भी हमले किए गए हैं। तेंदुए का आतंक जिला मुख्यालय तक फैल गया है, जहां जिला अस्पताल के पास भी तेंदुए को देखा गया है। इस घटना के बाद अस्पताल और उसके आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई है, लेकिन मरीज और उनके परिजन अभी भी भय के साए में जीने को मजबूर हैं। हाथियों के हमले से भी जिले में कई लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। पिछले 5 वर्षों में हाथी के हमलों में कुल 12 लोगों की जान जा चुकी है। जंगली भालू के हमले से भी कुछ मौतें हुई हैं और बड़ी संख्या में लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। एसडीओ वन मंडल गरियाबंद मनोज चंद्राकर ने बताया कि वन विभाग ने इन घटनाओं के मद्देनजर कैंपिंग टीमों का गठन किया है जो लगातार गश्त कर रही हैं और ग्रामीणों को वन्यजीवों के संभावित खतरों के बारे में जागरूक कर रही है।

सुबह 4 बजे फॉरेस्ट .....

अमला भटकते हुए नजर आया। तेंदुआ की सक्रिय वाले इलाके डुमाली में एक साथ 7 तेदुआ को देखा गया, जिसमें तुेदआ के शावक भी है। वहीं दुधावा के नयापारा और लेंडारा व सारंडा इलाके में तुेदआ लगातार दस्तक दे रहा है। हरिभूमि ने रात को हकीकत को जानने के लिए दुधावा, लेंडारा और सारंडा इलाके का भ्रमण किया। तेंदुआ के सक्रिय होने से सबसे ज्यादा नींद वन विभाग के अमले की उड़ी है और रातभर हर गांव में गश्त किए जा रहे हैं, जिसकी रिपोर्टिंग सुबह 4 बजे वनमंडलाधिकारी के पास होती है। परिक्षेत्र कांकेर के परिक्षेत अधिकारी रात को गश्त करते हुए नजर आए, उनका कहना है कि तेंदुआ सक्रिय है, उसी के तहत गांव वालों को सचेत करने के लिए हमारी टीम रातभर भ्रमण करती है। वनमंडलाधिकारी आलोक बाजपेयी से इस विषय पर बात हुई, तो उनका कहना था कि वनमंडल कांकेर के परिक्षेत्र कांकेर और सरोना में सबसे ज्यादा तेंदुआ सक्रिय है।

6 महीने में ....

हाथियों की संख्या बढ़ रही है, मानव हाथी द्वंद में भी वृद्धि हो रही है। इस द्वंद में लगातार लोगों की मौत हो रही है, वहीं हाथी भी सुरक्षित नहीं है। वनों में मानवीय हस्तक्षेप बढ़ने के कारण हाथी बस्तियों में पहुंच रहे हैं। घर, खेत एवं जंगल की सीमाएं खत्म हो गई हैं इसीलिए हाथी नए रहवास क्षेत्र की तलाश में भटक रहे हैं। पिछले दो सालों से बड़ी संख्या में हाथी तमोर पिंगला अभयारण्य स्थित एलिफेंट रिजर्व में अपना अधिक समय गुजर रहे हैं जिससे क्षति में कुछ कमी आई है लेकिन धान की फसल तैयार होते ही फिर से हाथियों की तबाही बढ़ जाएगी। वर्तमान में सरगुजा में 25, सूरजपुर में 6 एवं जशपुर में 38 हाथी हैं जबकि एलिफेंट रिजर्व में 55 हाथी मौजूद हैं। उधर कोरबा के कटघोरा केंद्रीय क्षेत्र में 40 से ज्यादा हाथी विचरण कर रहे हैं। धरमजयगढ़ से लेकर बिलासपुर के सीपत इलाके में भी हाथी दहशत फैला रहे हैं। शाम ढलते ही हाथी आबादी क्षेत्र में पहुंचकर तबाही मचाना शुरू कर देते हैं। हाथियों के भय से प्रभावित क्षेत्र के ग्रामीण रतजगा कर किसी तरह अपना समय गुजार रहे हैं। सरगुजा में मानव-हाथी संघर्ष में हर साल 40 से 50 ग्रामीणों एवं 4-5 हाथियों की मौत हो रही हैं। इस साल 6 महीने में ही जशपुर में 13, सूरजपुर में 6, बलरामपुर में 3 एवं सरगुजा में एक कुल 23 लोगों की मौतें हो चुकी हैं। विभाग अब तक जनहानि के एवज में 1.44 करोड़, फसल क्षति का 2.03 करोड़, मकान क्षति का 1.45 करोड़ एवं अन्य क्षति का 4.5 लाख मुआवजा भुगतान कर चुका है। मानव हाथी द्वंद में हुई क्षति के एवज में शासन हर साल करोड़ों रूपए का भुगतान कर रहा है लेकिन इस द्वंद को रोकने के लिए अब तक कोई कारगर पहल नहीं हो सकी है। हाथी प्रबंधन के नाम पर विभाग लगातार नए-नए प्रयोग करता रहा है लेकिन इससे आपसी संघर्ष पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है।

बढ़ाना होगा संरक्षित क्षेत्र : संरक्षित वन क्षेत्र को बढ़ाना होगा, जिससे हाथियों को पर्याप्त भोजन, पानी व आवास मिल सके। इससे हाथी जंगल से बाहर निकलकर कम क्षति करेंगे। इस तरीके से क्षति को न्यूनतम स्तर तक लाया जा सकता है। अमलेंदु मिश्रा, हाथी विशेषज्ञ, सरगुजा

भालू ने ले .....

मरवाही रेंज के अलग अलग गांव का है। बेलझिरिया ,करगी कला व खुरपा में भालू के हमले के अलग अलग मामलों में 5 घायल व 2 की मृत्यु हुई है।

जानकारी के अनुसार ग्राम बेलझिरिया में बिहान लाल केवट की 13 वर्षीय बच्ची विद्या केवट शुक्रवार शाम को अपने घर से खेत की ओर बकरी चराने गई थी। इस दौरान बच्ची का सामना भालू से हो गया। भालू ने उस पर प्राणघातक हमला करते हुए चेहरे और पीठ को बुरी तरह से नोंच दिया। इस हमले से बच्ची मौके पर मौत हो गई। 13 वर्षीय मासूम को मौत की नींद सुलाने के बाद एक बार पुनः शनिवार सुबह बेलझिरिया में उसी आक्रामक भालू के द्वारा तीन ग्रामीणों पर जानलेवा हमला कर दिया जिसमें एक की घटनास्थल पर दर्दनाक मौत हो गई तो दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। करगीकला में जंगल की ओर गए दो लोगों पर भालू ने हमला किया जिसमे एक घायल व एक की हालत गंभीर बताई जा रही।

मिली जानकारी अनुसार ग्राम बेलझिरिया निवासी चरणसिंह खेरवार, रामकुमार, सुक्कुल प्रसाद , सभी सुबह मशरूम बिनने घर के पास रतनजोत प्लॉट में गए थे तभी भालू ने हमला कर दिया जिससे सुक्कूल प्रसाद की मौके पर ही मौत हो गई। बाकी घायलों को 108 की मदद से मरवाही अस्पताल में इलाज हेतु भर्ती कराया गया जहां इलाज जारी है । वही करगीकला निवासी सेवक लाल यादव, सेमलाल गोंड जो की आज सुबह खेत देखने गए थे उनके ऊपर भी जंगली भालू ने आक्रमण कर घायल कर दिया उन्हें भी डायल 108 से मरवाही अस्पताल लाया गया जहां उनका इलाज जारी है।

बता दें कि मरवाही वन मंडल में पिछले डेढ़ माह में भालू के 25 से ज्यादा मामले सामने आ चुके हैं,जिससे मरवाही वन मंडल में जामवंत योजना पर एक बार फिर सवालिया निशान उठ रहा है। जानकारों का कहना है कि लगातार जंगलों में पेड़ों की कटाई, अवैध कब्जे, अवैध उत्खनन, वन संसाधनों पर मानवीय दखल के बाद भालू व अन्य जीव लगातार आबादी की ओर पहुंच रहे, वहीं पिछले कुछ घटनाओं में भालू को काफी आक्रामक देखा गया है।

वन व पुलिस अमला तैनात : वन विभाग एवं स्थानीय पुलिस प्रशासन ने पूर्व की घटनाओं को देखते हुए मुनादी कराई है। ग्रामीणों को भालुओं की लोकेशन की ओर नहीं जाने सचेत किया गया है। बीट पुलिस अधिकारी, ग्रामीणों और फॉरेस्ट बीट गार्ड संग ग्राम में रात्रि पहरा की व्यवस्था तय की गई है। मौके पर जिले के डीएफओ समेत तहसीलदार मरवाही और काफी संख्या में फॉरेस्ट विभाग के अधिकारी भी पहुंचे । ग्रामीणों के साथ रात्रि पहरा व्यवस्था बनाकर बीट पुलिस अधिकारी भी गांव में ही तैनात हैं।

कर्मचारी देंगे रात में पहरा : ग्राम बेलझरिया, उषाढ़ और बरौर के जंगली इलाकों में लगातार भालुओं के टोली द्वारा जंगल की ओर जाने वाले ग्रामीणों पर हमले के मामले की गंभीरता के चलते जिले की एसपी आईपीएस भावना गुप्ता के निर्देश पर थाना मरवाही का पुलिस बल स्थानीय फॉरेस्ट अमले के साथ संयुक्त रूप से तैनात किया गया है। साथ ही बीट पुलिस अधिकारी एएसआई चंद्र प्रकाश पांडे और प्रधान आरक्षक अजय सिंह को रात्रि पहरा व्यवस्था और मुनादी की जिम्मेदारी दी गई।

प्रायवेट अस्पताल ही ....

है। यहां से हर महीने सौ से ज्यादा मरीजों को आंबेडकर अस्पताल भेजा जा रहा है सामान्य बीमारियों के साथ कई मरीज गंभीर स्थिति वाले होते हैं जिनके लिए दूसरे अस्पताल तक परिवहन जोखिम वाला होता है। आंबेडकर अस्पताल के आपात चिकित्सा विभाग आंकड़े बताते हैं कि हर महीने रेफर होकर आने वालों में सौ से अधिक मरीज एम्स से संबंधित होते हैं। इसके लिए उनके द्वारा बेड नहीं होने का हवाला दिया जाता है। वहीं एम्स से जुड़े चिकित्सको का तर्क है कि एम्स में रोजाना ओपीडी में साढ़े तीन हजार से ज्यादा मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं यहां का सेटअप 987 बेड है जो आवश्यकता के हिसाब से काफी कम है। मरीज ज्यादा होने पर उन्हें आवश्यक उपचार के बाद दूसरे संस्थान भेजना मजबूरी होता है।

खेत की मेड़ ...

अमलीडीह निवासी खिलेश्वर साहू (34) के रूप में की गई है। इधर, जहरखुरानी करने वाले पीताम्बर की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

दो दिन पहले गुमशुदगी की रिपोर्ट : परिजनों ने खिलेश्वर के गुमशुदगी की रिपोर्ट दो दिन पहले ही दर्ज कराई थी।शुक्रवार रात किसान पीतांबर के खेत के आसपास बदबू आने का संदेह जाहिर किया। शनिवार सुबह खेत गए किसान ने मेड़ में दबे उक्त शव के बारे में पुलिस एवं ग्रामीणों को सूचना दी। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तत्काल घटनास्थल पहुंची एवं पंचनामा के बाद शव निकलवा कर गुमशुदा खिलेश्वर साहू के परिजनों को बुलाकर उनसे शिनाख्त करवाई।

एएसपी ने जताई हत्या की आशंका : एडिशनल एसपी प्रतिभा पांडेय ने बताया कि गुम इंसान की पहचान खिलेश्वर साहू के रूप में की गई है। प्रथम दृष्टया हत्या की आशंका पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

केंद्रीय मंत्री सीतरमण और ....

पदाधिकारियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धाराओं 384 (जबरन वसूली के लिए सजा), 120 बी (आपराधिक साजिश) और 34 (सामान्य इरादे से कई व्यक्तियों द्वारा किए गए कृत्य) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। जनाधिकार संघर्ष परिषद (जेएसपी) के सह-अध्यक्ष आदर्श आर अय्यर ने शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें आरोप लगाया गया है कि आरोपियों ने चुनावी बॉण्ड की आड़ में जबरन वसूली की और 8,000 करोड़ रुपए से अधिक का फायदा उठाया। मैसुरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) भूखंड आवंटन मामले में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज होने के कारण विपक्षी भाजपा ने उनका इस्तीफा मांगा है। सिद्धरमैया ने कहा, भाजपा नेताओं के तर्क के अनुसार, निर्मला सीतारमण को अब इस्तीफा दे देना चाहिए, है ना। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए जद (एस) नेता एवं केंद्रीय मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी ने कहा, निर्मला सीतारमण को इस्तीफा क्यों देना चाहिए? क्या चुनावी बॉण्ड का पैसा निर्मला सीतारमण के निजी खाते में गया है, जिससे वह इस्तीफा दें? क्या उन्होंने आपकी (सिद्धरमैया) तरह सत्ता का दुरुपयोग कर खुद को फायदा पहुंचाया है? विधानसभा में विपक्ष के नेता एवं भाजपा नेता आर. अशोक ने कहा कि कांग्रेस को केंद्रीय वित्त मंत्री पर टिप्पणी करने का नैतिक अधिकार नहीं है और उनके खिलाफ चुनावी बॉण्ड मुद्दे और सिद्धरमैया के खिलाफ एमयूडीए मामले के बीच कोई तुलना नहीं हो सकती है। उन्होंने कहा, (चुनावी बॉण्ड) मुद्दा खत्म हो गया है, इस पर उच्चतम न्यायालय ने फैसला दिया है और हमारे नेता (प्राथमिकी के संबंध में) कानून के अनुसार आवश्यक कार्रवाई करेंगे।

क्या है आरोप...

के तहत सूचना के अधिकार और भाषण एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उल्लंघन होता है।

चार बूंदों में ....

थी। घरों में जब यह चावल पकाया जाता था तो उसकी खुशबू से पूरा घर महक उठता था। चावल के हर दाने में सुगंध होती थी, लेकिन बासमती चावल के सुगंध में भी अब काफी अंतर आ चुका है। प्रतिस्पर्धा के जमाने में बाजार में सुगंधित चावलों की कई वैरायटीज आ चुकी हैं। केवल बासमती ही नहीं दुबराज, एमएचटी और अन्य किस्म के चावल भी अब सुगंधित हो चुके हैं, जो पहले सामान्य रूप में मिलते थे। चावल में सुगंध के जुड़ने से इसके दाम अधिक हो चुके हैं। मांग बढ़ने से मिलावट का धंधा भी शुरू हो चुका है, जिसकी भनक आम आदमी और खाद्य विभाग को भी नहीं है। जब हरिभूमि टीम ने चावलों में नकली सुगंध को लेकर पड़ताल की तो पता चला कि बाजार में खुलेआम चावलों का एसेंस फ्लेवर मिल रहा है, जिसकी चार बूंद सामान्य चावल को भी बासमती की तरह सुगंधित कर देती है। बाजार में एसेंस का उपयोग कर चावल बेचने की पूरी संभावना है।

सुगंधित चावल की डिमांड अधिक : गुढ़ियारी के राशन दुकानों में चावल का एसेंस फ्लेवर मिल रहा है। दुकानदार ने हरिभूमि को बताया कि प्रतिबंधित नहीं होने से इसे बेचा जा रहा है। राशन व्यापारी ही इसे खरीदते हैं। 500 रुपए में एक लीटर यह एसेंस मिल रहा है। इसके अलावा 200 में भी छोटी बोतल उपलब्ध है। हाथ में एक बूंद डालने से इत्र की तरह लंबे समय तक खुशबू बनी रहती है। यही वजह है कि खाना खाने के बाद भी इसकी खुशबू रहती है। एसेंस की खास बात ये भी है कि इसकी खुशबू असली है या फिर नकली, इसका पता आम आदमी आसानी से नहीं लगा सकता। हाथों में लेकर सूंघने पर इसकी सुगंध व्यक्ति को असली ही लगती है।

चावल में एसेंस ....

की है। उनका कहना है कि बाजार में एसेंस की सुंगध से चावल को खुशबूदार बनाया जा रहा है। आज बाजार में महंगे चावल सुगंधित ही मिलते हैं। इस वजह से खास सुगंध की मांग काफी है। नकली सुगंध के चावल का सेवन लंबे समय तक करते से सेहत के लिए यह हानिकारक हो सकता है। चावल में एसेंस फ्लेवर को पकड़ना आसान काम नहीं है, क्योंकि यह बिलकुल असली की तरह ही लगती है। इस वजह से इसका इस्तेमाल चावलों में काफी बढ़ गया है। वर्तमान में कई चावल की नई वैरायटीज आ चुकी है, जिसके मूल गुण में सुगंध है। वही असली सुगंधित चावल कहा जाता है। लोगों को जानकारी नहीं होती कि किस चावल के गुण सुगंधित हैं। इस वजह से बाजार में सामान्य चावल को एसेंस की मदद से सुगंधित बनाया जा रहा है।

सुगंध बढ़ाने के लिए ...

किलो चावल में 20 बूंद एसेंस ही पूरी चावल को सुगंधित कर देती है। तीन से चार महीने तक उस चावल में सुगंध बनी रहती है। पड़ताल में यह भी पता चला है कि 50 से 60 रुपए किलो वाले चावल भी सुगंधित वैरायटीज मिलने लगी हैं। एचएमटी चावल में बासमती जैसी सुगंध है। गुढ़ियारी में 15 अलग-अलग प्रकार के सुगंधित चावल उपलब्ध हैं।

पेज एक के शेष

कांग्रेस शासन के पर्ची...

सरकार बनी और तीसरी बार नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने तो ये संविधान बदल देंगे। राहुल गांधी अमेरिका में जाकर कहते हैं कि हम सत्ता में आते तो आरक्षण को समाप्त कर देते।

⏭ *कांग्रेस गारंटी देती है, उसकी छाया भाजपा के घोषणापत्र में दिखती है ?*

⏭ *हमारी योजना पहले से रहती है। मैंने 100 दिनों की योजना तैयार की थी, लेकिन मुझे 56 दिन ही मिले। 56 दिनों के अंदर में मैंने हरियाणा के लिए 126 ऐतिहासिक फैसले लिए हैं जिसकी प्रशंसा हो रही है। हुड्डा साहब कहते हैं मैं सिर्फ घोषणाएं कर रहा हूं। मैंने कहा, हुड्डा साहब मैं घोषणाएं ही नहीं कर रहा हूं, उसको धरातल पर लाने का काम भी कर रहा हूं। मैंने कहा, हुड्डा साहब आपका दस साल का कार्यकाल रहा, मेरा सिर्फ 56 दिनों का कार्यकाल रहा, आप इसका मिलान कर लीजिए, मैंने आपसे ज्यादा काम किए हैं। हुड्डा सरकार के कार्यकाल में पर्ची खर्ची से नौकरी मिलती थी, हमारी सरकार में ऐसा नहीं है। न तो पर्ची की जरूरत है न ही खर्ची की। हम युवाओं को ऐसे ही नौकरी देने का काम कर रहे हैं। भाजपा ने नहीं कांग्रेस ने हमारी नकल की है।*

⏭ *चुनाव आयोग ने क्यों जल्द चुनाव घोषित कर दिया, क्या चुनाव आयोग में आपका दखल-वखल नहीं रहा ?*

⏭ *चुनाव आयोग कांग्रेस की जेब में रहता था, कांग्रेस ने कभी भी संवैधानिक संस्थाओं का सम्मान नहीं किया। कांग्रेस अपनी को आज भी सर्वोच्च मानती है। उनको मालूम नहीं है, उनके पैरों के नीचे से जमीन खिसक चुकी है।*

⏭ *कांग्रेस में नौकरियों को लेकर कोटा फिक्स हो रहा है, ऐसे में कांग्रेस के कार्यकर्ताओं में उत्साह है, भाजपा में हमेशा कार्यकर्ताओं की शिकायत रहती है। ऐसे में जीत का मामला किसका बनेगा ?*

⏭ *ये नौकरी में भ्रष्टाचार करते हैं, नौकरियों के लिए बोलियां लगती हैं। हाईकोर्ट ने हुड्डा सरकार के समय कहा था, ये आपने नौकरियों से लिए जो कलेक्शन सेंटर खोल रखा है, यह कलेक्शन सेंटर नहीं लाला की दुकान खोल रखी है। हाईकोर्ट की यह बात जनता तक पहुंचाने का काम आप करें। इसके बाद भी सरकार पर कोई असर नहीं हुआ और वही भ्रष्टाचार पर नौकरी मिलती रही। हमने हरियाणा में कोई भेदभाव नहीं किया है नौकरी देने के मामले में। हमने 50 हजार नौकरी देने की बात की, 35 हजार तक आंकड़ा पहुंचने वाला है। जिनका परिणाम में रूका है, उनका परिणाम चुनाव के बाद आने पर मैं इन बच्चों को नौकरी जब तक नहीं दे देता शपथ नहीं लूंगा।*

⏭ *आप ही मुख्यमंत्री बनेंगे इसकी गारंटी क्या है, आपके ही मित्र अनिल विज और कुछ और भी दावेदारी कर रहे हैं ?*

⏭ *हमारे नेता हैं कोई आपत्ति नहीं है दावेदारी कर सकते हैं। लेकिन यह फैसाल हमारा पार्लियामेंट बोर्ड करता है।*

⏭ *पार्टी ने डॉ. रमन सिंह, शिवराज सिंह वसुंधरा सिंधिया के लिए कहा, पार्टी जीती तो ये मुख्यमंत्री बनेंगे, लेकिन आपके नाम का ऐलान किया गया, इसके पीछे क्या बात है ?*

⏭ *मैं एक गरीब परिवार का हूं, मेरी औकात नहीं थी कि मैं मुख्यमंत्री बन जाता, मैं तो पार्टी का काम कर रहा था। एक पिछड़े वर्ग के कार्यकर्ता को एक किसान के बेटे को यह भाजपा पार्टी ही, यह नरेंद्र मोदी ही है जो ऐसा कर सकते हैं। कांग्रेस में ऐसा कभी नहीं हो सकती है।*

⏭ *हरियाणा में कई नेता हैं लेकिन भूपेंद्र सिंह हुड्डा का ही नाम क्यों रहता है नायब सिंह सैनी की जुबान पर, कितनी चुनौती बन गए हैं, हुड्डा जी ?*

⏭ *कोई चुनौती नहीं है। कांग्रेस परिवारवाद वाली पार्टी है। सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी से हटकर कोई बात नहीं होती है। यहां देखेंगे तो हुड्डा और उनके बेटे से हटकर कोई बात नहीं होती है। दस साल तक हुड्डा ही यहां के मुख्यमंत्री रहे हैं, इसलिए उनका नाम ले रहे हैं। और तो किसी को स्थान ही नहीं दिया तो और किसी का नाम कैसे लें। हुड्डा ने जनता को लुटने का काम किया और अपने दामाद को फायदा पहुंचाया। 24 घंटे बिजली देने की बात करते थे, चार घंटे बिजली नहीं मिलती थी, लोग त्राहि-त्राहि करते थे। चार-चार दिन में गैस सिलेंडर मिलता था। किसान परेशान थे। किसानों के धान में कटौती कर देते थे। हर वर्ग को परेशान किया है। कांग्रेस दलित विरोधी है, इनको आगे बढ़ने नहीं देते हैं।*

⏭ *कुमारी शैलजा को भी बुला रहे हैं, क्या हरियाणा में शैलजा भाजपा की तरफ से मुख्यमंत्री हो सकती है ?*

⏭ *भाजपा में कोई आना चाहता है तो स्वागत है, एक महिला है, उन्होंने मेहनत करके कांग्रेस में स्थान बनाया है, कांग्रेस ने उनके स्थान को कुचला है।*

⏭ *कानून व्यवस्था को लेकर भाजपा के पास कोई उपलब्धि है ?*

⏭ *लॉ एंड आर्डर को लेकर हमारा एक विजन रहता है। हम समझौता नहीं करते हैं। कांग्रेस का दस साल का कार्यकाल देखें। उनके शासन में कितनी एफआईआर दर्ज थीं, लोग चिल्लाते रहते थे, लेकिन एफआईआर नहीं होती थी। हमारे शासन में ऐसा नहीं होता है। गुंडई करने वालों को हम या तो अस्पताल में भेजते हैं या जेल में। ऐसे लोगों ने आगे भी सरकार बनने पर कड़ाई से निपटा जाएगा।*

⏭ *जन नायक जनता पार्टी को लेकर क्या सोचते हैं, पहले भाजपा के साथ थी ?*

⏭ *ये बात तो उनसे पूछनी चाहिए। जनता से पूछ लेना। जनता हमें आशीर्वाद दे रही है। जनता को तो बस इंतजार है मतदान का खटाखट-खटाखट कमल पर बटन दबाना है और भाजपा की सरकार बनाना है।*

⏭ *करनाल के लोग आपसे कितने नाराज हैं ?*

⏭ *करनाल से मैं दिल से प्रेम करता हूं। मैं कहीं भी बैठा हूं, करनाल को कोई भी व्यक्ति आता है मैं सिर आंखों पर बिठाता हूं। करनाल के विकास और सम्मान के बारे में कोई समझौता नहीं होगा।*

⏭ *आप लाडवा से चुनाव क्यों लड़ रहे हैं ?*

⏭ *लाडवा मेरा घर है। मैं तो अपने घर वापस आया हूं। मैंने अपनी सीट कहां बदली है ये तो कांग्रेस के लोग कह रहे हैं।*

दो महीने में हिजबुल्ला...

हलेवी का बयान दर्शाता है कि अभी और हमले किए जा सकते है। हलेवी ने कहा कि हिजबुल्ला के नेतृत्व को निशाना बनाकर हमला किए जाने की लंबे समय से योजना बनाई जा रही थी। इससे पहले, सेना ने बताया था कि उसने नसरल्ला को निशाना बनाकर शुक्रवार को बेरूत स्थित हिजबुल्ला के केंद्रीय मुख्यालय पर हमला किया, जहां एक के बाद एक भीषण विस्फोटों से कई ऊंची इमारतें ध्वस्त हो गईं। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि इस हमले में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और 91 अन्य लोग घायल हो गए। नसरल्ला तीन दशक से अधिक समय से हिजबुल्ला का नेतृत्व कर रहा था। इजराइल ने शनिवार को हिजबुल्ला के खिलाफ भीषण हवाई हमले जारी रखे और चरमपंथी संगठन ने भी इजराइल की ओर दर्जनों रॉकेट दागे। इजराइली सेना ने कहा कि वह लेबनान के साथ तनाव बढ़ने के बीच अतिरिक्त रिजर्व सैनिकों को तैनात कर रही है। सेना ने शनिवार सुबह कहा कि वह रिजर्व सैनिकों की तीन बटालियन को सक्रिय कर रही है। इससे पहले सप्ताह की शुरुआत में दो बटालियन को संभावित जमीनी आक्रमण के मद्देनजर प्रशिक्षण देने के लिए उत्तरी इजराइल भेजा गया था। इजराइली सेना ने शनिवार सुबह दक्षिणी बेरूत और पूर्वी लेबनान की बेका घाटी में कई हमले किए।

हिजबुल्ला ने शनिवार को उत्तरी और मध्य इजराइल तथा इजरायल के कब्जे वाले 'वेस्ट बैंक' पर दर्जनों रॉकेट दागे। बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में रात भर जारी इजराइली हवाई हमलों के बाद आसमान में धुएं का गुबार छा गया। शहर में विस्थापितों के लिए बनाए गए आश्रय स्थलों पर लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। अनेक लोग चौराहों, समुद्र तटों या अपनी कारों में सोए। राजधानी के ऊपर पहाड़ों की ओर जाने वाली सड़कों पर सैकड़ों लोगों को पैदल ही पलायन करते देखा गया जिनमें से कई की गोद में शिशु और हाथों में जरूरी सामान था। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि इस हमले में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और 91 अन्य लोग घायल हो गए। लेबनान की राजधानी में इस हमले के कारण संघर्ष के पूर्ण युद्ध में बदलने की आशंकाएं प्रबल हो गई हैं।

इब्राहिम अकील : इजरायल ने पिछले सप्ताह शुक्रवार 20 सितम्बर को बेरूत में किए गए हवाई हमले में हिजबुल्लाह के टॉप कमांडर इब्राहिम अकील को ढेर कर दिया। अकील की भी हैसियत हिजबुल्लाह की कमांड में दूसरे नंबर पर थी। वह नसरल्लाह को सीधे रिपोर्ट करता था। अकील पर 1983 में हुए बम विस्फोटों के मामले में 70 लाख डॉलर (58 करोड़ भारतीय रुपए) का इनाम था। अकील के साथ हमले में एलीट राडवान फोर्स के कमांडर अहमद वहाबी भी मारा गया था।

मासूम बच्ची पर...

वीडियो वायरल होने के बाद मणिपुर पुलिस ने मामले में महिला के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर लिया है और घटना की जांच शुरू कर दी है लेकिन फिलहाल महिला की गिरफ्तारी नहीं की गई है। बता दें कि इन दिनों सोशल मीडिया में एक वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में महिला छोटी की बच्ची की पाइप से बेदम पिटाई कर रही है और बच्ची अपने पिता से मदद के लिए चीख पुकार लगा रही है। महिला बच्ची को घसीटते हुए लेकर जा रही है और अन्य बच्चों को भी लेकर आने को बोल रही है। बच्ची का पिता महिला से बच्ची को छोड़ने की गुहार लगा रहा है लेकिन महिला बच्ची के साथ अत्याचार करने के साथ ही उसके साथ बेरहमी से मारपीट कर रही है। वहीं एक अन्य वीडियो में महिला दो युवकों को बैठकर उनके साथ भी उसी तरह गुंडागर्दी करते हुए मारपीट कर रही है और उसके आस पास बड़ी संख्या में लोग मौजूद है। महिला भी वीडियो में गांजा बेचने से संबंधित बातचीत कर रही है। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया है और घटना की जांच शुरू कर दी है। अब तक जो जानकारी सामने आई है उसके अनुसार महिला की पहचान प्रतिमा सिंह के रूप में हुई है जो अपनी बहनों और अन्य लोगों के साथ मणिपुर थाना क्षेत्र के मठपारा में रहती है। पुलिस ने प्रतिमा सिंह के खिलाफ बीएनएस की धारा 146 व अन्य धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर लिया है लेकिन बड़ा सवाल यही है कि महिला जिस बच्ची के साथ मारपीट कर रही है वो कौन है। महिला ने इस तरह और कितने बच्चों को बंधक बनाकर रखा है।

गांव से बच्चे लाने की संभावना : बताया जा रहा है कि उक्त महिला द्वारा गांव से छोटे छोटे बच्चों को लाकर उनसे गांजा बिक्री कराया जाता है। महिला के बच्चों के साथ बेरहमी से मारपीट करती है। मारपीट के कारण भाग गए थे। सम्भवतः मारपीट से भी डरकर बच्ची भाग गई थी इस लिए महिला उसे पकड़कर उसके पिता के सामने ही जानवरों की तरह मार रही थी। इतना ही नहीं उसने दो युवकों को भी घर के बरामदा में बैठाकर उसे गाली गलौज कर रही है और पाइप से मार रही है। इस वायरल वीडियो को देखने के बाद आम लोगों के साथ पुलिस भी हैरान है। लोगों का कहना है कि महिला का क्षेत्र में खौफ है। महिला खुलेआम गांजा बेचने का काम करती है और इसके लिए वो बच्चो का सहारा लेती है लेकिन उसपर कोई कार्रवाई नहीं होती।

साय बोले- स्वच्छता अभियान...

पखवाड़ा मनाया जा रहा है। भगवान विश्वकर्मा जयंती और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन से 17 सितंबर से महात्मा गांधी की जयंती 2 अक्टूबर तक स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छता को प्रोत्साहित करने हेतु 15 अगस्त 2014 को लाल किले की प्राचीर से सभी को स्वच्छता का संकल्प दिलाया था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के आव्हान और स्वच्छता अभियान से हम सभी को गली-चौराहे, मोहल्ले, स्कूल, कार्यालय, सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरणा मिली। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, सांसद संतोष पाण्डेय विशेष रूप से उपस्थित थे। इस अवसर पर 32 करोड़ 7 लाख 60 हजार रूपए की लागत वाले 35 कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित होने वाले हितग्राहियों को सामग्री वितरित की गई। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि स्वच्छता को हमें अपनी आदत में शामिल करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि धमतरी जिले के ग्राम कोटाभर्री की 106 वर्षीय श्रीमती कुंवर बाई ने बकरी की ब्रिकी कर शौचालय का निर्माण कराया और वे देश एवं प्रदेश के लिए मिसाल बन गई। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि जल ही जीवन है, इस बात को ग्रामीणों से ज्यादा अच्छे से कोई नहीं जानता है। पीने के पानी की चिंता, खेत के पानी के लिए चिंता होती है। इसके लिए जिले में जल संरक्षण के लिए एक अभियान के रूप में कार्य किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री विजय शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय सरकार की पहली कैबिनेट बैठक में 18 लाख से अधिक परिवारों के आवास निर्माण की स्वीकृति दी गई थी। पूरे प्रदेश में अब तक 9 लाख 37 हजार प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवासों के निर्माण के लिए राशि जारी की गई है। 90 हजार प्रधानमंत्री आवासों की स्वीकृति प्रक्रियाधीन है।

वीडियो का प्रस्तुतीकरण : कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा स्वच्छ भारत मिशन पर वीडियो का प्रस्तुतीकरण दिया गया। इस अवसर पर सूची एप एवं जल प्रबंधन एप की लॉन्चिंग और एफएक्यू बुकलेट एवं एक कदम जल प्रबंधन की ओर बुकलेट का विमोचन किया गया। जिला प्रशासन राजनांदगांव द्वारा स्वच्छता ही सेवा पर वीडियो प्रस्तुतीकरण दिया गया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल द्वारा फिकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट बघेरा का वीडियो के माध्यम से लोकार्पण किया गया।

जल संरक्षण को...

संरक्षण तथा जल आपूर्ति के कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण का यह सामूहिक प्रयास प्रदेश के लिए नया मॉडल बनेगा। इसके तहत बारिश के पानी को रोक कर भू-जल स्तर को बेहतर बनाने का काम किया जा रहा है। इस अभियान से राजस्थान, मध्यप्रदेश एवं अन्य राज्य भी जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति महात्मा गांधी ने कहा था कि स्वतंत्रता के साथ ही स्वच्छता भी जरूरी है।

दुगाईगुड़ा पोटाकेबिन के छात्र...

शौच के बाद छात्र की अचानक तबीयत खराब हो गयी। जिसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया जहां डॉक्टर ने छात्र को मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि छात्र राजेश को एक दिन पहले भी इलाज के लिए आवापल्ली के अस्पताल में लेकर गये थे। इधर पीएम के बाद छात्र के शव को परिजनों को सौंप दिया गया है। छात्र की मौत के बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। बीएमओ आवापल्ली ने बताया कि छात्र के शव का पीएम कर परिजनों को सौंप दिया गया है। पीएम रिपोर्ट के बाद मौत के कारणों का पता चल पायेगा।

राशिफल

मेष — किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकता है। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। भाग-दौड़ अधिक रहेगी।

वृष — बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं। परिवार से दूर रहना पड़ सकता है। अनियोजित खर्च बढ़ेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन — मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। क्रोध से बचें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।

कर्क — परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जाना हो सकता है। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ बढ़ेगी। लाभ के अवसर मिलेंगे।

सिंह — मन अशान्त रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। अफसरों का सहयोग मिलेगा। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। सफलता के योग बन रहे हैं।

कन्या — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। सुस्वादु खान-पान में रुचि बढ़ेगी। सेहत का ध्यान रखें। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी।

तुला — शैक्षिक कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। भागदौड़ अधिक रहेगी। खर्च अधिक रहेंगे। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृश्चिक — किसी पैतृक सम्पत्ति के लिए विवाद की स्थिति बन सकती है। वाहन के रख-रखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं। नए कारोबार की शुरुआत हो सकती है।

धनु — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा। लाभ के अवसर मिल सकते हैं। परिवार में सद्भाव बनाये रखें। क्रोध की अधिकता रहेगी।

मकर — मन अशान्त रहेगा। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चिकित्सीय खर्च बढ़ेंगे। भाग-दौड़ अधिक रहेगी। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

कुंभ — मन शान्त रहेगा। धार्मिक संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। जीवनसाथी के परिवार के किसी बुजुर्ग से धन की प्राप्ति हो सकती है।

मीन — संयत रहें। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। परिवार के साथ यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। नए कारोबार की शुरुआत हो सकती है।

शब्द पहेली - 5647

बाएँ से दाए
1. धरोहर, थाती-4
5. अकबर के नवरत्नों में से एक-4
8. गुणगान-3
9. प्रेम (अंग्रेजी-2)
11. भरोसा, विश्वास-3
12. दुःख, परेशानी, कष्ट-4
14. हिंदू कैलेंडर में एक माह-2
15. गागर, घड़ा-3
17. जांघ-2
19. असावधान-5
22. करतूत, होशियारी-5
25. डूबा हुआ, समाप्त-2
26. तीक्ष्ण, तेज-3
27. अधर्म, अपकृत्य-2
28. मनमौजी, चंचल-4
30. हत्या, वध-3
31. पंख-2
33. मायका-3
35. व्यापार, व्यवसाय (उर्दू-4)
36. कृपा, रहम (उर्दू-4)

ऊपर से नीचे
2. फूलों का हार-2
3. वेश्या, कोठे पर नाचनेवाली-4
4. शांति, सुख-चैन-3,2
5. अस्वस्थ, मरीज-3
6. दम, ताकत-2
7. भगवान राम के पुत्र-2,2
10. उन्मत, मदमस्त-4
13. दिलीप कुमार व वैजयंती माला की फिल्म (3)
16. बोलने का तरीका-3
17. रास्ता-2
18. पराया-2
20. परीक्षा-3
21. वचन-2
22. खेती-2
23. अभिमान-3
24. फिल्म 'मैंने प्यार किया' मैं सलमान खान की मां-2,2
25. बलपूर्वक उठा ले जाना-5
26. ईश्वर, राजा-4
28. मन को अच्छा लगने वाला-4
29. शाप से पीड़ित-3
32. अवकाश, मंजूरी-2
34. संध्या-2

शब्द पहेली- 5646 का हल

■	रा	ज	कु	मा	र	■	म	नो	ह	र
दौ	र	■	ली	■	ख	न	न	■	र	वा
ल	■	जा	न	व	र	■	न	ल	■	य
त	न	य	■	■	खा	र	■	की	म	त
खा	■	दा	■	ना	व	■	ड	■	दा	■
ना	र	द	मु	नी	■	प	र	व	री	श
■	फ्ता	■	ख	■	स	द	■	र्थ	■	क
भ	र	ना	■	स	भा	■	■	मा	हि	र
या	■	का	का	■	भ	द्दा	प	न	■	कं
न	न	■	त	ना	व	■	ह	■	दा	द
क	म	जो	र	■	न	ग	र	वा	सी	■

सूडोकु नवताल - 5658

***** कठिनतम

				6	8	5		
	1						2	
		2						8
			4					9
6				5				1
2					3			
5						3		
	8						6	
		4	9	1				

MANGA, SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5657 का हल

2	4	6	7	9	3	5	8	1
3	1	5	2	8	6	4	7	9
7	8	6	1	5	4	2	3	6
6	5	7	9	3	8	1	4	2
9	3	1	4	7	2	8	6	5
4	2	8	6	1	5	7	9	3
1	9	2	3	4	7	6	5	8
5	7	3	8	6	1	9	2	4
8	6	4	5	2	9	3	1	7

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रायपुर, रविवार 29 सितंबर 2024

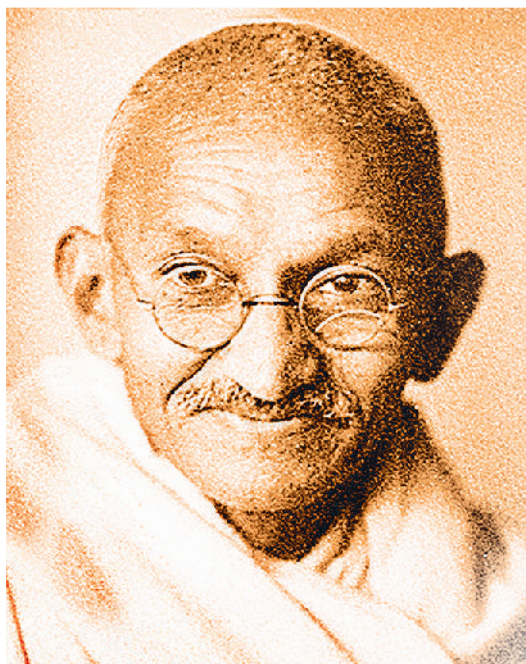

गांधी जयंती विशेष, 2 अक्टूबर

वैसे तो गांधीजी की वैश्विक प्रतिष्ठा एक ऐसे नेता के रूप में व्याप्त है, जिन्होंने भारत को ब्रिटिश गुलामी से मुक्त कराने के लिए अपना जीवन अर्पित कर दिया। लेकिन इसके साथ ही उनके व्यक्तित्व में कई ऐसे गुण भी मौजूद थे, जो उन्हें असाधारण और महापुरुष सिद्ध करते हैं। उनके ऐसे ही कुछ गुणों को आत्मसात कर भारत की युवा पीढ़ी, ना केवल अपना जीवन बल्कि देश-समाज की दिशा भी बदल सकती है।

युवा पीढ़ी के पथ-प्रदर्शक गांधीजी के जीवन-मूल्य

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

भले भारत आज दुनिया के नक्शे में एक महत्वपूर्ण राजनीतिक, आर्थिक और कूटनीतिक ताकत रखने वाला देश हो, लेकिन यह कहना कतई अतिशयोक्ति नहीं होगी कि भारत को दुनिया में इन उपलब्धियों के साथ ही गांधीजी के देश के रूप में भी जाना जाता है।

बन गए देश की पहचान

भले हम हिंदुस्तानी राजनीति में या रोजमर्रा के जीवन में गांधीजी के आदर्शों पर ना चलकर सिर्फ उनका ढिंढोरा अधिक पीटते हों, लेकिन यह सच्चाई है कि आज दुनिया में अगर 20वीं सदी की किसी शख्सियत को सर्वाधिक सम्मान दिया जाता है, तो वह महात्मा गांधी ही हैं। यह अकारण नहीं है कि 1982 में रिचर्ड एटनबरो की फिल्म 'गांधी' के प्रदर्शित होने के बाद पश्चिमी देशों में, विशेषकर ब्रिटेन में युवाओं के बीच खादी का जबर्दस्त चलन बढ़ गया था। दुनिया के 150 से भी ज्यादा देशों में अगर किसी एक राजनेता की मूर्तियां लगी हुई हैं, तो वह अकेले गांधीजी ही हैं। गांधीजी और कार्ल मार्क्स दुनिया की दो ऐसी शख्सियतें हैं, जिनकी सबसे ज्यादा जीवनियां प्रकाशित हुई हैं। इस सदी के बाद 20वीं सदी की कुछ गिनी-चुनी शख्सियतें ही याद रखी जाएंगी और जो याद रखी जाएंगी, उनमें गांधी सबसे प्रमुख होंगे।

पूरी दुनिया में मिली प्रतिष्ठा

वास्तव में गांधीजी ना सिर्फ हमारी आजादी की लड़ाई के सबसे प्रासंगिक राजनेता थे, स्वतंत्रता सेनानी थे बल्कि आज भी भारत की सबसे बड़ी पहचान वाले महापुरुष माने जाते हैं। इस समय दुनिया के सारे लोकतांत्रिक देशों में जिस एक राजनेता को सबसे ज्यादा उद्धृत किया जाता है, वह कोई और नहीं, महात्मा गांधी ही हैं। अमेरिका में तो जैसे राजनेताओं के बीच होड़ लगी रहती है कि गांधीजी को कितना ज्यादा उद्धृत किया जाए। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा तो अब राष्ट्रपति भी नहीं हैं, फिर भी वे अपने संबोधनों में सबसे ज्यादा अगर किसी वैश्विक शख्सियत को याद करते हैं, तो वह गांधीजी हैं।

बहुत कुछ सीख सकती है युवा पीढ़ी

आमतौर पर माना जाता है कि बड़े से बड़े राजनेता, दो पीढ़ी के बाद अप्रासंगिक हो जाते हैं। लेकिन गांधीजी ऐसी अद्वितीय शख्सियत हैं, जिनके इस दुनिया से गुजरने के पांच पीढ़ियों के बाद आज भी प्रासंगिकता में कोई कमी नहीं आई है। 20वीं सदी के सबसे महान भारतीय से वर्तमान 21वीं सदी की महत्वाकांक्षी पीढ़ी भी बहुत कुछ सीख सकती है। एक यह भी याद रखने की बात है कि गांधीजी से सीखना, सबसे सरल है। भले शुरू में लगे कि यह बहुत कठिन है। बहरहाल, आइए जानें कि युवा पीढ़ी वो कौन-से महत्वपूर्ण गुण या जीवन-मूल्य हैं, जो गांधीजी से सीख सकती है।

सच्चाई-ईमानदारी: सबसे पहली बात जो आज के युवा गांधीजी से सीख सकते हैं, वो यही है कि जीवन में सच्चे और ईमानदार रहें। यह एक ऐसा बुनियादी सच है, जिसके बारे में कहना चाहिए कि इसे सीखना कोई रॉकेट साइंस नहीं है। लेकिन सच्चाई यह भी है कि इस साधारण सी बात को सीखना कई बार बहुत कठिन लगता है, क्योंकि ईमानदारी से जीवन जीना आसान तो है, लेकिन इसको अपनी आदत बना लेना बहुत मुश्किल है। दरअसल, जब हम ईमानदार और सच्चे बनते हैं, तो दुनिया के ज्यादातर लोग या तो हमारे विरोध में होते हैं या हमारे लिए बाधाएं खड़ी कर रहे होते हैं। लेकिन यह भी सच है कि जब ईमानदारी और सच्चाई हमारी जिंदगी का अभिन्न हिस्सा बन जाती है तो हर कोई हमारे पीछे आता है।

अहिंसा: गांधीजी अहिंसा की सिर्फ बात ही नहीं कहते थे बल्कि अपने व्यावहारिक जीवन के जरिए अहिंसा के सिद्धांत को जीते थे। इसलिए अगर गांधीजी के प्रति आज का युवा वाकई श्रद्धा व्यक्त करना चाहता है तो उसे अहिंसक बनना ही चाहिए। अहिंसा दुनिया को एक बेहतर जगह बनाने का सबसे अच्छा दर्शन है, क्योंकि जिस चीज को हम अहिंसा के जरिए नहीं पा सकते, उस चीज को हम किसी भी दूसरे जरिए से नहीं पा सकते। अहिंसा का मतलब सिर्फ जीवों की हत्या ना करना ही नहीं है बल्कि अहिंसा का एक अर्थ हर मामूली से मामूली व्यक्ति और उसके अस्तित्व को स्वीकार करना भी है। जब हम दूसरे के अस्तित्व को स्वीकारते हैं, तो हम अहिंसक हो जाते हैं।

क्षमाशीलता-दृढ़ता: क्षमाशील और दृढ़ रहना, दो ऐसे विचार हैं, जो हर युवा को गांधीजी से सीखने चाहिए। गांधीजी मानते थे कि अगर हम किसी को दिल से क्षमा कर देते हैं तो बड़े से बड़ा जख्म भी भर जाता है और अगर हम किसी को क्षमा नहीं करते तो संतोष पाने का कोई जरिया नहीं है। जब हम दूसरों को क्षमा करते हैं तो अपने अंदर के क्रोध और घृणा जैसे दुर्गुणों से भी मुक्ति पा लेते हैं। इसी क्रम में अपने सिद्धांत पर दृढ़ रहना या सच के साथ दृढ़ता से खड़े रहना भी किसी इंसान का सबसे मजबूत चरित्र होता है। एक बार किसी इंसान में यह चारित्रिक दृढ़ता आ जाए तो फिर उसे दुनिया की कोई ताकत ना तो हरा सकती है, ना डरा सकती है। गांधीजी की सबसे बड़ी ताकत अपने सिद्धांतों पर दृढ़ता से अडिग रहना ही था। अंग्रेज किसी भी तरह गांधीजी को उनके दृढ़ विचारों से डिगा नहीं पाते थे।

सरलता-दयालुता-विनम्रता: सरल, दयालु और विनम्र होना, ये तीन ऐसे महान गुण हैं, जो आज की युवा पीढ़ी को गांधीजी से जरूर सीखने चाहिए, क्योंकि ये गुण किसी भी व्यक्ति को सामान्य इंसान से महापुरुष बना देते हैं। वास्तव में सरल होना कम जानकार होना या बेवकूफ होना नहीं है। सरल होने का मतलब इतना सहज होना है कि कोई भी बिना पूर्वाग्रह के आपके साथ सहजता से मुखातिब हो सके। आज विज्ञान भी यही कहता है कि सरल होना व्यक्तित्व संबंधी सबसे बड़ी विशेषता है। अगर हम सरल हैं तो हर कोई हमसे अपनी बात कह सकता है और हम बिना किसी अन्य माध्यम से लोगों को सीधे जान सकते हैं। दयालु होना कमजोर होना नहीं है, ना भावनात्मक रूप से और ना ही सैद्धांतिक रूप से भी, बल्कि दयालु होने का मतलब है दूसरों की परवाह करना, दूसरों का सम्मान करना। आज की युवा पीढ़ी गांधीजी से दयालु होने का गुण भी सीख सकती है, क्योंकि वह सबके प्रति दयालु रहते थे। अंत में जिस एक और गुण को आज की पीढ़ी को हर हाल में गांधीजी से सीखना चाहिए, वह गुण विनम्रता का है। गांधीजी बेहद दृढ़ और अपनी बातों पर हमेशा अडिग रहने वाले व्यक्ति थे। उनके जमाने के सभी ब्रिटिश उच्चाधिकारी इस बात को भली-भांति जानते थे कि अगर गांधीजी को कोई बात पसंद नहीं होगी तो वह किसी भी रूप में उसे नहीं स्वीकारेंगे। लेकिन वह ना स्वीकारने के क्रम में कभी आक्रामक नहीं होते थे। विनम्रता किसी इंसान को ही नहीं बल्कि किसी व्यवस्था को भी बदलने के लिए मजबूर कर देती है, जैसे गांधीजी ने विनम्र रहकर अंग्रेजों को हार मानने के लिए मजबूर किया।

लब्बोलुआब यह कि आज की युवा पीढ़ी अगर वाकई गांधीजी के प्रति सम्मान रखती है, उनके प्रति श्रद्धा रखती है, तो उसे गांधीजी के उपर्युक्त विचार और जीवन मूल्यों को आत्मसात करना चाहिए। यह गांधीजी के प्रति उनकी सबसे बड़ी श्रद्धांजलि होगी ही, इससे उनके जीवन का भी कायाकल्प हो जाएगा। *

जीवनशैली
राजयोगी बीके निकुंज जी

चिंतामुक्त-प्रफुल्लता से बीतेगी जीवन की संध्या

आमतौर पर वृद्धावस्था में लोग शारीरिक असमर्थता के साथ अनेक तरह की चिंताओं से ग्रस्त हो जाते हैं। जबकि संतुलित जीवनशैली और दृष्टि से इनसे मुक्त रहा जा सकता है। बुजुर्ग दिवस (1 अक्टूबर) के अवसर पर आप भी जानिए, चिंतामुक्त वृद्धावस्था जीने के लिए कैसी अपनाएं जीवनशैली?

हम सभी इस तथ्य से अच्छी तरह से परिचित हैं कि संसार के प्रत्येक जीव की जीवनयात्रा में वृद्धावस्था एक आवश्यक पड़ाव है। जिसने जन्म लिया है, समय के साथ-साथ उसके शरीर का विकास भी अवश्य होगा और आयु बढ़ने के साथ-साथ शारीरिक क्षमताओं का ह्रास प्रारंभ होगा और वृद्धावस्था भी जरूर आएगी। यह सब कुछ जानते हुए भी ऐसा देखा जाता है कि संसार के अधिकांश लोग बुढ़ापे के नाम से ही घबराते हैं। सवाल है ऐसा क्यों?

इसलिए बुढ़ापे से डरते हैं लोग: बुढ़ापे के नाम से वे लोग भयभीत होते हैं, जो मानसिक रूप से खुद को इसके लिए तैयार नहीं करते हैं। जीवन को यात्रा कहा जाता है। कोई भी व्यक्ति जब यात्रा के अंतिम पड़ाव पर पहुंचता है तो वह प्रसन्नता का अनुभव करता है, लेकिन आज की परिस्थिति में यात्रा का अंतिम पड़ाव यदि दुखदायी है तो हमें उसके कारणों को समझना होगा। वास्तव में, हर प्रकार की यात्रा की पूर्व तैयारी हमें बहुत पहले से ही करनी पड़ती है, क्योंकि बिना तैयारी के यात्रा कठिन हो जाती है। इसीलिए जीवन यात्रा की मानसिक तैयारी भी हमें बाल्यकाल से ही करनी चाहिए।

मन को बनाएं मजबूत: यदि हमारी मनोभूमि शक्तिशाली है तो हमें हर बात अनुकूल दिखाई देती है, पर यदि मनोभूमि कमजोर हो तो हर बात प्रतिकूल नजर आती है। तभी तो हम देखते हैं कि आजकल कुछ 70-80 साल के बुजुर्ग बड़े ही उमंग और उत्साह के साथ दौड़-भाग कर लेते हैं तो वहीं 30-40 साल के कुछ युवा घुटनों के दर्द से पीड़ित रहते हैं। शायद इसीलिए कुछ हृदय रोग के विशेषज्ञ मरीजों को यह कहते हैं कि झुर्रियां हमारे माथे पर पड़नी ही हैं तो भी उन्हें हृदय पर मत पड़ने दो। अतः मन और हृदय को खुश और शक्तिशाली रखेंगे तो बढ़ती उम्र का आपके ऊपर कोई असर नहीं होगा।

आत्मा नहीं होती बूढ़ी: आध्यात्मिक सिद्धांतों के अनुसार आत्मा ना कभी बूढ़ी होती है और ना जवान। दर्पण में जिस आवरण को हम प्रतिदिन देखते हैं, समय बीतने के साथ उसे तो घिसना ही है। लेकिन इस आवरण को धारण करने वाली चैतन्य शक्ति आत्मा जो है, वह वैसी की वैसी ही रहती है, जैसी कि गर्भ-प्रवेश के समय होती है। तो फिर बुढ़ापा कैसा और किस बात का? व्यावहारिक रूप से देखा जाए तो जो व्यक्ति थकान, निराशा और खीज अनुभव करता है, वास्तव में वह बूढ़ा है, फिर भले ही वह आयु की दृष्टि से जवान क्यों ना हो। जिसमें आशा, उत्साह, हिम्मत मौजूद है वही जवान है।

अपने जीवनकाल में जिसने भी अपनी आदतें, इच्छाएं और गतिविधियां ऊंचे स्तर की रखी, उन्हें कभी ऐसा बुढ़ापा नहीं देखना पड़ता, जो तकलीफ दे। हमारे समक्ष ऐसे अनेक संत-महात्माओं के उदाहरण हैं, जिन्होंने शारीरिक अस्वस्थता के चलते हुए भी कभी अपने को असहाय वृद्ध नहीं समझा और अंत समय तक वे पूरी लगन के साथ अपनी साधना एवं समाज के उत्थान के कार्य में लगे रहे।

अपनाएं ऐसी जीवनदृष्टि: प्रसिद्ध दार्शनिक सुकरात ने एक बार एक वृद्ध से उनके प्रसन्न-चिंतामुक्त व्यक्तिगत जीवन के रहस्य के बारे में पूछा तो उस वृद्ध व्यक्ति ने जवाब दिया, 'मैं अपना पारिवारिक उत्तरदायित्व अपने पुत्रों को देकर निश्चिंत हूं। वे जो कहते हैं, कर देता हूं, जो खिलाते हैं, खा लेता हूं और अपने पौत्र-पौत्रियों के साथ हंसता-खेलता रहता हूं। बच्चे कुछ भूल करते हैं तो भी चुप रहता हूं। मैं उनके किसी कार्य में बाधक नहीं बनता। पर जब कभी वे परामर्श लेने आते हैं, तब मैं अपने जीवन के सारे अनुभवों को उनके सामने रखकर, जीवन में की हुई भूल से उत्पन्न दुष्परिणामों की ओर से उन्हें सचेत कर देता हूं। वे मेरी सलाह पर कितना चलते हैं, यह देखना और अपना मस्तिष्क खराब करना मेरा काम नहीं है। वे मेरे निर्देशों पर ही चलें, यह अपेक्षा भी मैं नहीं रखता। परामर्श देने के बाद भी यदि वे भूल करते हैं तो भी मैं चिंतित नहीं होता। उस पर भी यदि वे पुनः मेरे पास आते हैं तो मेरा द्वार सदैव उनके लिए खुला रहता है। मैं पुनः उचित सलाह देकर उन्हें विदा करता हूं।' अब ऐसी उदार दृष्टि जिन वृद्धजनों की हो तो वे ना तो समाज पर बोझ बनते हैं और ना अपने परिवार पर।

जीवन के हर क्षण का करें सदुपयोग: क्रियाशीलता की दृष्टि से मानव जीवन का पूर्वार्द्ध स्वयं और परिवार के लिए निर्धारित होता है लेकिन उत्तरार्ध में अपने को ध्यान, साधना, परोपकार के लिए तैयार कर लेना आवश्यक है। बड़ी होती संतान को उसके कर्त्तव्यों से परिचित करवाते हुए स्वयं को दीन-दुखियों की सेवा, सहायता, ज्ञान, सदाचार, सद्भावों में व्यस्त कर लेना चाहिए। किसी महान चिंतक ने लिखा है कि परमात्मा हम सबको हर रोज सोने के सिक्के की तरह खनकता हुआ एक दिन देते हैं और दुनिया रूपी बाजार में इसे खर्च करके इसके बदले अथाह प्राप्तियां करने का सुअवसर देते हैं। कोई इस सिक्के से कूड़ा खरीदता है। कोई इस तरह खर्च करता है कि भाग्य की लकीर चमक जाती है। अब यह तो हम पर निर्भर करता है कि हम अपने इस अनमोल जीवन को कैसे जिएं-मन से बूढ़े होकर या मन से सदैव युवा बनकर। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

यथार्थ को उकेरती मार्मिक कहानियां

हाल में वरिष्ठ कथाकार गोविंद उपाध्याय का नया कहानी संग्रह 'बीच सफर में' छपकर आया है। इसमें कुल जमा पंद्रह कहानियां संकलित हैं। इन कहानियों का मिजाज भी बिल्कुल वैसा ही है, जिस तरह की कहानियां लिखने के लिए गोविंद उपाध्याय पहचाने जाते हैं। आम आदमी का अंतहीन जीवन संघर्ष, रिश्तों की बारीक बुनावट में उलझा लाचार मन, नियति के आगे बेबस और भावनात्मक उद्वेलन से अपने अंतस को बार-बार जख्मी करने का अभिशाप भोगते इंसान की दारुण व्यथा को वे पूरी मार्मिकता से अपनी कहानियों में उकेरते हैं। कथानक, परिवेश और पात्रों के अनुसार भाषा का सटीक चयन करने में कथाकार को महारत हासिल है। इसकी बानगी भी लगभग हर कहानी में देखी जा सकती है। कहना चाहिए कि इन कहानियों में हम अपने आस-पास के मध्यवर्गीय जीवन की श्याम-श्वेत छवियों से रूबरू हो सकते हैं। *

पुस्तक: बीच सफर में (कहानी संग्रह),
लेखक: गोविंद उपाध्याय, मूल्य: 250 रुपए,
प्रकाशक: भारत पुस्तक भंडार, नई दिल्ली

कहानी / भगवती प्रसाद गेहलोत

वृद्धावस्था में वैसे भी दुश्वारियां कम नहीं होतीं। अगर अपनी ही संतान बेगाना व्यवहार करे तो जीवन एक बोझ सा लगने लगता है। लेकिन साथ देने वाले लोग मिल जाएं तो उम्मीदों का नया सवेरा हो जाता है। वृद्धावस्था पर केंद्रित कहानी।

पेंशनर

बहुत दिनों तक सदानंदजी नहीं मिले तो अशोकजी ने उन्हें फोन करके पूछा, 'क्या हाल-चाल हैं सदानंदजी। आजकल डे केयर सेंटर पर नहीं आ रहे हैं?'

'क्या बताऊं यार, थोड़ा बीमार क्या हो गया कि भगवान भरोसे हो गया। अब डे केयर सेंटर पर टैंपो से आने के लिए मेरे पास दस रुपए तो क्या, एक फूटी कौड़ी नहीं है।'

अशोकजी चौंके, 'क्यों, आपको तो अच्छी-खासी पेंशन मिल रही है?' 'क्या खाक मिल रही है पेंशन।' सदानंद खीझे स्वर में बोले। अशोकजी बोले, 'क्यों, एटीएम कार्ड तो आपके पास है।'

'एटीएम ही तो मेरे पास नहीं है। दाढ़ी बनवाने तक के पैसे मेरे पास नहीं हैं। ये तो कहो कि बेटे-बहू अभी घर में नहीं हैं, इसलिए बात भी कर रहा हूं, नहीं तो किसी से बात करने के भी लाले पड़ जाते हैं। फोन भी मेरे पास नहीं रहता!' सदानंदजी बुझी आवाज में बोले। 'क्यों एटीएम कार्ड कहां गया?' अशोकजी ने पूछा।

'वह तो बेटे ने छीन लिया है। हर महीने पेंशन के सब पैसे वही निकाल लेता है। मुझे एक पैसा भी नहीं देता। पता नहीं मेरे खाते में पैसे हैं भी या नहीं?' सदानंदजी की आवाज और बुझ गई। 'इतने असहाय कैसे हो गए?' अशोकजी को सदानंदजी की बातें बड़ी अजीब सी लग रही थीं। 'क्या करूं, पत्नी के मरने के बाद अकेला-सा हो गया था, बहुत ही हताश-निराश रहता। एटीएम बेटे को दे दिया था। दो-तीन महीने तो सब कुछ ठीक चलता रहा, उसके बाद तो बेटे-बहू का व्यवहार बहुत बदल गया। बाहर कहीं ज्यादा निकलने नहीं देते, ना किसी से बात करने देते हैं। किसी से बात करता हुआ दिख जाता हूं तो झट कोई ना कोई बहाना कर बुला लेते हैं। अब तो खर्चे के लिए एक पैसा भी नहीं देते।' सदानंदजी ने अपनी व्यथा सुनाई। 'अच्छा, जरा अपने लड़के का मोबाइल नंबर भेजिएगा।' अशोकजी को यह सुनकर गुस्सा आ रहा था।

तभी पास खड़े जगदीशजी बोले, 'ऐसे लड़के के लिए तो तुरंत पुलिस से कार्यवाही करने के लिए कहना चाहिए।'

'नहीं भाई, पहले समझाने से ही सदानंद का लड़का समझ जाता है तो फिर कानूनी कार्यवाही की क्या जरूरत?' अशोकजी की बात समाप्त हुई ही थी कि उनके फोन पर सदानंदजी ने अपने बेटे का फोन नंबर भेज दिया था। अशोकजी ने तुरंत सदानंद के बेटे को फोन लगाया, 'हेलो.. कौन, कनक बोल रहे हैं।' 'हां मैं ही बोल रहा हूं।' उधर से आवाज आई। 'क्या हाल-चाल है, सब ठीक-ठाक तो है?' सदानंदजी ने पूछा। 'हां ठीक-ठाक है।' कनक ने जवाब तो दिया लेकिन ठीक-ठाक शब्द उखड़ा हुआ-सा लगा। अशोकजी ने पूछा, 'क्या सदानंदजी घर पर हैं?' 'आप क्यों पूछ रहे हैं?' कनक ने जानना चाहा। 'कनक बेटा, हम सब नौ-दस वृद्धजन तुम्हारे पिताजी से मिलने आ रहे हैं।' अशोकजी ने बेहिचक कहा।

'नहीं अभी तो मैं अपनी दुकान पर जा रहा हूं। फिर कभी आइएगा।' कनक हड़बड़ाते हुए बोला। 'नहीं, हम तो अभी मिलने आ रहे हैं। कल को इतने जने इकट्ठे हो पाएं या ना हो पाएं, कुछ पता नहीं। केवल सदानंदजी के दर्शन भर करना है। सदानंदजी हमारे मित्र हैं, उनसे फोन पर हमारी बात भी नहीं हो रही है। उन्हें फोन दो जरा।' अशोकजी अड़ गए। 'नहीं अभी वह यहां नहीं हैं, घूमने गए हैं।' कनक की हड़बड़ाहट बनी हुई थी। 'अभी जब आपसे फोन पर बात चल रही थी, तब पीछे से खांसते-खांसते आवाज आ रही थी कि बेटा कौन बात कर रहा है, मुझसे भी बात कराओ। इसका मतलब सदानंदजी घर पर हैं। अगर वह घर पर नहीं भी होंगे तो हम उनका इंतजार कर लेंगे। हम लोग आ रहे हैं, ताला लगाकर कहीं चले मत जाना।' यह कहकर अशोकजी ने फोन रख दिया। तुरंत ही अपने चार-पांच वद्धजनों के साथ सदानंदजी के घर पहुंच गए। आवाज लगाई, कनक बाहर आया। अछताते-पछताते घर के भीतर ले गया। सदानंदजी ने हाथ जोड़कर सबका अभिवादन किया। उन्हें देख अशोकजी और उनके साथी एकदम से बोल पड़े, 'यह क्या हाल बना रखा है सदानंद? पेंशन के पैसे अपने ऊपर भी तो खर्च किया करो। दाढ़ी-बाल बनवा कर अप-टू-डेट रहा करो ना यार।'

'कैसे अप-टू-डेट रहूं, पैसे ही तो नहीं हैं मेरे पास।' सदानंद ने मजबूरी बताई। 'क्यों क्या एटीएम कार्ड नहीं है, आपके पास।' अशोकजी ने कनक की ओर देखते हुए पूछा।

'एटीएम कार्ड तो बेटे ने ले लिया है। खर्चे के पैसे तो दूर दाढ़ी बनवाने के पैसे तक नहीं देता है।' सदानंद दुखी स्वर में बोले।

कनक की ओर देखते अशोकजी ने उससे पूछा, 'क्यों कनक बाबू, यह आपके पिताजी क्या कह रहे हैं? इनका ध्यान रखा करो भाई, तुम्हारे पिता हैं!' 'यह क्या करेंगे एटीएम कार्ड का, कहीं गुम-गुमा देंगे तो और परेशानी बढ़ जाएगी। घर में इनको खाना-पानी, कपड़े-लत्ते पहनने को दे तो रहे हैं, इनको और क्या चाहिए?' तुनक कर कनक बोला। यह सुन अशोकजी को गुस्सा आ गया, बोले, 'यह तुम क्या कह रहे हो, जिसके कारण तुम इतने बड़े होकर अपने पैरों पर खड़े हो। यह तीन मंजिला मकान खड़ा है, तुम्हारी शादी की, कमाई के लिए दुकान खड़ी की है। उसके लिए तुम ऐसा कह रहे हो?' 'तो क्या हुआ, यह तो सभी माता-पिता करते हैं।' कनक उखड़े स्वर में बोला। 'हां करते हैं किंतु इनकी पेंशन कोई तुम्हारा पैसा नहीं है, जिसे तुम हड़प लो, तुमने इनका एटीएम कार्ड भी रख लिया। यह तो बहुत गलत बात है। सरकार व्यक्ति को पेंशन इसलिए देती है कि वह भली प्रकार अपना शेष जीवन जी सके। किसी के भरोसे या दया पर निर्भर ना रहे। उसकी पेंशन पर उसका ही अधिकार है, किसी अन्य का नहीं।' अशोकजी आक्रोश के साथ बोले। साथ आए एक और वृद्ध रतन लाल बोले, 'अगर कोर्ट में चले गए तो यह तीन मंजिला मकान और सारा सामान जो सदानंदजी ने जोड़ा है, इसे छोड़कर एक ही झटके में तुम्हें बाहर कर दिया जाएगा, तुम सड़क पर आ जाओगे।' अशोकजी ने रतन लाल जी को रोका और बोले, 'इसकी नौबत नहीं आएगी, कनक समझ जाएगा। शहर के पेंशनर संगठन के सदस्य सदानंदजी के साथ हैं।' कुछ रुक कर कनक की ओर रुख कर अशोकजी आगे बोले, 'क्यों बेटा कनक, एटीएम कार्ड अपने पिता को दोगे ना, उन्हें सम्मान के साथ रखोगे ना?' कनक ने अपनी जेब से तुरंत एटीएम कार्ड निकाल कर अपने पिताजी के हाथ पर रख दिया। इतना ही नहीं, दोनों कान पकड़ पिता के चरणों में झुक माफी भी मांगी। अपने यहां आए सभी वरिष्ठ पेंशनरों के सामने कान पकड़ कर बोला, 'आज के बाद मेरी ओर से आपको कोई शिकायत नहीं होगी। मैं लालच में भटक गया था।' 'अरे बेटा, यह सब तो तुम्हारा ही है। मैं तुम्हारी कुछ ना कुछ पैसे से मदद करता रहूंगा। लेकिन अपना पैसा मैं खर्च कर सकूं, इतना अधिकार तो मेरा है ही।' सदानंदजी बेटे के सिर पर हाथ रख कर बोले। वहां आए सभी वृद्धजनों ने कनक की पीठ थपथपाई और प्रसन्न चित्त भाव से बोले, 'सुबह का भूला शाम को घर लौट आता है तो उसे भूला नहीं कहते।' इसके बाद सब वृद्धजनों ने दोनों के हाथ जोड़ कहा, 'अब हम चलते हैं।' कनक ने सबको रोका, उसकी पत्नी भीतर से चाय-नाश्ता लेकर लाई। सबने प्रसन्नता से चाय नाश्ता किया और विदा ली।

एक सप्ताह बाद फिर पेंशनर संगठन के अध्यक्ष अशोकजी ने सदानंदजी को फोन लगाया, हाल-चाल पूछा तो उन्होंने उत्तर दिया, 'अब सब अच्छा चल रहा है। मैं आप सबसे मिलने आऊंगा। अब मुझे कोई परेशानी नहीं, एटीएम कार्ड मेरे पास ही है। अपनी पेंशन का उपयोग अपने लिए कर रहा हूं और बेटे को भी सहयोग कर रहा हूं।' *

तरकश

संजय के. दीक्षित

कैबिनेट में नए मंत्री?

नगरीय निकाय चुनाव के बाद ही विष्णुदेव साय कैबिनेट में दो नए मंत्रियों की इंट्री होगी, यह धारणा पलट भी सकती है। बीजेपी के अंदरखाने में इस बात पर मंथन चल रहा कि इलेक्शन से पहले नए मंत्रियों को कैबिनेट में शामिल करना कितना फायदेमंद होगा। दरअसल, मंत्रियों पर विभागों का लोड काफी बढ़ गया है। राज्य बनने के बाद कैबिनेट में कभी भी एक से अधिक सीटें खाली नहीं रहीं। 12 मंत्रियों के कोटे वाले छत्तीसगढ़ में इस समय दो मंत्रियों की जगह खाली है। याने लगभग 17 फीसदी की वैकेंसी। इसका असर कामकाज पर पड़ रहा है। राजकाज में मुख्यमंत्री को सपोर्ट करने के लिए केंद्रीय नेतृत्व ने दो डिप्टी सीएम का फार्मूला लाया था, वह लगभग सभी सूबों में निरर्थक ही साबित हो रहा है। वैसे भी छत्तीसगढ़ के दोनों उप मुख्यमंत्रियों का समय बहुत अच्छा नहीं चल रहा। फिर उन्हें अभी उतना तजुर्बा भी नहीं कि किसी मुश्किल घड़ी में वे सरकार के खेवनहार साबित हो सकें। उधर, दो मंत्री पेंशनधारी की तरह काम कर रहे हैं। याने दिन-दुनिया में क्या हो रहा, इसमें कोई रुचि नहीं। जैसे उमर हो जाने पर आदमी बाल-बच्चों को धंधापानी सौंप विश्राम के मोड में आ जाता है, उसी तरह की स्थिति इन दोनों मंत्रियों की है। उनके करीबी लोग विभाग संभाल रहे हैं। तीन नए मंत्री इतनी जल्दी में लगते हैं मानो पांच साल के लिए शपथ नहीं लिए हों। अलबत्ता, सामने नगरीय निकाय चुनाव है...और भूपेश बघेल जैसा हर बॉल को उठाकर मारने वाला विपक्ष का नेता। ऐसे में, संगठन के कुछ गंभीर नेता जल्द मंत्रिमंडल के विस्तार के पक्ष में हैं। अब देखना है कि अंतिम फैसला क्या होता है। और होता भी है तो किसका नंबर लगता है। क्योंकि, नए से लेकर पुराने तक दर्जन भर विधायक शेरवानी सिलवाकर तैयार बैठे हैं।

बड़ी घटनाएं और राजनीति

छत्तीसगढ़ में पिछले नौ महीने में दो बड़ी घटनाएं हुई हैं। पहला बलौदा बाजार आगजनी और दूसरा कवर्धा की हिंसा। बलौदा बाजार के सामाजिक विवाद में राजनीति का तड़का पड़ा और हिंसा ने उग्र रूप ले लिया। इसी तरह का कुछ कवर्धा में हुआ...साहू समाज के तीन लोग काल के गाल में समा गए। इनमें एक पूर्व मंत्री का आदमी था तो दो लोग वर्तमान मंत्री के बेहद करीबी। पूर्व मंत्री के विश्वासप्राप्त एक ने अपनी पत्नी से दुष्कर्म की थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। आरोपी के जमानत पर छूटकर आने के बाद रिपोर्ट दर्ज कराने वाले की फांसी पर लटकी लाश मिली। इस पर भड़के ग्रामीणों ने दुष्कर्म के आरोपी के साथ उसके घर को फूंक डाला। और तीसरे साहू युवक की अग्निकांड में पुलिस की कथित पिटाई से मौत हो गई। यकीनन, बलौदा बाजार हो या फिर कवर्धा हिंसा...निश्चित तौर पर दोनों घटनाएं सूझबूझ से रोकी जा सकती थी। मगर दोनों घटनाओं को लोकल एडमिनिस्ट्रेशन ने बेहद हल्के में लिया और नेताओं ने भी।

चुनाव टाईम पर

ओबीसी आरक्षण के चक्कर में नगरीय निकाय चुनाव दो-एक महीने आगे खिसकने की चर्चाएं है। राजनीतिक पार्टियां यह मानकर चल रहीं कि जनवरी, फरवरी से पहले चुनाव संभव नहीं। मगर इस भ्रम में रहने से उन्हें नुकसान उठाना पड़ सकता है। ओबीसी कल्याण आयोग जिस गति से काम कर रहा, उससे स्पष्ट हो गया है कि न रिपोर्ट में देरी होगी और न चुनाव टलेगा। याने दिसंबर में ही वोटिंग होगी। बता दें, आयोग का सर्वे कंप्लीट हो गया है। अब कंप्यूटर में उसे फीड करने का काम चल रहा है। पिछड़ी जातियों का पूरा कैलकुलेशन करके आयोग 15 अक्टूबर तक अंतरिम रिपोर्ट सरकार को सौंप देगा। पिछले चुनाव की बात करें तो 2019 के नगरीय निकाय चुनाव की अधिसूचना 15 नवंबर को जारी हुई थी। इस बार भी इसी के आसपास चुनाव का ऐलान किया जाएगा। दिसंबर में 15 से 20 के बीच वोटिंग होगी और 31 दिसंबर से पहले रिजल्ट आ जाएगा। महापौरों का कार्यकाल 4 जनवरी 2025 को समाप्त हो रहा है। सो, राज्य निर्वाचन से जुड़े अधिकारिक सूत्रों का दावा है कि 4 जनवरी से पहले नगरीय परिषद का गठन हो जाएगा।

ओबीसी को झटका?

ओबीसी आयोग के सर्वे में पिछड़ी जातियों को आरक्षण का हल्का झटका लग सकता है। क्योंकि, इससे पहले कभी नगरीय निकाय चुनाव में ओबीसी को जनसंख्या के आधार पर आरक्षण नहीं दिया गया। इस चक्कर में बस्तर, सरगुजा जैसे इलाके जहां ओबीसी का प्रतिशत कम है, वहां भी मैदानी इलाकों की तरह उनकी 25 परसेंट सीटें मिल जाती थीं। सुप्रीम कोर्ट ने इसे गलत करार देते हुए ओबीसी के पॉपुलेशन और सामाजिक-आर्थिक आधार पर सीटें आरक्षित करने का आदेश दिया है। साथ ही कंडिशन यह भी है कि बिना ओबीसी की सीटें पुनर्निधारित किए नगरीय निकाय चुनाव न कराया जाए। इसी चक्कर में महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में चुनाव लटका हुआ है। एमपी में अभी हाल में चुनाव हुआ, मगर नए ओबीसी आरक्षण के साथ। छत्तीसगढ़ में भी दो साल पहले ओबीसी कल्याण आयोग का गठन हो जाना था। विलंब को देखते राज्य सरकार ने आरएस विश्वकर्मा जैसे रिजल्ट देने वाले रिटायर आईएएस को इसकी जिम्मेदारी सौंपी। विश्वकर्मा कमेटी ने उन आशंकाओं को निर्मूल करार दिया, जिसमें तय मानकर चला जा रहा था कि आयोग की रिपोर्ट में देरी की वजह से चुनाव आगे जाएगा। बहरहाल, बस्तर, सरगुजा जैसे इलाकों में ओबीसी की कुछ सीटें कम होंगी मगर यह भी सही है कि मैदानी इलाकों में बढ़ेंगी। वैसे जिन इलाकों में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की आबादी कम है, वहां उनकी भी सीटें कम होंगी। फिर भी ओबीसी को नुकसान थोड़ा ज्यादा होगा क्योंकि बस्तर और सरगुजा के रिमोट आदिवासी इलाकों में पिछड़ा वर्ग की आबादी बेहद कम है।

स्टार प्रचारक

सीएम विष्णुदेव साय दो दिन झारखंड के सिमडेगा में थे। सिमडेगा उनके गृह क्षेत्र कुनकुरी से लगा हुआ है। सीएम बनने से पहले से विष्णुदेव का झारखंड के सीमावर्ती इलाकों से बढ़ियां सामाजिक कनेक्शन रहा है। तभी मुख्यमंत्री को देखने के लिए सिमडेगा में ऐसी भीड़ उमड़ी कि वहां के पॉटिशियन हैरान थे। बताते हैं, पार्टी आसन्न चुनाव में इसका पूरा उपयोग करेगी। विष्णुदेव को स्टार प्रचारक बनाने वाली है। पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व को लगता है छत्तीसगढ़ से लगी झारखंड की दर्जन भर सीटों पर विष्णुदेव साय के प्रचार से पार्टी को लाभ मिल सकता है।

आईएएस पोस्टिंग

मंत्रालय में सचिव स्तर पर एक छोटी सर्जरी और होगी। वह इसलिए कि जनवरी फर्स्ट वीक में रोहित यादव छत्तीसगढ़ लौट रहे हैं। रोहित 2002 बैच के सिकरेट्री रैंक के आईएएस हैं। 2017 में वे केंद्रीय मंत्री सुरेश प्रभु के पीएस बनकर सेंट्रल डेपुटेशन पर दिल्ली गए थे। मगर बाद में उन्होंने अच्छा जंप करते हुए पहले स्टील मिनिस्ट्री में ज्वाइंट सिकरेट्री बनें...और इसके कुछ दिन बाद प्रधानमंत्री कार्यालय की पोस्टिंग। बहरहाल, पांच साल का टेन्योर कंप्लीट करने के बाद पीएमओ से वे रिलीव हो गए हैं। छत्तीसगढ़ लौटने के बाद उन्हें कोई ठीकठाक ही पोस्टिंग मिलेगी। क्योंकि, एक तो वे पीएमओ से आ रहे हैं और दूसरा वहां वे इंफ्रास्ट्रक्चर देख रहे थे। पीएमओ में इंफ्रास्ट्रक्चर को काफी महत्वपूर्ण माना जाता है।

सक्रिय राज्यपाल

छत्तीसगढ़ के नए राज्यपाल रमेन डेका सक्रियता के मामले में पहले के राज्यपालों से आगे हैं। वे खूब दौरे कर रहे हैं और प्रशासनिक अफसरों की बैठकें भी। इससे पहले आईपीएस बैकग्राउंड के पूर्व राज्यपाल नरसिम्हन राजधानी के अफसरों को समय-समय पर अवश्य बुलाकर बात करते थे मगर जिलों में कभी इतना सक्रिय नहीं रहे। हालांकि, उस समय केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी। फिर भी नरसिम्हन के चलते उस समय के सीएम डॉ0 रमन सिंह को कभी उलझन का सामना नहीं करना पड़ा। नए राज्यपाल रमेन डेका भी किसी तरह के विवादों में नहीं पड़ना चाहते। तभी बैठकों से पहले ये जरूर क्लियर कर देते हैं कि ये समीक्षा नहीं है, उनका उद्देश्य सिर्फ जानकारी लेना और प्रायरटी वाली योजनाओं को बताना है। जिला प्रशासन की बैठकों में राज्यपाल का उन्हीं मुद्दों पर जोर रहता है, जो केंद्र की टॉप प्रायरिटी वाली योजनाएं हैं। जाहिर है, राज्य सरकार को भी इससे कोई दिक्कत नहीं होगी। फिर विष्णुदेव साय जैसे सहज सीएम को तो और नहीं।

अंत में दो सवाल आपसे

1. विष्णुदेव कैबिनेट में कौन से दो मंत्री पेंशनभोगी टाईप काम कर रहे हैं?
2. इस बात में कोई सत्यता है कि प्रधानमंत्री सड़क योजना कोई ठेकेदार चला रहा है?

दीवार पर लिखा प्रताड़ना से मर रहे फिर पति-पत्नी ने लगा ली फांसी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

बुनकर सहकारी समिति का अध्यक्ष सतीश देवांगन एक दंपती को अकलतरी से लखराम ले गया, यहां सामुदायिक भवन में रहकर पति पत्नी समिति का कामकाज देखने लगे, शनिवार की सुबह पति पत्नी की फांसी पर लटकी लाश मिली, पास की दीवार पर लाल रंग से लिखा था कि सतीश की प्रताड़ना से मर रहे हैं... आत्महत्या की इस घटना से गांव में सनसनी फैल गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

■ बुनकर सहकारी समिति का अध्यक्ष काम दिलाने के लिए ले गया था

रतनपुर टीआई रजनीश सिंह ने बताया कि अकलतरी निवासी परसराम देवांगन टेलरिंग करता था। पिछले एक साल से वह अपनी पत्नी पार्वती देवांगन के साथ लखराम स्थित देवांगन समाज के सामुदायिक भवन में रह रहा था। पति पत्नी यहां पर बुनकर सहकारी समित का कामकाज देखते थे। शनिवार की सुबह गांव के लोग सामुदायिक भवन गए तो पति पत्नी की फांसी पर लटकी लाश दिखाई दी। दो लोगों की आत्महत्या की खबर से गांव में सनसनी फैल गई, घटनास्थल पर लोगों की भीड़ लग गई। सूचना मिलने पर टीआई सिंह स्टाफ के साथ मौके पर पहुंच गए। पति पत्नी की लाश फांसी से फंदे से उतारकर आसपास की जांच शुरू की गई। पुलिस को सामुदायिक भवन के अंदर दीवार पर लाल रंग से सुसाइड नोट लिखा मिला। दीवार पर लिखा था कि सतीश की प्रताड़ना से मर रहे हैं, वह समिति के मकान से निकाल रहा है। टीआई श्री सिंह ने बताया, बुनकर सहकार समिति के अध्यक्ष सतीश देवांगन एक साल पहले काम दिलाने के नाम पर पति पत्नी को यहां लेकर आया था। उनके बच्चे गांव में रह रहे है। अब दोनों को वह काम से हटाकर सामुदायिक भवन से भी हटा रहा था। सुसाइड नोट के आधार पर समिति के अध्यक्ष से पूछताछ कर मामले की जांच की जाएगी।

प्रताड़ना की बात लिखी है

पति पत्नी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया है। उन्होने दीवार पर सुसाईट नोट लिखा है जिसमें बुनकर समाज के अध्यक्ष सतीश देवांगन पर प्रताड़ना का आरोप लगाया है। उसकी हेंड राइटिंग एक्सपर्ट से जांच कराई जाएगी व परिजन का बयान दर्ज किया जाएगा। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। **अर्चना झा,** एडीशनल एसपी ग्रामीण

बिजली, पानी के लिए रुपए की मांग

मृतकों ने दीवार पर लिखा है कि अध्यक्ष सतीश देवांगन पति पत्नी को मुफ्त में रहने व बुनकरी करने के लिए लेकर आया था। यहां आने के बाद उनसे बिजली, पानी के लिए 200 रुपए ले लिया। यह भी लिखा है कि बुनकरी के काम में उन्हें गिनती के पैसा मिलता था। अध्यक्ष के द्वारा पैसा नहीं देने पर उनका गांव की दुकान में 1800 रुपए कर्जा हो गया था। रकम नहीं पटाने पर दुकानदार ने राशन सामान देना बंद कर दिया था। पैसा मांगने पर अध्यक्ष उनसे लड़ाई झगड़ा कर परेशान करता था, जिससे उन पर खाने पीने की संकट खड़ा हो गया था।

अध्यक्ष पर नहीं हुई कार्रवाई

मजेदार बात यह है कि पति पत्नी ने सामुदायिक भवन के दीवार में सामुदायिक भवन की दीवार समिति के अध्यक्ष सतीश देवांगन का नाम लिखकर उसके प्रताड़ना व आर्थिक संकट से परेशान होकर आत्महत्या करने की बात लिखी है। उसके बाद भी पुलिस ने सतीश देवांगन पर कार्रवाई की बात तो दूर उससे पूछताछ तक नहीं की है।

मोबाइल रिचार्ज के पैसे नहीं दिए तो कर दी पिता की हत्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ पत्थलगांव

मोबाइल रिचार्ज कराने के लिए रुपए नहीं दिए जाने पर पुत्र ने टांगी के पासा से मारकर अपने पिता की हत्या कर दी है। पुलिस ने आरोपी पुत्र को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थिया श्रीमती सुमति बाई उम्र 35 साल निवासी छुरीपहरी रघुनाथपुर ने थाना पत्थलगांव में रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह सैनाथ तिर्की उम्र 52 साल की दूसरी पत्नी है। पहली पत्नी की मृत्यु हो चुकी है। 26 सितंबर को शाम लगभग 04 बजे इसका पुत्र रंजीत तिर्की अपने पिता सैनाथ तिर्की से मोबाईल में रिचार्ज कराना है कहकर 600 रूपये मांगने लगा, तब इसके पिताजी पैसा नहीं है बोले तो रंजीत तिर्की उनसे लड़ाई-झगड़ा किया था। रात्रि में प्रार्थिया अपने पति सैनाथ तिर्की के साथ कमरे में थी उसी दौरान रात लगभग 9 बजे पुत्र रंजीत तिर्की कमरे में आया और बोलने लगा कि रिचार्ज के लिये पैसा दो, नहीं तो ठीक नहीं होगा, यहीं मारकर फेंक दूंगा। इसके बाद सैनाथ तिर्की ने कहा अभी पैसा नहीं है, बाद में दे दूंगा। इतने में रंजीत तिर्की आवेश में आकर हाथ, मुक्का से सैनाथ तिर्की को मारपीट करने लगा, तथा पकड़कर खींचते हुये घर के बाहर ले गया वहीं पर आंगन में रखा लोहे का टांगी से दायां कनपटी में जोर से वार किया वहां एवं खून बहने लगा। प्रार्थिया द्वारा जोर से चिल्लाते पर उसे भी हाथ, मुक्का से मारपीट किया एवं बाल को पकड़कर खींचते हुये जमीन में पटक दिया, प्रार्थिया किसी तरह वहां से भाग निकली। दूसरे दिन प्रातः में आकर देखे तो सैनाथ तिर्की की मृत्यु हो चुकी थी। प्रार्थिया के रिपोर्ट पर थाना पत्थलगांव में धारा 115(2), 351(2), 103(1) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण की विवेचना दौरान थाना पत्थलगांव द्वारा तत्परतापूर्वक कार्रवाई करते हुए तत्काल आरोपी रंजीत तिर्की को अभिरक्षा में लिया गया, पूछताछ में आरोपी ने उक्त अपराध घटित करना स्वीकार किया एवं उसके मेमोरंडम कथनानुसार उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त लोहे का टांगी को जब्त किया गया। आरोपी रंजीत तिर्की उम्र 30 साल निवासी छुरी पहरी रघुनाथपुर के विरूद्ध अपराध सबूत पाये जाने पर उसे 27 सितम्बर को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है।

■ आरोपी पुत्र को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

कार-बाइक में भिड़ंत, एक की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ पलारी

रायपुर–बलौदाबाजार मुख्य मार्ग पर कोदवा के पास एक कार और बाइक में भिड़ंत हो गई, जिससे बाइक सवार युवक की मौत हो गई। घटना उस समय की है जब कांग्रेस नेता आशिफ मेमन न्याय यात्रा से लौट रहा था। इसी दौरान उन्होंने सड़क किनारे भीषण हादसे में एक घायल युवक को देखा और तुरंत अपनी गाड़ी रोककर मानवता का परिचय देते हुए उसे अस्पताल पहुंचाने मदद किया और एंबुलेंस से घायल युवक को पलारी अस्पताल लेकर पहुंचे, मगर अस्पताल पहुंचते ही युवक की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि बाइक और कार के बीच हुई टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार ससहा निवासी युवक देवनाथ साहू 26 गंभीर रूप से घायल हो गया। रास्ते से गुजर रहे कांग्रेस नेता आसिफ मेमन और उनके साथियों ने तुरंत घायल युवक को एंबुलेंस से पलारी अस्पताल पहुंचाया, मगर उपचार के पहले ही युवक की मौत हो चुकी थी। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने जांच के बाद युवक को मृत घोषित कर दिया।

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि
Email : response.haribhoomi@gmail.com

CLASSIFIED

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

Appointment आवश्यकता

कुक

आवश्यकता है- कुक चाहिए नया रायपुर सेक्टर 27 में हॉस्टल का खाना बनाने हेतु अनुभवी कुक चाहिए आदमी,औरत चाहिए **मों. नं.-** 9826136230. (RO-5954)

घरेलु कार्य/ड्रायवर

आवश्यकता है- घर का घरेलू कार्य 1, ऑफिस में टेली कॉलिंग 2, कंप्यूटर कार्य 1, घर बैठे मार्केटिंग हेतु 15-20 फीमेल चाहिये सैलरी 7500/- कुवारी, तलाकशुदा, विडो फीमेल फोटो बायोडाटा सहित **मिलेः- मारवाड़ी मैरिज ब्यूरो नियर गुरुद्वारा, रेल्वे स्टेशन रायपुर मोबाइलः-** 90393-21951. (RO-3013)

आवश्यकता है- अमलीडीह रायपुर में घर की साफ सफाई एवम अन्य घरेलू कार्य हेतु अनुभवि पति/पत्नी या परिवार की आवश्कता हैं,रहने की सुविधा,आकर्षक वेतन । **संपर्क** 6262800016, 6262800019. (RO-274)

सेल्समैन/ऑपरेटर

आवश्यकता है- सेल्समैन, कम्प्यूटर आपरेटर, ड्राइवर, माल छोड़ने के लिए लड़कों की एवं घरेलू कार्य हेतु लड़की /महिला की आवश्यकता है **संपर्क करेः- बोरियाखुर्द रायपुर मोबाइल नंबरः-** 9893115061. (RO-3015)

घरेलु कार्य/कुक

आवश्यकता है- कार्य तेलीबांधा के आगे, वी.आई.पी. चौक के पास रायपुर में घर का झाड़ू पोछा, कपड़ा बर्तन, साफ सफाई व शुद्ध शाकाहारी खाना बनाने हेतु पुरूष/ महिलाये चाहिए। पान, गुटका, तंबाखू या किसी तरह का नशा न करने वाले व शाकाहारी ही **संपर्क करें** 9300593000.(RO-1227)

कुक/ड्रायवर

आवश्यकता है- देवादा हॉस्पिटल के कैंटीन में काम हेतु कर्मचारी टेबल सफाई, बर्तन सफाई, खाना बनाने कुक, रोटी बनाने हेतु महिला एवं ड्राइवर की। रहना, खाना फ्री। तुरन्त **संपर्क करेः- मो.-** 9303657790, 7970259986.(आरो न.-593)

पेट्रोल पंप कर्मी

आवश्यकता
जियो पेट्रोल पंप में कार्य करने हेतु
अनुभवी लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है।
स्थानः-तेंदुआ, जिओ पेट्रोल पंप, रिंग रोड नं. 4, रायपुर
8 घंटे ड्यूटी
वेतन-9,000/- से 20,000/-
संपर्क करे-
97522-08203
86025-00004

सेल्स रिप्रेजेंटेटिव

आवश्यकता है- बॉस इंस्ट्रूमेंट्स मेडिकल इंस्ट्रूमेंट कंपनी को रायपुर जिले एवं बिलासपुर जिले के लिए सेल्स रिप्रेजेंटेटिव की आवश्यकता है फ्रेशर ग्रेजुएट **संपर्क करें।** मेल- salesbossinstruments@gmail.com **मोबाइल नंबरः-** 9244757509. (RO-3016)

फिटर/हेल्पर

आवश्यकता है- दोना पत्तल मशीन व अन्य मशीन हेतु फिटर (मिस्त्री) हेल्पर वेल्डर की आवश्यकता हैं। कृपया **संपर्क करें- विश्वकर्मा मशीनरी, आमापारा बाजार के पास,** बजरंग नगर, रायपुर, मो. नं. 9827494002. (RO-6956)

टेक्नीशियन

आवश्यकता है- यूरेका फॉर्ब्स लिमिटेड प्रोडक्ट हेतु आवश्यकता है 12th PASS टेलीकॉलर- 2 ऑफिस असिस्टेंट -02 सेल्स रिप्रेजेंटेटिव 4, सर्विस टेक्निशियन 2, OFFICE BOY 1 (अनुभव आवश्यक नहीं) **संपर्क करेंः- दीपिका सर्विसेज कर्मचारी कॉलोनी कुशालपुर रायपुर** 9826652461.(Ro -3007)

पैकिंग कार्य

आवश्यकता है- पैकिंग कार्य हेतु लड़को की आवश्यकता है सैलेरी योग्यतानुसार **शीतला एजेंसी रिंग रोड नंबर 1 भांटागांव चौक न्यू बस स्टैंड रायपुर** 9300629026, 9300229026. (RO-1772)

विज्ञापन बुकिंग टाइम
सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

शोरूम कार्य

आवश्यकता है- स्टेशनरी, गिफ्टमेकर शोरूम में काम करने हेतु लड़के, लड़कियों की शीघ्र आवश्यकता है. वेतन योग्यतानुसार. डायरी हॉउस, **माँ अन्नपूर्णा काम्प्लेक्स बंजारी रोड रायपुर** 07714036253, 9131910588, 9329100996. (RO-5952)

रसोइये

आवश्यकता है- विशाल नगर/तेलीबांधा (रायपुर) के क्लाउड किचन में आंध्रा के तेलुगु टिफ़िन के शाकाहारी व्यंजन बनाने के लिए एक कुशल अनुभवी रसोइये की आवश्यकता है, **वेतन योग्यतानुसार. संपर्क करें -** 9425203443. (RO-25238)

टेक्निकल

Urgent Hiring
ITMS EXPERT
Locations: Bilaspur
Qual: BE/BTech/MCA
Exp: 5 years
Data Centre Expert
Location: Bilaspur
Qual: BE/BTech/MCA
Exp: 8 years
PROJECT MANAGER
Location: Raipur ITMS
Qual: BE/BTech + MBA/ MTech/MCA, Exp: 10 years
TECHNICIAN
Location: Raipur ITMS
Qual: ITI/Diploma in Electrical Exp: 2 years
Database Architect
Location: Raipur
Qual: BE/BTech/MCA
Exp: 5 years
Salary: Best in Industry,
hr2@technosysgroups.com
8130290027

पैकिंग/बिलिंग कार्य

आवश्यकता है- 375/- प्रतिदिन+ ओवरटाइम 375/- फटाका जमाना, पैकिंग, बिल बनाना, ड्राइवर/ लड़कों की आवश्यकता है। **सम्पर्क करे- तापड़िया फटाका, नेमींचंद गली, तेलघानी नाका चौक, रायपुर** । (RO-705)

वेल्डर/फिटर

आवश्यकता है- रायगढ़, भिलाई, रायपुर, बलौदा बाजार, कोरबा, चांपा पावर प्लांट इंजीनियर सिविल, पॉलिटेकनिक कोपा, कम्प्यूटर ऑपरेटर, ऑफिस कार्य इलेक्ट्रीशियन, सुपरवाइजर, वेल्डर कटर फिटर गार्ड चपरासी, ड्राइवर, स्टोर कीपर, ऑफिसर, (रहना खाना+ मेडिकल फ्री) **सम्पर्क- बिलासपुर** 8962527013.(RO-35460)

प्रोफेसर

आवश्यकता है- Applications are invited for Assistant Professor (Preferably PCM Post Graduate) in Vivekananda Institute of Education (B.Ed. College), Kota, Raipur. Qualification as per NCTE norms. Apply within Seven days to the Principal in the following e-mail address- vieraipur@gmail.com .(RO-3018)

घरेलु कार्य

आवश्यकता है- घर कार्य हेतु 24 घंटे की बाई चाहिये। रहना एवं खाना दिया जाएगा। नोटः जिन्हें खाना बनाना आता है, उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी। **स्थानः तेलीबांधा, रायपुर सम्पर्क करेः-** 9575042814.(RO-3017)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- ग्वालियर मध्य प्रदेश में ऑफिस कार्य करने हेतु 10वीं, 12वीं पास लड़के चाहिए वेतन 10000+ कमीशन+ बोनस, रहना खाना फ्री ट्रेनिंग पश्चात 15000 से 20000 महीना **सम्पर्क करें-** 8982690021, 8965876358.(RO-35488)

आवश्यकता है- इन्दौर में ऑफिस कार्य हेतु लड़के चाहिए जो बाहर रहकर कार्य कर सके। वेतन 10000+ कमीशन + बोनस सहित 20000 रहना, खाना फ्री + गाड़ी किराया + कोई शुल्क नहीं। **सम्पर्क-** 7224807472, 7611101133(RO-34471)

प्रचार कार्य

आवश्यकता है- कैनोपी द्वारा पूरे छत्तीसगढ़ में इलेक्ट्रिकल प्रोडक्ट का प्रचार करने के लिए अनुभवी व्यक्ति की आवश्यकता है वेतन योग्यतानुसार **संपर्क समय** 11 से 2 मोबाइल 7587493092. (RO-1229)

साफ/सफाई कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस में साफ -सफाई एवं चाय/पानी पिलाने हेतु लड़के/लड़कियों की आवश्यकता है । वेतन चार अंको में **संपर्क -शॉप नं. 12 रेलवे क्रॉसिंग के पास आकाशगंगा सुपेला -** 98930-92649, 98278-06026.(आरो न.-6384)

पैकिंग/हेल्पर कार्य

आवश्यकता है-बिस्कुट पैकिंग कार्य एवं अन्य कार्य करने हेतु रहकर काम करने वाले हेल्पर लड़कों की आवश्यकता है। रूम बिजली की सुविधा फ्री। **पता- बंजारी मंदिर के पास रावाभाटा रायपुर** 7471176423.(RO-35489)

अन्य

आवश्यकता है- Airport डायरेक्ट भर्ती अनपढ़, 8वीं, 10वीं, 12वीं, ग्रेजुएट (लड़के- लड़कियां) एयरहोस्टेस, सुपरवाईजर, ग्राउंडस्टाफ, क्लर्क, चेकर, लोडर, गार्ड, ड्राईवर, हेल्पर 31500- 82500 मेडिकल इंश्योरेंस, फंड, बोनस, (रहना +खाना +मेडिकल फ्री) **रायपुर संपर्कः-** 9205219535.(RO-3011)

आवश्यकता है- (नवरात्रि स्पेशल ऑफर) आवश्यकता है जरूरतमंद लोग की आयुवेदिक कंपनी में दवा पैक करने के लिए संपर्क करें शिक्षित/बेरोजगार जरूरतमंद लड़कें-लड़कियाँ हाउसवाइफ घरबैठे दवाई पैकिंग करके पार्टटाइम / फुलटाइम 30,500/- से 35,500/- महीना कमाएं (जरुरतमंद लोग WHATSAPP या कॉल करें) NOC - 2150/- +91 62673 24667. (RO-1332)

छोटा विज्ञापन

आवश्यकता है- जिलानुसार वनविभाग को कम्पनी द्वारा 1150/- लड़के लड़कियों की योग्यता (8वी - ग्रेजुएट), सैलरी (32500-64500) रहना +खाना फ्री पद वनरक्षक , फील्डऑफिसर , ड्राइवर, गनमैन इच्छुक व्यक्ति / रिटायर्डफौजी अपना फोटो , आधारकार्ड , मार्कशीट , व्हाट्सएप करें-7522049027.(RO-483)

आवश्यकता है- Reliance Jio 5G कंपनी (SMS SENDING CALLING JOB) करके लड़के- लडकिया, गृहणिया, रिटायर्ड पर्सन, स्टूडेंट घर बैठे कमाए (21500- 48500) महीना (लैपटॉप +मोबाइल मुफ्त) NAME, पता QUALIFICATION, CALL /SMS /WHATSAPP करें:- 9102935834. (RO-2975)

Business व्यापार

व्यापार- अब शुरू करे स्वयं का बिजनेस बिना रिस्क, कम पूंजी लगाकर घर बैठे स्वयं का उद्योग लगाएं, 30,000-50,000 प्रतिमाह कमाएं, आटोमेटिक मशीन द्वारा दोनापत्तल, डिस्पोजल बनायें, कच्चा माल देने तैयार माल लेने का एग्रीमेंट **संपर्कः-** APS इंटरप्राईजेस, रायपुर- 7477221345, 9977676447, बिलासपुर- 8359913999, 9589288936, रायगढ़, अंबिकापुर 7869755871. (RO-2998)

For Rent किराया

किराये से देना है- जलगृह मार्ग टिकरापारा अंतरराज्यीय बस स्टैंड मेनरोड पर 450 मीटर की दूरी पर दुकान 11x28, तीन शटर, कॉर्नर बिजनेस के लायक उपयुक्त। किराया 25 हजार। एडवांस- 1 लाख **सम्पर्क करेः-** 9329100317.(RO-3019)

वैवाहिकी वर चाहिए

वर चाहिए
विडो महिला, सुंदर 12/03/1980 हाइट 5'-2" पोस्ट ग्रेजुएट, वर्क इलेक्ट्रीकल शॉप इनकम 2 लाख मासिक सभी को प्राथमिकता जाति बंधन नहीं जरूरतमंद कॉल करें-
9179472796
9754918238

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पुर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

स्मॉलकैप फंडों ने 10,000 की मासिक एसआईपी से ही बना दिया करोड़पति

जब भी निवेश की बात आती है तो बाजार के जानकार स्मॉल कैप फंडों में एसआईपी के जरिये निवेश करने का सुझाव देते हैं। क्योंकि पिछले 15 साल में 5 स्मॉलकैप फंडों ने 10,000 रुपये के मासिक एसआईपी को 1.35 करोड़ रुपये तक बदल दिया है। एसबीआई समेत कई स्मॉल कैप फंडों ने बढ़िया रिटर्न दिया। हालांकि ऐसी स्कीमें काफी जोखिम भरी होती हैं। लिहाजा, निवेशकों को जोखिम और निवेश अवधि पर विचार करना चाहिए। जानकारों का यह भी कहना है कि हमेशा लंबी अवधि के लिए निवेश करेंगे तो नुकसान नहीं होगा।

पांच स्कीमों ने दस हजार के मासिक एसआईपी को 1.35 करोड़ में बदला

●

इनमें से एसबीआई स्मॉल कैप फंड ने निवेशकों को दिया सबसे ज्यादा रिटर्न

●

निवेश करने से पहले एक बार अपने लक्ष्या और रिस्क क्षमता को जरूर जांच

●

हमेशा कोशिश करें कि लंबी अवधि के निवेश का लक्ष्य बनाएं

पैस की बात
बिजनेस डेस्क

15 सालों में स्मॉलकैप म्यूचुअल फंडों ने किया बेहतरीन प्रदर्शन

पिछले 15 सालों में कुछ स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। इन स्कीमों ने 10,000 रुपये के मासिक एसआईपी को इस अवधा में 1.35 करोड़ रुपये तक में बदल दिया है। म्यूचुअल फंड की इन स्कीमों पर एक रिपोर्ट के अनुसार 9 स्मॉलकैप फंडों का विश्लेषण किया गया है, जिन्होंने बाजार में 15 साल पूरे कर लिए हैं। इनमें से पांच फंड निवेशकों के लिए बेहतरीन साबित हुए हैं। इन्होंने मासिक 10,000 रुपये के एसआईपी को 1.08 करोड़ रुपये से 1.35 करोड़ रुपये के बीच बदला है। हालांकि, यह भी चेतावनी दी गई है कि स्मॉलकैप फंड निवेश के लिहाज से जोखिम भरे होते हैं। लिहाजा, निवेशकों को जोखिम और निवेश अवधि पर विचार करना चाहिए। जानकारों का यह भी कहना है कि हमेशा लंबी अवधि के लिए निवेश करेंगे तो नुकसान नहीं होगा।

15 सालों का प्रदर्शन, 10,000 मासिक एसआईपी

फंड का नाम	अवधि 15 साल	एक्सआईआरआर (%)
एसबीआई स्मॉल कैप फंड	13,589,870.39	24.03
डीएसपी स्मॉल कैप फंड	11,684,379.18	22.33
फ्रैंकलिन इंडिया स्मॉलर कॉस फंड	11,316,879.6	21.97
क्वांट स्मॉल कैप फंड	11,064,148.02	21.71
कोटक स्मॉल कैप फंड	10,876,801.37	21.52

एसबीआई स्मॉल कैप फंड

रिपोर्ट के अनुसार, एसबीआई स्मॉल कैप फंड ने पिछले 15 सालों में सबसे ज्यादा 24.03% का रिटर्न (एक्सआईआरआर) दिया है। इसमें मासिक 10,000 रुपये का एसआईपी 1.35 करोड़ रुपये हो गया है।

डीएसपी स्मॉल कैप फंड

डीएसपी स्मॉल कैप फंड ने 22.33% रिटर्न के साथ 15 साल में 10 हजार रुपये के मासिक एसआईपी को 1.16 करोड़ रुपये बना दिया है।

फ्रैंकलिन इंडिया स्मॉलर कंपनीज फंड

फ्रैंकलिन इंडिया स्मॉलर कंपनीज फंड ने 21.97% रिटर्न दिया है। पिछले 15 सालों में स्कीम में 10 हजार के मासिक सिप के जरिये निवेशकों ने 1.13 करोड़ रुपये जुटाए।

4. क्वांट स्मॉल कैप फंड

क्वांट स्मॉल कैप फंड का रिटर्न 21.71% रहा। इसमें 15 साल के मासिक एसआईपी के जरिये निवेशकों ने 1.10 करोड़ रुपये जुटा लिए।

कोटक स्मॉल कैप फंड

कोटक स्मॉल कैप फंड ने 21.52% रिटर्न (एक्सआईआरआर) दिया। 15 सालों में इसमें हर महीने 10 हजार रुपये के सिप के साथ निवेशकों ने 1.08 करोड़ रुपये जुटाए।

स्मॉलकैप फंडों का प्रदर्शन

9 में से बाकी 4 स्मॉलकैप फंडों ने पिछले 15 वर्षों में 17.47% से 20.32% के बीच एक्सआईआरआर दिया। इन्होंने 10,000 रुपये की मासिक सिप को इस दौरान 76.20 लाख रुपये से 97.87 लाख रुपये के बीच बनाया। इन चार स्कीमों में एचडीएफसी स्मॉल कैप फंड, आईसीआईसीआई प्रू स्मॉलकैप फंड, सुंदरम स्मॉल कैप फंड और आदित्य बिड़ला एसएल स्मॉल कैप फंड शामिल हैं।

स्मॉलकैप स्कीमों के साथ जोखिम

रिपोर्ट में यह भी चेतावनी दी गई है कि स्मॉलकैप स्कीमों को जोखिम भरा माना जाता है। कारण है कि वे बहुत छोटी कंपनियों के शेयरों में निवेश करती हैं। सेबी के नियमों के अनुसार, इन योजनाओं को उन शेयरों में निवेश करना अनिवार्य है जो बाजार पूंजीकरण के मामले में 250 से नीचे स्थान पर हैं।

रिपोर्ट में यह भी दावा

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि इन कंपनियों में कॉर्पोरेट गवर्नेंस से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। बाजार में चुनौतीपूर्ण दौर के दौरान ये बंद भी हो सकती हैं। यही कारण है कि स्मॉलकैप शेयरों में निवेश करना बेहद जोखिम भरा है। स्मॉलकैप स्कीमों में तभी निवेश करें जब आपके पास बहुत अधिक जोखिम उठाने की क्षमता हो, अस्थिरता को झेलने की हिम्मत हो और निवेश की अवधि लंबी हो, जैसे कि लगभग 10 साल।

(डिस्क्लेमर : इस विश्लेषण में दिए गए सुझाव व्यक्तिगत विश्लेषकों या ब्रोकिंग कंपनियों के हैं, हम निवेशकों को सलाह देते हैं कि किसी भी निवेश का निर्णय लेने से पहले प्रमाणित विशेषज्ञों से परामर्श कर लें, क्योंकि शेयर बाजार की परिस्थितियां तेजी से बदल सकती हैं। शेयर बाजार में निवेश रिस्क के अधीन है। निवेश करने से पहले अपने लक्ष्य और रिस्क क्षमता का आकलन करें।)

बिजनेस साइट

रामकृष्ण केयर अस्पताल में मनाया गया वर्ल्ड हॉर्ट डे

रायपुर। रामकृष्ण केयर अस्पताल ने वर्ल्ड हॉर्ट डे के अवसर पर सितम्बर में शहर के विभिन्न स्थानों पर निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर और हेल्थ टॉक का आयोजन किया। इस आयोजन का उद्देश्य लोगों को हृदय रोग से बचने के लिए जागरूक करना और मरीजों के स्वास्थ्य की जांच करना था। शिविर में ईसीजी, टीएमटी, और ईको जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। अस्पताल में एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया, जिसमें एन्जियोप्लास्टी और बॉयपास सर्जरी करवा चुके मरीजों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मरीजों का मनोरंजन भी किया गया, जिसमें रोचक प्रश्न पूछे गए और सभी को उपहार वितरित किए गए।

कार्यक्रम में डॉ. संदीप दवे, डॉ. जावेद अली खान, डॉ. शैलेष शर्मा और अन्य विशेषज्ञों ने मरीजों और उनके परिजनों को बीमारी से बचने के उपाय और खानपान के बारे में महत्वपूर्ण सलाह दी। मरीजों ने अपनी बीमारी के अनुभव साझा किए और रामकृष्ण केयर अस्पताल का आभार व्यक्त किया, जिसने उन्हें नया जीवन दिया।

पतंजलि की मृदा परीक्षण मशीन 'धरती का डॉक्टर' को आईसीएआर ने किया

हरिद्वार। पतंजलि विश्वविद्यालय में मृदा परीक्षण मशीन 'धरती का डॉक्टर' को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान द्वारा प्रमाणन-पत्र प्रदान किया गया।

इस अवसर पर पतंजलि योगपीठ के अध्यक्ष स्वामी रामदेव ने बताया कि यह मशीन मृदा की सटीक जांच कम लागत और समय में संभव बनाती है। स्वामी रामदेव ने कहा कि रासायनिक खादों के अत्यधिक उपयोग से कृषि भूमि प्रदूषित हो रही है। 'धरती का डॉक्टर' मशीन किसानों की आय बढ़ाने में सहायक होगी। भरूआ एग्री साइंस के प्रबंध निदेशक आचार्य बालकृष्ण ने बताया कि यह मशीन 12 आवश्यक मानकों की जांच करती है, जिनमें नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटाश, बोरॉन, आयरन, जिंक, कॉपर और मैंगनीज शामिल हैं। इस मशीन को भारत सरकार द्वारा पेटेंट और सीई-सर्टिफिकेट प्राप्त है।

केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. राजेन्द्र कुमार यादव ने कहा कि यह मशीन किसानों और भारत सरकार की मृदा स्वास्थ्य योजना के लिए अत्यंत उपयोगी होगी। इस अवसर पर डॉ. अरविन्द कुमार राय, डॉ. अशोक कुमार मेहता और अन्य वैज्ञानिक भी उपस्थित रहे।

अब यूएलआई से भी मिलेगा लोन, न सिबिल स्कोर जरूरी व न सैलरी प्रूफ

- **बिना सैलरी वाले भी अब आसानी से लोन ले सकेंगे**
- **रिजर्व बैंक ने यूनिफाइड लेंडिंग इंटरफेस प्लेटफॉर्म का ऐलान किया**

अक्सर लोगों को लोन लेने में परेशानियों का सामना करना पड़ता है। बैंक अक्सर सिबिल स्कोर, सैलरी स्लिप या सैलरी प्रूफ मांगते हैं। ऐसी ही समस्याओं के समाधान के लिए अब रिजर्व बैंक ने यूनिफाइड लेंडिंग इंटरफेस (यूएलआई) प्लेटफॉर्म की घोषणा की है। इस प्लेटफॉर्म से लोन मिलना बेहद आसान होगा। जिन लोगों का सिबिल स्कोर अच्छा नहीं होता या क्रेडिट हिस्ट्री खराब होती है, उन्हें लोन मिलने में बहुत परेशानी आती है। यही नहीं, अगर सैलरी नहीं है या सैलरी प्रूफ नहीं है, तब भी लोन के बैंकों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। अगर इंटरनेट बैंकिंग नहीं है तो ऑनलाइन लोन लेना सपने जैसा ही है। लेकिन अब इनमें से किसी भी चीज के बिना चुटकियों में लोन मिलेगा। इसके लिए रिजर्व बैंक ने यूएलआई प्लेटफॉर्म की घोषणा की है। इस प्लेटफॉर्म के जरिये कोई भी आसानी से लोन ले सकेगा। इसके लिए कोई सैलरी प्रूफ या सिबिल स्कोर दिखाने की जरूरत नहीं होगी। यानी अब बिना सैलरी वाले लोग भी असानी से लोन लेकर अपने काम कर सकेंगे। दरअसल लोगों को कुछ न कुछ जरूरतों के लिए लोन अक्सर लेना पड़ता है, जब आपके पास कोई प्रूफ न हो तो बैंक भी चक्कर कटवाते रहते हैं। ऐसे में यूएलआई प्लेफार्म लोगों के लिए एक बेहतर भूमिका निभाएगा और लोगों को लोन लेने में आसानी होगी।

क्या है यूएलआई

यूनिफाइड लेंडिंग इंटरफेस (यूएलआई) एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है। इसे आरबीआई ने लोगों को आसान तरिके से लोन उपलब्ध करवाने के लिए तैयार किया है। यह प्लेटफार्म हर तरह के लोन दिलवाने का काम करेगा। अपने काम के लिए कोई भी व्यक्ति इस प्लेफॉर्म पर लोन के लिए अप्लाई कर सकेगा। यह लोन देने की प्रक्रिया को आसान बनाता है। एक रिपोर्ट के अनुसार इससे ग्रामीण और कम रकम का लोन लेने वालों को आसानी से लोन मिलेगा। शहरी लोग भी इसके जरिये लोन लेकर अपना काम कर सकेंगे।

कैसे करेगा काम

यूएलआई का उद्देश्य उधारकर्ता से संबंधित सभी रिलेवेंट जानकारी को एक ही मंच पर लाना है। एनटीटी डेटा पेमेंट सर्विसेज इंडिया के सीएफओ राहुल जैन कहते हैं कि यूएलआई के जरिए लोन देने वाले बैंक, एनबीएफसी आदि उन लोगों की वित्तीय और गैर-वित्तीय जानकारी तक पहुंच सकते हैं जो लोन लेना चाहते हैं। जानकारों के मुताबिक आधार, ई-केवाईसी रेकॉर्ड, पैन की जानकारी और राज्य भूमि रिकॉर्ड जैसी विभिन्न वित्तीय जानकारी को उधारकर्ता की फाइनेंशियल प्रोफाइल बनाने के लिए समेकित किया जाएगा। लोन देने वाले सभी बैंक, एनबीएफसी और फिनटेक फर्म इन जानकारियों के आधार पर लोन देंगी। इससे लोन देने की प्रक्रिया में तेजी आएगी। लोगों को आसानी से लोन मिल सकेंगे। इस प्रक्रिया में बैंकों को भी लोन देने में दिक्कत नहीं आएगी।

एक उदाहरण से जानिए कैसे मिलेगा लोन

जानकारों के अनुसार आप इस प्लेफार्म के जरिये लोन लेने की प्रक्रिया को इस उदाहरण के जरिये भी समझ सकते हैं। 'मान लीजिए मैं एक किसान या मछुआरा हूं। मेरे पास यह बताने के लिए कोई वित्तीय रिकॉर्ड नहीं है कि मैं बहुत अच्छा बिजनस कर रहा हूं या मेरी एक निश्चित इनकम है। ऐसे में लोन देने वाला बैंक या कोई संस्था जोखिम नहीं उठाएगी और मुझे लोन नहीं देगी। यह इलिए क्योंकि उन्हें यह नहीं पता कि मैं कितना पेमेंट करता हूं।' 'यूएलआई के साथ ऐसा नहीं होगा। इस प्लेटफॉर्म पर बैंक या दूसरे संस्थानों के मुकाबले ज्यादा जानकारी होगी। ऐसे में वे मेरे बिजनेस के बारे में ज्यादा जानकारी लेकर लोन देने का निर्णय ले सकते हैं। इसलिए कुछ लोग जिन्हें पहले लोन नहीं मिल रहा था, उन्हें लोन मिलने में आसानी होगी।'

किस तरह के लोन मिलेंगे

इसका पायलट कार्यक्रम एक साल पहले शुरू किया गया था। उस समय यह पर्सनल लोन, एमएसएमई लोन, डेयरी के लिए लोन, होम लोन, किसान क्रेडिट कार्ड आदि के लिए था। इस समय यूएलआई प्लेटफॉर्म को एमएसएमई लोन, किसान लोन, पर्सनल लोन आदि के लिए तैयार किया गया है। समय के साथ इसमें और भी कई तरह के लोन मिलने शुरू हो सकते हैं। यूएलआई अभी अपने पायलट चरण में है और जल्द ही लॉन्च किया जाएगा।

Name Change

I, Khushahali Soni son of Govind Soni employed as Upper Division Teacher (Emp. Code 19200440571) at Govt. Middel School – Rasedi, Dist. Balodabazar – Bhatapara (CG) residing at H. No. Near Badi Dukan, Baloda Bazar (CG) - 493332 have changed my name to JITTU SONI forever.

JITTU SONI
H. No. Near Badi Dukan,
Baloda Bazar (CG) - 493332

कार्यालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी कोरिया (छ.ग.)

// संशोधित निविदा विज्ञप्ति //

झुमका वाटर टूरिज्म सोसायटी अंतर्गत घुनघुट्टा जलाशय के समीप 03 नग ट्री हाउस कॉटेज एवं 01 नग रेस्टोरेंट के संचालन हेतु इच्छुक निविदाकारों से मुहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा अवधि 01 वर्ष की होगी।

क्र.	कार्य का नाम	मात्रा/आफसेट रेट प्रतिमाह	अमानत राशि
1	घुनघुट्टा जलाशय के समीप कोरिया ट्री हाउस (कॉटेज) एवं रेस्टोरेंट का संचालन	03 नग ट्री हाउस (कॉटेज) एवं 01 नग रेस्टोरेंट 1.50 लाख	कुल 15.00 लाख
	कुल योग	1.50 लाख (एक लाख पचास हजार) रू. मासिक	15.00 लाख

4. निविदा विक्रय की तिथि – 20.09.2024 से 10.10.2024 तक दोपहर 12:00 बजे तक (कार्यालयीन दिवस में)
5. निविदा जमा करने की अंतिम तिथि – 10.10.2024 सायं 03:00 बजे तक
6. निविदा खोलने की तिथि व समय – 10.10.2024 सायं 04:00 बजे से
4. ई.ओ.आई. प्रपत्र प्राप्त करने, जमा करने व खोलने का स्थान – झुमका वाटर टूरिज्म सोसायटी बैकुण्ठपुर कार्यालय कलेक्टर कोरिया (छ.ग.) कक्ष क्रमांक 36।
5. ई.ओ.आई. प्रपत्र झुमका वाटर टूरिज्म सोसायटी बैकुण्ठपुर कार्यालय कलेक्टर कोरिया (छ.ग.) से राशि रू. 1000/- में प्राप्त की जा सकती है।
6. ई.ओ.आई. प्रपत्र में निर्धारित शर्तों का अवलोकन वेबसाइट korea.gov.in या झुमका वाटर टूरिज्म सोसायटी बैकुण्ठपुर कार्यालय कलेक्टर कोरिया के सूचना पटल में देखी जा सकती है।

कलेक्टर
जिला-कोरिया (छ.ग.)

Directorate of Extension Services
Indira Gandhi Krishi Vishwavidyalaya Krishak Nagar, Raipur-492012 (Chhattisgarh)
निदेशालय विस्तार सेवायें
इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, कृषक नगर, रायपुर-492012 (छत्तीसगढ़)
Phone: 0071-2442274 (O), 8349718180 (M) Email: des.rpr@igkv.ac.in, Website: https://igkv.ac.in

No. 1985 /DES/Event Tender/2024/Raipur Dated: 27.09.2024

TENDER NOTICE (Second Call)

Sealed tenders are invited from reputed Event Management Companies / Firms for arranging "Exhibition-cum-Krishi Mela" during Agri-Carnival 2024 at IGKV Campus Raipur from 22-25 Oct 2024. The tender document with terms and conditions can be downloaded from the website www.igkv.ac.in. The last date for submission of sealed tender will be 08.10.2024 at 1:00 PM and will be opened on. the same day at 2:00 PM in the office of the undersigned.

Director Extension Services
IGKV - Raipur

S-41595/1

सार्वजनिक सूचना

मैं प्रमोटर गणेश वर्मा, व्यक्तिगत कारणों से छत्तीसगढ़ रेरा में पंजीकृत प्रोजेक्ट - संकल्प सिटी, पंजीयन क्रमांक PCGRERA 270619001001 का सरेंडर / कैंसिलेशन/ निरस्तीकरण करा रहा हूँ। किसी व्यक्ति / संस्था आदि द्वारा इस प्रोजेक्ट में यदि कोई बुकिंग करायी गयी हो, तो कृपया अपना क्लैम / दावा प्रस्तुत करें। उक्त क्लैम / दावा का विवरण सहित 15 दिनों के अंदर छत्तीसगढ़ रेरा की ईमेल आईडी -register. rera. cg@gov.in पर भी भेजा जाये तथा क्लैम/दावा विवरण को रजिस्ट्रार, छत्तीसगढ़ रेरा कार्यालय, शास्त्री चौक, रायपुर- 492001 को प्रेषित किया जाए।"

गणेश वर्मा
ganeshjivanvidya@gmail.com

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
ई-निविदा सूचना

निविदा क्रमांकः CPM/EL/BSP/24-25/10, (खुली निविदा) (टू पैकेज सिस्टम)

कार्यः "एस.ई.सी.आर. के बिलासपुर डिवीजन के चंम्पा-रायगढ़ एवं चंम्पा-गेवरा रोड खंड (सभी यार्ड सहित) के बीच मौजूदा 1x25 केवी इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन सिस्टम को 2x25 केवी इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन सिस्टम में अपग्रेड करने के लिए डिजाइन, आपूर्ति, निर्माण, परीक्षण और कमीशनिंग (127 आरकेएम/416 टीकेएम)।"

निविदा मूल्यः रू. 147,92,51,820/-, अमानत राशिः रू. 75,46,300/-, कार्य पूरा होने की अवधिः 18 (अठारह) माह। निविदा बंद होने का समय एवं दिनांकः 16/10/2024 को 15:00 बजे। निविदा खोलने का समय एवं दिनांकः 16/10/2024 को 15:30 बजे।

विस्तृत जानकारी/निविदा दस्तावेज का पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु मुख्य परियोजना प्रबंधक (विद्युत)/ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर के कार्यालय, कमरा नं. 103, प्रथम तल, निर्माण भवन, बिलासपुर पिनः 495004 में संपर्क करे अथवा निविदा कागजात जो हमारी वेबसाईट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है उसे डाउनलोड कर/देख सकते हैं।

उप मु.वि.इंजी./परियोजना
सीपीआर/10/260 द.पू.मध्य रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
एनेक्जर-1

बिलासपुर मंडल के रेलवे स्टेशनों पर कैटरिंग इकाईयों के अनुबंध के लिए ई-नीलामी आमंत्रित की गई है। कैटलॉग पहले ही आईआरईपीएस वेबसाइट (https://ireps.gov.in) पर दिनांक 19.09.2024 को प्रकाशित किया जा चुका है। विवरण इस प्रकार हैं:-

यूएमआर, एबीकेपी, एसडीएल, पीएनडी, एकेटी, केआरबीए, एपीआर और सीपीएच रेलवे स्टेशनों पर खानपान इकाइयों के अनुबंध के लिए ई-नीलामी आमंत्रित की गई है। सूची पहले ही आईआरईपीएस वेबसाइट (https://ireps.gov.in) पर दिनांक 19.09.2024 को प्रकाशित की जा चुकी है। विवरण इस प्रकार हैं:-

केटेलॉग क्र.: एमएसएस-बीएसपी-डब्ल्यूवीएम-24
कोटिः एमएसएस-विविध-स्थैतिक-सेवाएं
अनुबंध अवधिः 1826 दिन

नीलामी दिनांक एवं समय	लॉट क्रमांक	लॉट विवरण
05.10.24 15:00:00	एमएसएस-बीएसपी-पीएनडी-डब्ल्यूवीएम-64-24-2	पीएनडी (पेंड्रा) पर पीएफ 1 और 2/3 पर वाटर वेंडिंग मशीन की स्थापना
05.10.24 15:10:00	एमएसएस-बीएसपी-सीपीएच-डब्ल्यूवीएम-62-24-2	सीपीएच (चांपा) स्टेशन पर पीएफ नंबर 1 और पीएफ 2/3 पर वाटर वेंडिंग मशीन की स्थापना
05.10.24 15:20:00	एमएसएस-बीएसपी-यूएमआर-डब्ल्यूवीएम-67-24-3	यूएमआर (उमरिया) स्टेशन पर पीएफ नंबर 1 और 2/3 पर वाटर वेंडिंग मशीन की स्थापना
05.10.24 15:30:00	एमएसएस-बीएसपी-एकेटी-डब्लूवीएम-68-24-2	एकेटी (अकलतरा) स्टेशन पर प्लेटफार्म नंबर 1 और 2/3 पर वाटर वेंडिंग मशीन की स्थापना
05.10.24 15:40:00	एमएसएस-बीएसपी-एसडीएल-WVM-66-24-2	एसडीएल (शहडोल) स्टेशन पर पीएफ नंबर 1 और 2/3 स्थापना
05.10.24 15:50:00	एमएसएस-बीएसपी-एपीआर-WVM-74-24-2	एपीआर (अनूपपुर) पर पीएफ 3 और 4 में वाटर वेंडिंग मशीन की स्थापना
05.10.24 16:00:00	एमएसएस-बीएसपी-केआरबीए-डब्ल्यूवीएम-69-24-2	केआरबीए (कोरबा) स्टेशन पर पीएफ नंबर 1 और 2/3 पर वाटर वेंडिंग मशीन की स्थापना
05.10.24 16:10:00	एमएसएस-बीएसपी-एबीकेपी-डब्ल्यूवीएम-73-24-2	एबीकेपी (अंबिकापुर) रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 1 पर वाटर वेंडिंग मशीन की स्थापना

कृते वरि. मंडल वाणिज्य प्रबंधक/ बिलासपुर
सीपीआर/10/262
South East Central Railway @secrail

बिरला ओपन माइंड्स प्री-स्कूल, अवनी एजुकेशन ट्रस्ट (रायपुर) के विरुद्ध सार्वजनिक सूचना

रायपुरवासियों को यह सूचित किया जाता है कि रायपुर में 'बिरला ओपन माइंड्स प्री-स्कूल' नाम से अवनी एजुकेशन ट्रस्ट द्वारा एक स्कूल संचालित किया जा रहा है। जिसका प्रबंधन अभिलाषा भट्ट द्वारा ट्रस्टी के रूप में किया जा रहा है। आप सभी को यह सूचित किया जाता है कि बिरला ओपन माइंड्स एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड, जिसे पहले 'बिरला एडुटेक लिमिटेड' के नाम से जाना जाता था, ने स्वयं को अवनी एजुकेशन ट्रस्ट से अलग कर लिया है। गौरतलब है कि बिरला ओपन माइंड्स एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड ने अवनी एजुकेशन ट्रस्ट को सभी शैक्षणिक सेवाएँ प्रदान करना बंद कर दिया है। हमें विविध संपर्क सूत्रों से यह जानकारी मिली है कि अवनी एजुकेशन के साथ अपनी सेवाएँ पूरी तरह से बंद करने के बावजूद भी ट्रस्ट के प्रबंधकों ने प्रचार गतिविधियों के लिए हमारे ब्रांड का नाम और हमारी बौद्धिक संपदा का अनवरत उपयोग करना जारी रखा है। वे हमारी सहमति के बिना रायपुर में अपने संस्थान के लिए हमारे लाइसेंस प्राप्त ट्रेडमार्क का उपयोग कर रहे हैं। अतः बिरला ओपन माइंड्स एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड आप सभी रायपुरवासियों को सावधान करना चाहता है कि अवनी एजुकेशन ट्रस्ट बिरला ओपन माइंड्स प्री-स्कूल के ब्रांड के नाम के तहत एक साधारण स्कूल चलाकर जनता को धोखा दे रहा है और हमारे ब्रांड की सार्वजनिक छवि का गलत प्रतिनिधित्व कर रहा है। हम छात्रों और अभिभावकों से इस स्कूल में प्रवेश लेते समय सावधानी बरतने का आग्रह करते हैं। बिरला ओपन माइंड्स एजुकेशन प्राइवेट इस स्कूल की जनता को गुमराह करने की गतिविधियों से उत्पन्न किसी भी विवादास्पद मुद्दे के लिए उत्तरदायी नहीं होगा। यदि आपको रायपुर में बिरला ओपन माइंड्स प्री-स्कूल के नाम पर लिए गए किसी भी प्रवेश की जानकारी प्राप्त हो, तो कृपया हमें सूचित करके ऐसी गतिविधियों को रोकने के लिए उचित कदम उठाने में हमारी मदद करें। आप हमस legal@birlaopenminds.com पर संपर्क करें। धन्यवाद!

दिनांक: 29 सितंबर, 2024
स्थान: रायपुर

बिरला ओपन माइंड्स एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड
मुंबई

खबर संक्षेप

भारत के सामने आज लाओस की चुनौती

वियनतियाने। ईरान के खिलाफ हार का सामना करने के बाद भारतीय फुटबॉल टीम को एएफसी अंडर 20 एशियाई कप के मुख्य टूर्नामेंट में जगह बनाने के लिए रविवार को क्वालीफायर मुकाबले में मेजबान लाओस से भिड़ेगी। भारत एएफसी अंडर 20 एशियाई कप के फाइनल राउंड में पिछली बार 2006 में पहुंचा था। इस टूर्नामेंट को पहले एएफसी युवा चैंपियनशिप और एएफसी अंडर 19 चैंपियनशिप के नाम से जाना जाता था, जिसकी भारत ने 2006 में मेजबानी की थी। भारत ग्रुप जी में ईरान के बाद दूसरे स्थान पर है।

त्रीशा-गायत्री की जोड़ी सेमीफाइनल में हारी

मकाऊ। त्रीशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की महिला युगल जोड़ी को शनिवार को यहां सेमीफाइनल में सीह पेई शैन और हुंग एन-जू की

चीनी ताइपे की जोड़ी के खिलाफ शिकस्त का सामना करना पड़ा जिससे मकाऊ ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती समाप्त हो गई। तीसरी वरीय भारतीय जोड़ी को कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद चीनी ताइपे की दुनिया की 54वें नंबर की जोड़ी के खिलाफ तीन गेम में 17-21, 21-16, 10-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी। दुनिया की 23वें नंबर की जोड़ी त्रीशा और गायत्री की चीनी ताइपे की जोड़ी के खिलाफ इस साल यह तीसरी हार है।

एआईटीए अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव वापिस

नई दिल्ली। अखिल भारतीय टेनिस संघ अध्यक्ष अनिल जैन के खिलाफ प्रस्तावित अविश्वास प्रस्ताव वापिस ले लिया गया है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। एआईटीए से मान्यता प्राप्त आठ प्रदेश टेनिस संघों ने जैन के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने का फैसला किया था। इसके लिए शनिवार को आमसभा की असाधारण बैठक बुलाई गई थी। जैन ने इस पर रोक लगाने के लिए अदालत की शरण ली थी लेकिन उनकी याचिका स्वीकार नहीं की गई।

चैलेंज कप : गुलवीर सिंह ने जीता 5000 मीटर का स्वर्ण पदक

एजेंसी ▶▶| टोक्यो

भारत के गुलवीर सिंह ने शनिवार को जापान के निगाटा में विश्व एथलेटिक्स उपमहाद्वीपीय टूर के योगिबो एथलेटिक्स चैलेंज कप में पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड कायम करते हुए स्वर्ण पदक जीता। पिछले साल हांगझोऊ एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीतने वाले गुलवीर ने विश्व एथलेटिक्स के इस 'ब्रॉन्ज लेवल मीट' में 13 मिनट 11.82 सेकंड के समय के साथ शीर्ष स्थान हासिल कर अपने पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार किया। इस 26 साल के खिलाड़ी ने इस साल की शुरुआत में पोर्टलैंड ट्रैक फेस्टिवल में 13 मिनट 18.92 सेकंड के समय के साथ राष्ट्रीय रिकॉर्ड कायम किया था। गुलवीर के नाम 10000 मीटर का राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है। उन्होंने इस साल मार्च में कैलिफोर्निया में 'टेन ट्रैक मीट' में कायम किया था। उन्होंने उस समय 27 मिनट 41.18 सेकंड का समय लिया था।

13:11.82 सेकंड के साथ रहे शीर्ष पर

टेस्ट : संयुक्त दूसरे सबसे तेज 5 विकेट हॉल लेने वाले खिलाड़ी

जयसूर्या ने रचा इतिहास, पहले 16 टेस्ट में 9 बार चटकाए पांच विकेट

मुरलीधरन का तोड़ा रिकॉर्ड, झटके थे 16 मैच में 3 बार पांच विकेट

एजेंसी ▶▶| गॉले

न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में श्रीलंका के स्पिनर प्रभात जयसूर्या ने धमाका कर दिया है। प्रभात जयसूर्या ने गजब की गेंदबाजी की और न्यूजीलैंड की पहली पारी में 6 विकेट लेने में सफल रहे। बता दें कि न्यूजीलैंड की पहली पारी केवल 88 रन पर सिमट गई। श्रीलंका को 514 रनों की बढ़त मिली है। बता दें कि जयसूर्या ने टेस्ट में एक बड़ा कमाल कर दिया है। अब तक प्रभात जयसूर्या ने अपने 16 टेस्ट मैच में 9 बार पांच विकेट हॉल एक पारी में करने में सफल हो गए हैं। ऐसे में प्रभात कॅरियर के पहले 16 टेस्ट में सबसे ज्यादा 5 विकेट हॉल करने के मामले में दुनिया के संयुक्त रूप से दूसरे स्पिन गेंदबाज बन गए हैं।

इस मामले में प्रभात ने मुरलीधरन को पछाड़ दिया है। मुरलीधरन ने अपने कॅरियर के पहले 16 टेस्ट में केवल 3 बार ही पांच विकेट हॉल करने में सफल रहे थे। वहीं, इस मामले में पहले नंबर पर क्लेरी ग्रिमेट हैं जिन्होंने अपने टेस्ट कॅरियर के पहले 16 टेस्ट में 10 बार पांच विकेट हॉल करने कारनामा किया था। अब प्रभात, अश्विन के साथ पहले 16 टेस्ट में सबसे ज्यादा बार 5 विकेट हॉल करने वाले स्पिनर बन गए हैं। अश्विन ने भी अपने टेस्ट करियर के पहले 16 टेस्ट में 9 बार पांच विकेट हॉल करने का कमाल किया था। वैसे, मुरलीधरन टेस्ट में सबसे ज्यादा 5 विकेट हॉल करने वाले गेंदबाज भी हैं। मुरलीधरन ने अपने टेस्ट कॅरियर में 67 बार एक पारी में 5 विकेट हॉल करने का कमाल किया है।

पहले 16 टेस्ट में 5 विकेट

5 विकेट	खिलाड़ी
10	क्लेरी ग्रिमेट
9	रविचंद्रन अश्विन
9	प्रभात जयसूर्या
8	सुभाष गुप्ते
3	मुरलीधरन

श्रीलंका के लिए पांच विकेट

5 विकेट	खिलाड़ी
67	मुथैया मुरलीधरन
34	रंगना हेराथ
12	चामिंडा वास
9	प्रभात जयसूर्या

पहली पारी में सबसे ज़्यादा बढ़त

रन	देश	खिलाफ	वर्ष
702	इंग्लैंड	ऑस्ट्रेलिया	1938
587	द.अफ्रीका	श्रीलंका	2006
570	पाकिस्तान	न्यूजीलैंड	2002
563	इंग्लैंड	वेस्टइंडीज	1930
514	श्रीलंका	न्यूजीलैंड	2024*
509	इंग्लैंड	द.अफ्रीका	2003
504	ऑस्ट्रेलिया	इंग्लैंड	1946

श्रीलंका क्लीनस्वीप करने के करीब

श्रीलंका अगर जीत दर्ज करता है तो दो मैच की श्रृंखला में न्यूजीलैंड का सूपड़ा साफ करेगा और इस टीम के खिलाफ 15 साल में पहली टेस्ट श्रृंखला जीतेगा। फॉलोआन खेलने उतरे न्यूजीलैंड को पारी की हार टालने के लिए अब भी 315 रन की दरकार है। मैच के तीन दिन के भीतर खत्म होने की संभावना थी लेकिन खराब रोशनी के कारण अंपायरों ने 20 ओवर शेष रहते खेल को रोकने का फैसला किया।

88 पर न्यूजीलैंड ढेर, प्रभात और निशान का कहर

श्रीलंका के दो स्पिन गेंदबाजों ने दूसरे टेस्ट मैच का सूरत-ए-हाल बदल दिए हैं। दोनों मिलकर तीसरे दिन कुल 13 विकेट चटकाए। प्रभात जयसूर्या ने 42 रन देकर 6 विकेट लिए और डेब्यू करने वाले ऑफ स्पिनर निशान पेरिस ने 33 रन देकर 3 विकेट लिए। इनकी मदद से श्रीलंका ने पहली पारी में मेहमान टीम को 88 रन पर आउट कर दिया। श्रीलंका ने 514 रन की विशाल बढ़त हासिल करने के बाद, धनंजय डी सिल्वा ने न्यूजीलैंड को फॉलोऑन दिया। फॉलोऑन खेलते हुए भी न्यूजीलैंड की हालत खराब है और बड़ी हार की कगार पर खड़ी है। न्यूजीलैंड ने अपनी दूसरी पारी में 199 रन पर पांच विकेट गंवा दिए हैं और अब भी वह 315 रन पीछे है। तीसरे दिन स्टंप्स तक ब्लंडेल (47) और फिलिप्स (32) नाबाद लौटे। श्रीलंका की तरफ से दूसरी पारी में निशान पेरिस ने तीन विकेट लिए, जबकि जयसूर्या और धनंजय को एक-एक विकेट मिला।

भारत / बांग्लादेश

टेस्ट : बारिश के कारण दूसरे दिन का खेल धुला

एजेंसी ▶▶| कानपुर

भारत और बांग्लादेश के बीच दूसरे क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन का खेल लगातार बारिश के कारण एक भी गेंद फेंके बगैर रद्द कर दिया गया। सुबह हल्की बूंदाबांदी के बाद तेज बारिश शुरू हो गई जिससे ग्रीन पार्क स्टेडियम पर दूसरे दिन कोई खेल नहीं हो सका। मैदानकर्मियों ने 11.15 के आसपास बारिश रुकने पर तीन सुपर सोपर्स लगाए। रोशनी भी साफ नहीं थी लिहाजा सवा दो बजे आधिकारिक तौर पर खेल रद्द करना पड़ा।

आज भी बारिश की संभावना

मौसम विभाग के अनुसार रविवार को भी बारिश की 59 फीसदी संभावना है। सोमवार और मंगलवार को आसमान साफ रहने की उम्मीद है। ऐसे में मैच ड्रॉ की ओर बढ़ता दिख रहा है।

भारत 1-0 से आगे : पहले दिन बांग्लादेश ने तीन विकेट पर 107 रन बनाए थे जब बारिश के कारण 35 ओवर ही फेंके जा सके थे। भारतीय तेज गेंदबाज आकाश दीप ने बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाज जाकिर हसन और शादमान इस्लाम को आउट किया था जबकि रविचंद्रन अश्विन ने कप्तान नजमुल हुसैन शंटो के विकेट लिए थे।

मयंक भारतीय टी20 टीम में शामिल

नई दिल्ली। भारत के सबसे तेज गेंदबाज मयंक यादव को शनिवार को राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में लगभग पांच महीने के रिहैबिलिटेशन पूरा करने के बाद बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया। सूर्यकुमार यादव की अगुआई वाली टीम में केवल एक और सीनियर खिलाड़ी पूर्व टी20 कप्तान हार्दिक पंड्या शामिल हैं। हाल में आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने वाले सभी खिलाड़ियों को चुना गया है। कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेलने वाले रहस्यमयी स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को 2021 में संयुक्त अरब अमीरात में निराशाजनक टी20 विश्व कप अभियान के तीन साल बाद टीम में वापस बुलाया गया है।

भारतीय टीमः सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, हार्दिक पंड्या, रियान पराग, नितीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, वरुण चक्रवर्ती, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, मयंक यादव।

चाइना ओपन

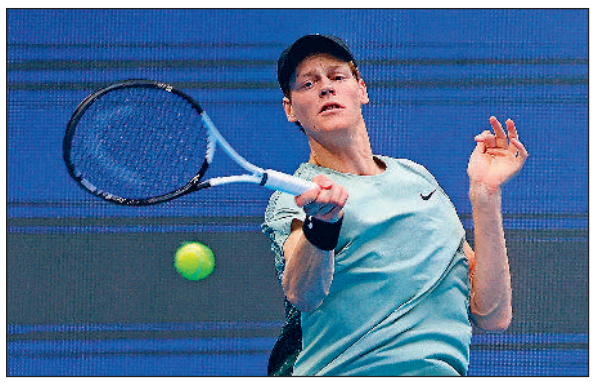

सिनर तीन सेट में जीते तीसरे दौर में सबालेंका

एजेंसी ▶▶| बीजिंग

शीर्ष वरीय यानिक सिनर ने शनिवार को यहां चाइना ओपन के दूसरे दौर में रोमन सफीउलिन को 3-6, 6-2, 6-3 से शिकस्त दी। सिनर अब जिरी लेहेका से खेलेंगे जिन्होंने रॉबर्टो बॉतिस्ता आगुट को 3-6, 6-2, 6-1 से हराया। शनिवार को इटली के फ्लावियो कैबोली ने पावेल कोटोव पर 6-4, 6-2 से जीत दर्ज की।

महिलाओं के ड्रॉ में अमेरिकी ओपन चैंपियन आर्यना सबालेंका ने थाईलैंड की क्वालीफायर मनंचया सवांगकेव पर 6-4, 6-1 से जीत के साथ तीसरे दौर में प्रवेश किया। सबालेंका की भिड़ंत अमेरिका की एशलिन क्रुगर से होगी जिन्होंने न्यूजीलैंड की लुलु सन को 6-1, 7-6 (4) से हराया। इटली की तीसरी वरीयता प्राप्त जैस्मीन पाओलिनी ने पहले सेट में खराब प्रदर्शन से उबरते हुए डेनमार्क की क्लारा टॉसन को 1-6, 7-5, 6-4 से हराया। पाओलिनी पोलैंड की मैग्डा लिनेट से खेलेंगी जिन्होंने 31वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी मोयुका उचिजिमा को 6-4, 4-6, 6-3 से मात दी।

बोपन्ना-डोडिग पहले दौर में हारे

भारत के स्टार टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और क्रोएशिया के उनके जोड़ीदार इवान डोडिग शनिवार को यहां चीन ओपन एटीपी 500 टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में फ्रांसिस्को सेरुंडोलो और निकोलस जैरी की जोड़ी के खिलाफ हार के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गए। भारत और क्रोएशिया की दूसरी वरीय जोड़ी को अर्जेन्टीना के सेरुंडोलो और चिली के जैरी की गैरवरीय जोड़ी के खिलाफ प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबले में एक घंटे और 31 मिनट में 5-7, 6-7 से हार का सामना करना पड़ा।

बीसीसीआई की 93वीं सालाना बैठक आज

बेंगलुरु। भारतीय क्रिकेट बोर्ड की रविवार को यहां होने वाली 93वीं सालाना बैठक का मुख्य एजेंडा आईसीसी की बैठकों में भारत के दो प्रतिनिधियों का चुनाव होगा और निवर्तमान सचिव जय शाह के बाद नए सचिव की तलाश एजेंडे में नहीं है। बैठक इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यूएई में महिला टी20 विश्व कप के बाद दुबई में आईसीसी कांक्लेव होने वाली है। महिला टी20 विश्व कप का फाइनल 20 अक्टूबर को दुबई में है और तब तक शाह बीसीसीआई सचिव पद पर रहेंगे। वह एक दिसंबर को आईसीसी चेयरमैन का पद संभालेंगे। बीसीसीआई अध्यक्ष के रूप में सौरव गांगुली का कार्यकाल खत्म होने के बाद से शाह आईसीसी बैठकों में भारत की नुमाइंदगी करते आए हैं।

अंतिम समय में गोल गंवाने की छवि बदली

नई दिल्ली। पूर्व महान खिलाड़ी जफर इकबाल का मानना है कि लगातार दूसरे ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के बाद यह आम धारणा बदल गई है कि भारतीय हॉकी टीम आखिरी क्षणों में गोल खा जाती है और हरमनप्रीत सिंह की अगुआई वाली टीम सभी पहलुओं में दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक है।

डॉ.वाशानी
दर-दाँत (गम पेंट)
बायो-डेंट गम पेंट, मुंह के छाले, दांत दर्द और जलन में लाभकारी यह आर्युवेदिक दवा है, यह हर्बल दवा 100 प्रतिशत सुरक्षित है
HMS देखकर खरीदें
94060-21769
असली केंदवा® मलहम
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें।
रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479
0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समयः सुबह 9.30 से 4.30 तक

सुविधाएं : मेडिसिन, पॉलीट्रामा, बर्न एण्ड प्लास्टिक लप्रोस्कोपिक सर्जरी, जनरल सर्जरी, स्पाईन एण्ड न्यूरो सर्जरी, आर्थो, कैंसर (कीमोथैरेपी व सर्जरी), स्त्री रोग, जोड़ प्रत्यारोपण
पाल जी स्वास्तिक नर्सिंग होम
बर्न एण्ड पॉलीट्रामा सेंटर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
(आयुष्मान भारत स्कीम के तहत निःशुल्क ईलाज की सुविधा उपलब्ध)
श्यामनगर जल विहार कॉलोनी पानी टंकी के पास तेलीबांधा मरीन ड्राइव के पीछे
मो. 7991031330
मो. 0771-4347172

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी
• जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स
• जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी
• ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल)
• गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ईरोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ध पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
गरचा कॉम्पलेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 7987119756, 9303508130

चन्द्रशेखर आजाद
संस्थापक : भीम आर्मी एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष
आजाद समाज पार्टी (कां.)

विनय रतन सिंह
राष्ट्रीय अध्यक्ष
भीम आर्मी

राजकुमार जांगड़े
प्रदेश अध्यक्ष
भीम आर्मी (छ.ग.)

जीवेत शरदः शतम् शतम्,
सुदिनं सुदिनं जन्मदिनम् ।

श्री मनोज बंजारे जी को भीम आर्मी, छत्तीसगढ़ के प्रदेश उपाध्यक्ष बनाए जाने एवं जन्मदिवस के उपलक्ष्य में हार्दिक शुभकामनाएं

29 सितंबर

मनोज बंजारे
प्रदेश उपाध्यक्ष भीम आर्मी, छत्तीसगढ़

पिताम्बर जांगड़े
रायपुर

दीपक कुमार खुंटे
जांजगीर- चांपा

शीतकरण महिलवार
दुर्ग

दिनेश आजाद
उपाध्यक्ष, भीम आर्मी

तुलेश दास महंत
महासचिव, भीम आर्मी

रामस्वरुप महिलांगे
प्रदेश महासचिव,भीम आर्मी

वीरेंद्र कुर्रे
प्रदेश प्रवक्ता

संतोष निराला
कोषाध्यक्ष
भीम आर्मी

हिंताज खड़बन्धे
प्रदेश मीडिया प्रभारी
भीम आर्मी

विजय सोनवानी
प्रदेश कार्यकारिणी
भीम आर्मी

लेखराम गिलहरे

उदय चरण बंजारे

रोहित कुमार

विनीत : समस्त कार्यकर्ता भीम आर्मी, छत्तीसगढ़

देश निर्माण के लिए भीम आर्मी भारत एकता मिशन से जुड़ें

• संतोष निराला 9399364095 • सीत करण महिलवार 7440384980 • संजु धृतलहरे 9303395572,
• हेमन्त आदिले 9399265038 • मनिन्दर निराला 8461964442 • विरेन्द्र कुर्रे 7440384980

Aditya Advt.

चमत्कारी है देवी की 1000 से ज्यादा मूर्तियों वाला मंदिर

एजेंसी ▶▶| टोक्यो

जापान के क्योटो का संजुसांगेन-डो बहुत ही खास तरह का मंदिर है। यह अपने लंबे लकड़ी के हॉल के लिए जाना जाता है, जिसमें दया की देवी कन्नन की 1001 मूर्तियां हैं। इसका नाम 'तैंतीस स्थानों वाला हॉल' है। यह जापान कि संस्कृति और विरासत का अद्भुत और अहम परिसर है। इसे अपनी तीरंदाजी प्रतियोगिता और इलाज करने की खास शक्ति के लिए जाना जाता है। दुनिया में चमत्कारी मंदिर केवल भारत में ही नहीं हैं। जापान के क्योटो का एक मंदिर अपने चमत्कारी इलाज के साथ साथ अनूठी एक हजार से भी ज्यादा सुंदर मूर्तियों के लिए जाना जाता है। संजूसांगेन-डो मंदिर को 1164 में बनाया गया था जिसकी हर मूर्ति दया की देवी कन्नन की है। मंदिर के नाम का मतलब 'स्तंभों के बीच 33 रिक्त स्थान वाला हॉल' है, जो इसकी अनूठी संरचना को दर्शाता है। लोग अक्सर मूर्तियों की विशाल संख्या को देखकर चकित हो जाते हैं।

हैरान करने वाली हर मूर्ति की अलग है डिजाइन

जापानी बौद्ध कला की है उत्कृष्ट कृति

मंदिर की केंद्रीय मूर्ति एक बड़ी, बैठी हुई हजार-सशस्त्र कन्नन है, जिसके दोनों ओर 500 खड़ी कन्नन मूर्तियां हैं। यह केंद्रीय आकृति जापानी बौद्ध कला की एक उत्कृष्ट कृति है। मूर्तियां जापानी साइप्रस की लकड़ी से बनाई गई हैं, जो अपनी स्थायित्व और महीन दाने के लिए जानी जाती है।

मंदिर में उपचार शक्तियां होने की हैं मान्यता

मंदिर की एक और खासियत है जो इसे जापान ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में मशहूर बनाती है।में तोशिया नामक वार्षिक तीरंदाजी प्रतियोगिता आयोजित की जाती है। यह आयोजन एदो काल से चला आ रहा है और पूरे जापान से तीरंदाजों को आकर्षित करता है। कई लोगों का मानना है कि मंदिर में उपचार शक्तियां हैं। लोग अक्सर स्वास्थ्य और बीमारियों से ठीक होने के लिए प्रार्थना करने आते हैं।

1266 में फिर से बनाया गया था

जापान के क्योटो में स्थित संजूसांगेन-डो एक बौद्ध मंदिर है जो मूर्तियों के अपने प्रभावशाली संग्रह के लिए जाना जाता है। आधिकारिक तौर पर रेंगेओ-इन कहे जाने वाले इस मंदिर का इतिहास समृद्ध है और इसकी अनूठी विशेषताएं इसे एक दर्शनीय स्थल बनाती हैं। संजूसांगेन-डो नाम इमारत के वास्तुशिल्प डिजाइन को दर्शाता है, जिसके स्तंभों के बीच 33 अंतराल हैं। जिनमें मूर्तियां दस पंक्तियों और पचास स्तंभों में व्यवस्थित हैं। इसे 1164 में सम्राट गो-शिराकावा के आदेश पर किया गया था। आग लगने से मूल इमारत नष्ट हो जाने के बाद इसे 1266 में फिर से बनाया गया था। 120 मीटर लंबा, संजुसांगेन-डो जापान में सबसे लंबी लकड़ी की संरचना है। संजुसांगेन-डो में रखी गई मूर्तियां न केवल असंख्य हैं, बल्कि वे जटिल रूप से डिजाइन की गई हैं और उनका गहरा धार्मिक महत्व भी है।

दुनिया में सबसे ज्यादा सॉफ्ट टॉयज है इस महिला के पास

वॉशिंगटन। कई लोगों के पास बहुत सारे सॉफ्ट टॉय होते हैं। पर सबसे ज्यादा सॉफ्ट टॉयज किसके पास है।आपको शायद यह जानकर हैरानी होगी कि इसका भी एक रिकॉर्ड है जो गिनीज बुक ऑफ 2वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज है। यह रिकॉर्ड एक महिला के नाम है जिसके पास कुल 1,523 सॉफ्ट है। अमेरिका के इलिनोइस की रहने वाली सबरीना डॉसमैन के पास यह खास कलेक्शन है।

एक बच्चे की मां सबरीना के पास दुनिया में सबसे ज़्यादा सक्विशमैलो हैं। सॉफ्ट टॉय 2017 में केली टॉयज़ होल्डिंग्स एलएलसी ने लॉन्च किए थे। इसके बाद वे अपने सक्विशी, मार्शमैलो जैसे एहसास के कारण बेहद लोकप्रिय हो गए। सबरीना के पास इतने सारे प्यारे खिलौने हैं कि वह उनके ऊपर सो सकती है। उसका कलेक्शन उसके घर के हर कमरे में फैला हुआ है और उन्हें रंगों से लेकर 'मज़ेदार संग्रह' और एक विशाल हैलोवीन डिस्प्ले तक, अलग-अलग हिस्सों में व्यवस्थित किया गया है।

उन्होंने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स को बताया, 'मुझे लगता है कि मैं सक्विशमैलो इकट्ठा करना तभी बंद करूंगी जब वे सक्विशमैलो का उत्पादन बंद कर देंगे।'

मंगल ग्रह पर श्वान देखकर वैज्ञानिक हुए हैरान

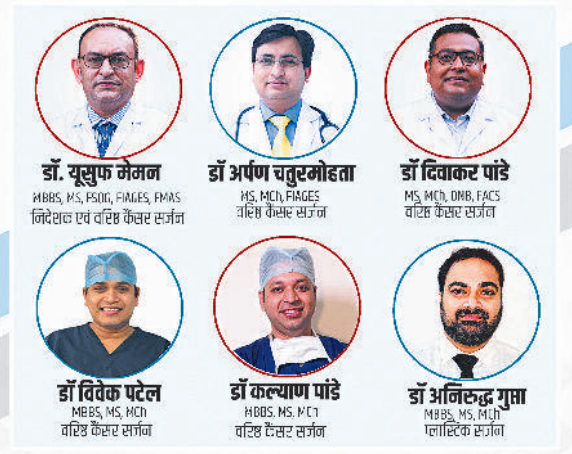

वॉशिंगटन। क्या ब्रह्मांड में पृथ्वी के अलावा कहीं और जीवन है? सालों से वैज्ञानिक इस सवाल का जवाब तलाश रहे हैं। इसके लिए वह अलग-अलग ग्रहों के बारे में जानने की कोशिश कर रहे हैं। वैज्ञानिकों में मंगल ग्रह को लेकर काफी उत्सुकता है। अब इस बीच उन्होंने मंगल ग्रह पर कुछ ऐसा देखा जिससे वह हैरत में पड़ गए।

दरअसल, वैज्ञानिकों को मंगल ग्रह के उत्तरी ध्रुव पर कई रहस्यमयी आकृतियां दिखी हैं। मंगल ग्रह की सतह के नीचे ये आकृतियां स्थित हैं। सबसे हैरानी वाल बात यह है कि इनमें एक श्वान जैसी दिखने वाली आकृति है। यह एक ब्लॉब है, जो देखने में किसी श्वान जैसी दिखती हैं। इस मार्टियन डॉग को देखकर वैज्ञानिक हैरान रह गए।

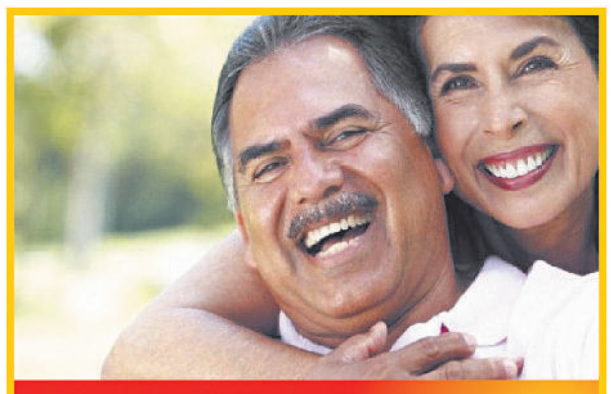

वैज्ञानिक मंगल ग्रह के गुरुत्वाकर्षण क्षेत्र का नक्शा बना रहे थे। इस दौरान उन्होंने उत्तरी ध्रुव पर कई रहस्यमयी और घनी आकृतियां देखीं। यह आकृतियां ज्यादा ग्रैविटी वाले ब्लॉब हैं। इन्हें थक्का या कोई बेहद घनत्व वाला स्थान कहा जा सकता है। इसका बनना भी एक रहस्य है। अब सवाल है कि आखिर इनका निर्माण कैसे हुआ? नक्शे से मंगल के ज्वालामुखियों के इतिहास और सबसे ऊंचे पहाड़ ओलिंपस मॉन्स के रहस्य का भी खुलासा हुआ है।

24x7 Helpline: 85568 09999
Dr. Juneja's ACCUMASS®
वज़न बढ़ाए आत्मविश्वास जगाए
एक्यूमॉस आयुर्वेदिक ग्रेन्यूल्स

रोबोटिक कैंसर सर्जरी, लेप्रोस्कोपिक कैंसर सर्जरी, प्लास्टिक सर्जरी एवं सभी प्रकार की कैंसर सर्जरी के लिए विशेषज्ञों की कुशल एवं विश्वसनीय टीम
डॉ. यूसुफ मेमन – MBBS, MS, FSOG, FIAGES, FMAS – निदेशक एवं वरिष्ठ कैंसर सर्जन
डॉ अर्पण चतुरमोहता – MS, MCh, FIAGES – वरिष्ठ कैंसर सर्जन
डॉ दिवाकर पांडे – MS, MCh, DNB, FACS – वरिष्ठ कैंसर सर्जन
डॉ विवेक पटेल – MBBS, MS, MCh – वरिष्ठ कैंसर सर्जन
डॉ कल्याण पांडे – MBBS, MS, MCh – वरिष्ठ कैंसर सर्जन
डॉ अनिरुद्ध गुप्ता – MBBS, MS, MCh – प्लास्टिक सर्जन
मरीजों के सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण इलाज के लिए पूर्ण NABH से मान्यता प्राप्त
संजीवनी CBCC कैंसर हॉस्पिटल
दावड़ा कॉलोनी, पचपेड़ी नाका, रायपुर, 7389905010, 7389904010, +91 7714081010, 4061010

स्वस्थ हृदय ही अच्छे स्वास्थ्य की पहचान है।
बैद्यनाथ असली आयुर्वेद
अर्जुनामृत
• अर्जुनामृत में अर्जुन के अलावा विडंग, गोखरू एवं नागकेशर जैसे बहुमूल्य जड़ी - बूटीयों से युक्त होने से अधिक गुणकारी है।
• बढ़ती उम्र के लिए लाभकारी।
• अर्जुनामृत के साथ शुध्द शिलाजीत युक्त प्रभाकर बटी का सेवन विशेष लाभदायक है।
I. No. MP/25E/08/040/123
वैद्यकीय सलाह : 8448444935 www.baidyanath.co

BALCO Medical Centre
बालको मेडिकल सेंटर के साथ रहिये कैंसर से एक कदम आगे
NABH व NABL से मान्यता प्राप्त कैंसर अस्पताल
• सभी प्रकार की कैंसर सर्जरी
• पैट, स्पैक्ट स्कैन, HDT, LDT थेरेपी
• रक्त-सम्बन्धी सभी बीमारियाँ एवं बोन मेरो ट्रांसप्लांट
• आधुनिक रेडियोलॉजी, लेबोरेटरी एवं ब्लड सेंटर
• अत्याधुनिक ट्रू-बीम लिनक एवं ब्रैकिथेरपी द्वारा रेडिएशन थेरेपी
• कीमोथेरेपी, टारगेट थेरेपी, इम्युनोथेरेपी
70 से अधिक सफल बोन मेरो ट्रांसप्लांट
मध्य भारत का अत्याधुनिक कैंसर अस्पताल
बीएमसी कैंसर डेकेयर- 1st फ्लोर, गंगा डायग्नोस्टिक्स, कलर्स मॉल के पास, धमतरी रोड, रायपुर (छ.ग.)
हॉस्पिटल - सेक्टर 36, नया रायपुर, छ.ग. 8282823333/4444
छत्तीसगढ़ शासन, डॉ. खूबचंद बघेल योजना, आयुष्मान भारत, BSKY C.G.H.S. एवं सभी प्रमुख PSUs-Coal India (SECL), SAIL, SECR, CRPF ESIC, ECHS, NTPC, NMDC व बीमा कम्पनियों से अनुबंधित

आयुष्मान कार्ड से कीमोथेरेपी, रेडियोथेरेपी एवं सर्जरी की सुविधा
मित्तल हॉस्पिटल
कैंसर विभाग
भिलाई: सूर्या मॉल के पास, फोन: 77228 80844, 0788 2294440
रायपुर: अवंति बाई चौक, पंडरी, फोन: 93430 79151, 91313 99570
• कैंसर सर्जरी • कीमोथेरेपी • रेडियोथेरेपी
द्वारा अनुबंधित ESIC RAILWAY SECL CGHS TPA

कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
पलकों का न खुलना टोसिस PTOSIS का ईलाज
आर.के.सी.के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेढ़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay Advt.

कठिन समस्याएं अब न होंगी
सच्ची सहेली है बेहतर स्वास्थ्य के लिए सबसे भरोसेमंद औषधि एवं टॉनिक
पूर्ण स्वदेशी, पूर्ण आयुर्वेदिक
Clinically Tested
67 दुर्लभ जड़ी-बूटियों से बना 'सच्ची सहेली' आयुर्वेदिक टॉनिक निम्न समस्याओं में विशेष सहायक है।
कठिन दर्द, चिड़चिड़ापन, थकान, कमजोरी, कमर कटना, इम्यूनिटी
SACHI SAHELI
सच्ची सहेली®
24x7 Helpline: 77106 44444 | www.sachisaheli.in | Available at all medical & general stores

करुणा श्री कैंसर हॉस्पिटल
अरबिंदो नेत्रालय के पास, पचपेड़ी नाका, रायपुर
कैंसर का इलाज संभव है
मुँह एवं गले का कैंसर
बच्चेदानी का कैंसर
स्तन कैंसर
रक्त सम्बन्धी विकार
पेट, लिवर, गुदा द्वार का कैंसर
उपलब्ध सुविधाएं: कीमोथेरेपी, सर्जरी, रेडिएशन, इम्यूनोथेरेपी
आयुष्मान भारत योजना से अनुबंधित
अधिक जानकारी एवं सहायता हेतु संपर्क करें: 0771 4280003, 6232143778
#Rajesh

(NABH से मान्यता प्राप्त) सुयश हॉस्पिटल
न्यूरोलॉजी विभाग
• सिर दर्द (माईग्रेन)
• मिर्गी • लकवा
• ब्रेन ट्यूमर
• ब्रेन हेमरेज
24 Hours Helpline 9926386660
कोटा-गुढ़ियारी रोड, होटल पिकाडली के पीछे, रायपुर
Ajay 9827144371

हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी | inh 24x7 बढ़ते भारत की आवाज | IRON LIFE
PRESENTS
24 Nov 2024
10K RUN | 5K RUN
RUN RAIPUR
Run for Health
Prayer Partner: परिमल भारतवासी अगरबत्ती
WIN PRIZE MONEY!
10K Category Winners (Men & Women) INR 50,000
5k Category Winners (Men & Women) INR 25,000
Free T-Shirt • Free Medal • Certificate on Completion
FOR REGISTRATIONS: ironlife.in

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com